फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 202 प्रभात जयपुर, सोमवार 23 फरवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Escaping From a World War II Death Camp

"Without the uprising, there would have been no survivors, no one to testify to what happened at Sobibor," wrote survivor Jules Schelvis

He wants to plant trees

Friar Park isn't just a garden. It's an eccentric's fever dream from the 1890s. Caves. Underground tunnels. A four-acre Alpine rock garden with a scale

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में सात हवाई हमले किए, 16 नागरिकों की मौत

तालिबान सरकार ने उचित समय पर जरूरी व सधी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी

- पाकिस्तान का दावा है कि उसने अफगानिस्तान सीमा के भीतर सात आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए
- अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार फाउण्डेशन के हवाले से कहा गया है कि अफगानिस्तान के बेहसुर जिले में हवाई हमले में एक ही परिवार के 16 नागरिकों की मृत्यु हुई, जिनमें एक वर्ष का बच्चा तथा 80 वर्ष का बुजुर्ग भी था।

इस्लामाबाद, 22 फरवरी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में हुए फिदायीन हमले के बाद पाकिस्तान ने रविवार को अफगान सीमा के भीतर सात आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए। इस कार्रवाई पर अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने कड़ी आपत्ति जताते हुए उचित समय पर जरूरी और सधी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार फाउंडेशन (आईएचआरएफ) के हवाले से दावा किया गया है कि रमजान के महीने में हुए इन हमलों में अफगानिस्तान के बेहसुद जिले में एक ही परिवार के 16 नागरिकों की मौत हुई है।मृतकों में एक वर्ष का बच्चा और 80 वर्षीय बुजुर्ग भी शामिल बताए गए हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

अफगानिस्तान के निजी समाचार चैनल टोलो न्यूज के अनुसार पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने नांगरहार प्रांत के खोग्यानी और गनी खेल जिलों तथा पतिका प्रांत के बेरमल और अर्गुन जिलों में कई ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान विरोधी आतंकवादी गतिविधियों के लिए न होने दे।

वहीं, अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि ये हमले देश की संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय कानून और अच्छे पड़ोसी के सिद्धांतों का उल्लंघन हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अफगानिस्तान की धरती से पाकिस्तान के खिलाफ आतंकी हमलों का संचालन नहीं किया जा रहा है। गौरतलब है कि शनिवार को खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू में हुए आत्मघाती हमले में सेना के एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक सिपाही की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल के हमलों के पुख्ता सबूत मौजूद हैं। इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद तथा बन्नू और बाजौर में हुए हमलों के पीछे ख्वारिज समूह का हाथ बताया गया है। पाकिस्तान का आरोप है कि इन हमलों में अफगानिस्तान में मौजूद संचालकों का सहयोग था।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दाएश खुरासान प्रांत (डीकेपी) के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। पाकिस्तान का कहना है कि अफगानिस्तान में सक्रिय तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), जिसे वह फितना अल ख्वारिज कहता है, और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) से जुड़े तत्व सीमा पार से हमलों में शामिल रहे हैं।

दोनों देशों के बीच सीमा पार आतंकी गतिविधियों को लेकर लंबे समय से अविश्वास बना हुआ है। पिछले वर्ष अक्टूबर में सीमा पर हुए सैन्य संघर्ष में 23 पाकिस्तानी सैनिकों और करीब 200 अफगान तालिबान लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था।

अजित पवार के प्लेन क्रैश की रिपोर्ट 28 को आएगी

मुंबई, 22 फरवरी। केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री और पुणे के सांसद मुरलीधर मोहोल ने रविवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अजित पवार की जान लेने वाले विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट 28 फरवरी को या उससे पहले जारी की जाएगी। पवार और चार अन्य लोगों की 28 जनवरी को बारामती हवाई अड्डे के निकट एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। यहां एक कार्यक्रम में पत्रकारों से बात करते हुए मोहोल ने कहा, प्रारंभिक रिपोर्ट घटना के दिन से एक

- इस विमान दुर्घटना पर विपक्ष की ओर से सवाल उठते रहे हैं।

महीने के भीतर, 28 फरवरी को या उससे पहले जारी कर दी जाएगी।

इस घटना को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक और शरद पवार के भतीजे रोहित पवार ने कई संवाददाता सम्मेलन कर विमान कंपनी से जुड़ी कुछ अनियमितताओं और अन्य तकनीकी गड़बड़ियों का दावा किया था। उन्होंने साजिश की भी आशंका जताई थी। कर्जत-जामखेड के विधायक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की कि दुर्घटना की जांच पूरी होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लश्कर-ए-तैयबा की बड़ी साजिश को पुलिस ने नाकाम किया, 8 गिरफ्तार

नौ दिन के गोपनीय ऑपरेशन के बाद स्पेशल सैल ने कोलकाता व तमिलनाडु में इन आतंकियों को पकड़ा

- पुलिस के अनुसार, बांग्लादेश में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर शब्बीर अहमद लोन के निर्देश पर यह मॉड्यूल भारत में बड़े आतंकी हमले की योजना बना रहा था। इसके लिए कई राज्यों में भीड़भाड़ वाले स्थानों की रैकी की गई थी।

नई दिल्ली, 22 फरवरी। देश में पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की बड़ी साजिश को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नाकाम कर दिया है। करीब 9 दिन गुपचुप तरीके से चले ऑपरेशन के बाद स्पेशल सेल ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े बड़े मॉड्यूल का खुलासा करने का दावा किया है। टीम ने कोलकाता और तमिलनाडु में छापेमारी कर 7 बांग्लादेशी समेत कुल 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। तमिलनाडु में गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों को लेकर पुलिस टीम दिल्ली के लिए रवाना हो गई है जिसके सोमवार को पहुंचने की उम्मीद है।

दावा किया गया है कि बांग्लादेश में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर शब्बीर अहमद लोन के निर्देश पर यह मॉड्यूल भारत में बड़े आतंकी हमले की योजना बना रहा था। इसके लिए कई राज्यों में भीड़भाड़ वाले स्थानों की रेकी की गई थी। आरोपियों के पास से बरामद मोबाइल फोन में इसके वीडियो मिले हैं। समय रहते मॉड्यूल के खुलासे से बड़ा आतंकी हमला टल गया है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा निवासी उमर फारूक, बांग्लादेशी नागरिक रबि-उल-इस्लाम, मो. लिटन, मो. मिजानुर रहमान, मो. उज्जाल, मो. जहीदुल इस्लाम, उमर और सैफायत होसेन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 12 मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। इनसे पूछताछ कर मामले की छानबीन की जा रही है।

स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने रविवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि मॉड्यूल का खुलासा 7 फरवरी को दिल्ली में लगे देश विरोधी पोस्टर से हुआ। कुछ लोगों ने कश्मीरी गेट बस अड्डा और मेट्रो स्टेशन के पास देश-विरोधी पोस्टर लगा दिए। सीआईएसएफ के जवानों ने इन्हें देखकर मेट्रो पुलिस को खबर दी। मेट्रो पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की।

जांच के दौरान पोस्टर लगाने वाले आरोपितों के आने-जाने के रूट का मेट्रो पुलिस ने पता लगा लिया। आरोपी पोस्टर लगाने के बाद कोलकाता भाग गए। बाद में 13 फरवरी को केस को स्पेशल सेल को ट्रांसफर कर दिया गया। जिसके बाद टीम फौरन कोलकाता पहुंची। वहां स्थानीय पुलिस के सहयोग से स्पेशल सेल की टीम ने उमर फारूक और रबि-उल-इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि इन लोगों ने बांग्लादेश में बैठे लश्कर के हैंडलर शब्बीर अहमद लोन के इशारे पर पोस्टर लगाए थे। लश्कर के इशारे पर भारत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डीएमके व कांग्रेस के बीच सीटों का बंटवारा निर्णायक दौर में

मुख्यमंत्री स्टालिन व कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल की मुलाकात में स्थिति स्पष्ट होने के आसार

- डीएमके महासचिव दुरैमुरुगन ने पार्टी कोषाध्यक्ष टी.आर. बालू की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति बनाई है, जो गठबंधन के सभी सहयोगी दलों से वार्ता कर रही है।

चेन्नई, 22 फरवरी। तमिलनाडु के आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच राजनीतिक दलों ने उम्मीदवार तय करने, गठबंधन को मजबूत करने और सीट वितरण को अंतिम रूप देने की कोशिशें तेज कर दी हैं। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) ने अपने गठबंधन का ढांचा लगभग तैयार कर दिया है, जबकि छोटे दल आने वाले दिनों में अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे।

मुख्यमंत्री और डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात करेंगे। वेणुगोपाल दिल्ली से पहुंच रहे हैं। उनके साथ तमिलनाडु कांग्रेस समिति (टीएनसीसी) अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गिरीश चोडणकर भी मौजूद रहेंगे।

इस बैठक का फोकस डीएमके और कांग्रेस की सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने पर होगा, जो कि राज्य में डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) के हिस्से के रूप में है। कांग्रेस डीएमके की मुख्य सहयोगी है। उसने पिछले साल नवंबर में सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए गिरीश चोडणकर के नेतृत्व में पांच सदस्यीय समिति बनाई थी। करीब तीन महीने तक पार्टी डीएमके से अपनी वार्ता समिति बनाने का आग्रह करती रही। डीएमके के महासचिव दुरैमुरुगन ने हाल ही में पार्टी कोषाध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री टीआर बालू की अध्यक्षता में सात सदस्यीय सीट बंटवारा समिति की घोषणा की, जो गठबंधन सहयोगियों के साथ बातचीत करेगी। इस समिति ने पहले ही इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के साथ बातचीत शुरू कर दी है। आईयूएमएल के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को शुरुआती बैठक के लिए डीएमके समिति से मुलाकात की।

शरद पवार फिर अस्पताल में भर्ती

मुंबई, 22 फरवरी। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार की रविवार को फिर से तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें पुणे के रुबी हॉल क्लिनिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। शरद पवार अगले दो दिन तक इसी हॉस्पिटल में रहेंगे।

अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि शरद पवार को उल्टी की वजह से डीहाइड्रेशन हो गया है। इसलिए अगले दो दिन तक वे इसी हॉस्पिटल में रहकर इलाज करवाएंगे। शरद पवार की तबीयत अब पूरी तरह से स्थिर और ठीक है।

शरद पवार की बेटी और सांसद

- डॉक्टर के अनुसार, उल्टी होने के कारण डीहाइड्रेशन हो गया था।

सुप्रिया सुले ने बताया कि शरद पवार को आज अचानक उल्टी हुई, जिससे वे असहज महसूस करने लगे। इसके बाद तत्काल रुबी हॉल क्लिनिक के डॉक्टरों को बुलाया गया। डॉक्टरों की सलाह पर शरद पवार को फिर से अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सुप्रिया सुले ने कार्यकर्ताओं को अस्पताल में न आने की अपील की है।

शरद पवार को हाल ही में रुबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसी अस्पताल से 14 फरवरी को शरद पवार को डिस्चार्ज किया गया था।

25 लाख के ईनामी नक्सली ने सरेंडर किया

जगदलपुर, 22 फरवरी। नक्सली संगठन के पोलित ब्यूरो सदस्य और केंद्रीय समिति के सदस्य 25 लाख के इनामी देवजी ने अपने 16 नक्सली साथियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय

- देवजी लंबे समय से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय था तथा आठ माह पूर्व ही उसे संगठन का महासचिव बनाया गया था।

शर्मा ने पुष्टि करते हुए कहा कि बाकी बचे सभी नक्सलियों का भी जल्द ही आत्मसमर्पण करवाया जाएगा।

नक्सली देवजी मूल रूप से करीमनगर जिले का निवासी है और लंबे समय से नक्सली संगठन की केंद्रीय गतिविधियों में सक्रिय था। करीब आठ महीने पहले ही उसे संगठन का महासचिव बनाया गया था।

नक्सली संगठन के पोलित ब्यूरो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एआई समिट में कांग्रेसियों का कपड़े उतार प्रदर्शन शर्मनाक था- मोदी

प्रधानमंत्री ने मेरठ मैट्रो रेल तथा दिल्ली गाजियाबाद मेरठ नमो कॉरिडोर का उद्घाटन किया

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि गांव में शादी होती है तो पूरा गांव जुट जाता है, लेकिन कांग्रेस अपने देश को ही बदनाम करने में जुटी है।

मेरठ/लखनऊ , 22 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस जहरीली और देश विरोधी राजनीति कर रही है। कांग्रेस अब देश पर बोझ बन चुकी है। नई दिल्ली में एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के कपड़े उतार कर प्रदर्शन करने की घटना को शर्मनाक बताते हुए मोदी ने कहा कि मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं कि देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो, फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्या पड़ी।

रविवार को मेरठ में मेट्रो रेल और दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर जमकर प्रहार किये। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक तरफ देशवासी भारत को विकसित बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, लेकिन देश में ही कुछ राजनीतिक दल भारत की सफलता को पचा नहीं पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा में मेरठ के लोगों से पूछा कि एआई समिट से गर्व हुआ है या नहीं, सीना चौड़ा हुआ है, युवाओं का भाग्य बदलने के लिए यह आयोजन हुआ है। इस पर सभा में मोदी -मोदी के नारे लगने लगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस आयोजन से पूरा देश गर्व से भर गया लेकिन कांग्रेस ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी नंगी और गंदी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। समारोह स्थल पर विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतार कर पहुंच गए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने नेताओं ने समिट में जो कुछ किया वह दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कितनी दिवालिया और कितनी दरिद्र हो गई है। कांग्रेस तो अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गांव में शादी होती है तो पूरा गांव जुटा जाता है लेकिन कांग्रेस को अपने देश को ही बदनाम करने में जुटी है। कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि एआई समिट भाजपा का आयोजन नहीं था और न ही वहां भाजपा का नेता था। यह देश के लोगों का कार्यक्रम था, लेकिन कांग्रेस ने सारी मर्यादाएं तोड़ी और अब देशभर में कांग्रेस की थू थू हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके बावजूद कांग्रेस के नेता बेशर्मी के साथ देश का अपमान करने वालों की जय जयकार कर रहे हैं और मीडिया इस घटनाक्रम में पूरे विपक्ष का नाम लेता है जबकि कांग्रेस के नंगेपन में टीएमसी, बीएसपी नहीं थे सिर्फ कांग्रेस थी। यह कांग्रेस की यह हरकतें लगातार हो रही हैं। लोकसभा नहीं चलने दे रहे हैं और माताओं- बहनों को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर कब्जा करने भेजते हैं। अगर प्रधानमंत्री बनना है तो लोगों का दिल जीतिए। प्रधानमंत्री की कुर्सी पर कब्जा करके नहीं बन पाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अब देश पर बोझ बन चुकी है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के बाकी हिस्से और मेरठ मेट्रो का उद्घाटन किया। मेट्रो में सफर कर छात्रों, युवाओं से बातचीत की। रैपिड सेवा शुरू होने से मेरठ और दिल्ली के बीच यात्रा का समय काफी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रेड डील की बैठक पर ब्रेक, भारत के व्यापारिक दल की वॉशिंगटन यात्रा स्थगित

भारत-अमेरिकी अंतरिम समझौता अप्रेल से लागू होना था, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद असमंजस फैला

- भारत सरकार अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले तथा अमेरिका की नई घोषणाओं के असर का गहराई से अध्ययन कर रही है। भारतीय दल के वॉशिंगटन दौरे का कार्यक्रम अमेरिकी अधिकारियों से बात होने के बाद तय किया जाएगा।

वॉशिंगटन डीसी, 22 फरवरी।भारत ने इस हफ्ते वॉशिंगटन भेजने वाला अपने व्यापारिक दल का दौरा अचानक टाल दिया है। व्यापार मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद टैरिफ को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता इसका मुख्य कारण है।

गौरतलब है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए कुछ टैरिफ को खारिज कर दिया था। इसके ठीक एक दिन बाद शनिवार को ट्रंप ने सभी देशों से आने वाले अमेरिकी आयात पर 15 फीसदी का अस्थायी टैरिफ लगा दिया। यह कानून के तहत सबसे ज्यादा सीमा है।

सूत्र ने कहा, दोनों देशों के अधिकारियों के बीच बात होने के बाद ही यह फैसला लिया गया। अभी नई तारीख तय नहीं हुई है। प्रतिनिधिमंडल रविवार को ही रवाना होने वाला था, जहां अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की तैयारी चल रही थी।

इस समझौते में अमेरिका भारत के निर्यात पर 50 फीसदी के भारी टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी करने को तैयार था। इस 50 फीसदी में से 25 फीसदी टैरिफ इसलिए लगे थे क्योंकि भारत रूस से तेल खरीद रहा था। बदले में भारत ने पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान खरीदने का वादा किया था। इनमें एनर्जी प्रोडक्ट, विमान और उनके पार्ट्स, कीमती धातुएं और टेक्नोलॉजी से जुड़े सामान शामिल हैं।

कांग्रेस पार्टी ने इस अंतरिम समझौते पर रोक लगाने की मांग की है। पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि कोर्ट के फैसले से पहले ही संयुक्त बयान क्यों जारी कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अब समझौते को फिर से बातचीत करके बेहतर तरीके से तय करना चाहिए। शनिवार को ही भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा था कि कोर्ट के फैसले और अमेरिका की नई घोषणाओं के असर का गहराई से अध्ययन किया जा रहा है।

पिछले हफ्ते वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि बाकी मुद्दे सुलझ जाने पर अप्रैल से यह अंतरिम समझौता लागू हो सकता है। अब कोर्ट के फैसले और नए टैरिफ के बाद स्थिति बदल गई है।

ट्रंप पर फिर हमले की साजिश

वाशिंगटन, 22 फरवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक बार फिर हमले की साजिश सामने आई है। उनके फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित मार-ए-लागो रिजॉर्ट के सुरक्षा घेरे में एक शख्स हथियार लेकर घुस गया। हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने हथियारबंद व्यक्ति को मार गिराया। अमेरिकी खुफिया विभाग

- रिसॉर्ट में गन लेकर घुसा शख्स, सुरक्षाकर्मियों ने किया ढेर।

के अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ट्रंप आमतौर पर अपना वीकेंड मार-ए-लागो रिजॉर्ट में गुजारते हैं, लेकिन शनिवार रात को घटना के समय वह वाइट हाउस में थे। अधिकारियों ने बताया कि प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप भी घटना के समय राष्ट्रपति के साथ वाइट हाउस में थीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो बेटों ने जमीन विवाद में पिता की हत्या की

जयपुर, 22 फरवरी। जयपुर ग्रामीण जिले के रेनवाल थाना इलाके के गुमानपुरा गांव में जमीन विवाद के चलते दो बेटों द्वारा अपने ही पिता की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या करने

- घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

का मामला सामने आया है। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार मृतक अपने खेत की जमीन बेचने पर विचार कर रहे थे। इसी बात को लेकर उनके दोनों बेटे शंकर सिंह और अमर सिंह नाराज चल रहे थे। परिवार में पिछले कुछ दिनों से इसी मुद्दे को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई थी। बताया जा रहा है कि घटना वाले दिन भी पिता और दोनों बेटों के बीच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सही स्थान पर बोया गया सुकर्म का बीज ही समय आने पर महान फल देता है। –कथा सरित्सागर

भारत में बेरोज़गारी

भारत विश्व की सबसे ज़्यादा युवा आबादी वाला देश है। भारत की युवा आबादी (15–24 वर्ष): लगभग 24 करोड़ (240 मिलियन) है। हमारी तुलना में चीन में यह युवा आबादी थोड़ी कम अर्थात 22 करोड़ ही है। यह स्थिति किसी भी देश के लिए अत्यधिक हर्ष और गर्व का कारण होनी चाहिए। हम भारतीयों को भी इस बात पर गर्व है। लेकिन ज़रा ठहर कर सोचें तो हम पाते हैं कि यह स्थिति जितना गर्व प्रदान करती है उतनी ही चिंता भी पैदा करती है। बात को स्पष्ट करूं? अगर हम इस युवा आबादी की कार्य क्षमता का अर्थात जन सांख्यिकीय लाभांश पूरा उपयोग कर सकें तो देश का समठा विकास नई ऊंचाइयों को छू सकता है। लेकिन अगर हम इन 48 करोड़ हाथों को उपयुक्त रोज़गार न दे सकें और इनकी क्षमताओं का पूरा उपयोग न कर सकें तो न केवल विकास का हमारा सपना पूरा नहीं होगा, ये युवा भी कुण्ठित होकर एक बड़ी सामाजिक उथल–पुथल का कारण बन जाएंगे। इसलिए यह बहुत ज़रूरी है कि देश में न केवल आर्थिक विकास हो, वह आर्थिक विकास रोज़गार सृजन में भी सक्षम हो। यहां यह बात भी ध्यान में रखने योग्य है कि भारत में आर्थिक विकास की दर पिछले कुछ वर्षों से 6 से 8 प्रतिशत के बीच रही है। देखने की बात यह है कि क्या इस आर्थिक विकास की कोई संगति हमारे रोज़गार सृजन से है?

भारत सरकार के पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (PLFS) के नवीनतम उपलब्ध वार्षिक आंकड़ों (जुलाई 23 से जून 24) के अनुसार भारत में बेरोज़गारी की दर लगभग 3.2 प्रतिशत थी। इस दर में पुरुष और महिला बेरोज़गारी लगभग समान पाई गई। हाल के समय में पीएलएफएस के ये आंकड़े त्रैमासिक आधार पर भी ज़ारी किए जाने लगे हैं, और अक्टोबर–दिसम्बर 2025 के आंकड़े बताते हैं कि भारत में बेरोज़गारी दर 4.8 प्रतिशत थी। इसी अवधि में ग्रामीण बेरोज़गारी दर लगभग 4 प्रतिशत और शहरी बेरोज़गारी दर 6.7 प्रतिशत पाई गई। यहीं यह जान और समझ लेना भी ज़रूरी है कि भारत में बेरोज़गारी को तकनीकी रूप से परिभाषित करने का तरीका ऐसा है कि स्थित वाकई जितनी गम्भीर है उतनी गम्भीर नज़र नहीं आती है। तरीका यह है कि जिस व्यक्ति के पास न्यूनतम एक घण्टे का भी काम है वह सरकारी आंकड़ों में बेरोज़गार नहीं माना जाता है। तो ये 4.8 प्रतिशत लोग वे हैं जिनके पास एक घण्टे का भी रोज़गार नहीं है। लेकिन सोचिये कि जिस व्यक्ति के पास एक या दो घण्टे का रोज़गार है क्या वह उसे जीवित रखने के लिए पर्याप्त है? गरिमापूर्वक जीवित रहने की तो बात ही मत कीजिए।

अभी हम समग्र बेरोज़गारी की बात कर रहे थे। अब ज़रा युवा वर्ग (15–29 वर्ष) के रोज़गार की स्थिति भी जान लें। पीएलएफएस डेटा के अनुसार भारत में युवा बेरोज़गारी दर 10.2 प्रतिशत है जो वैश्विक औसत से थोड़ी कम है। वैसे कुछ अन्य सर्वेक्षण यह भी बताते हैं कि भारत में युवा बेरोज़गारी दर 14–15 प्रतिशत के आस पास है। अगर हम सरकारी आंकड़ों को पूरी तरह विश्वसनीय मान लें तो भी स्थिति चिंताजनक है। जो युवा शक्ति भविष्य की औद्योगिक, डिजिटल और हरित अर्थ व्यवस्था की रीढ़ हो सकती है, उसके पास काम ही न होना गम्भीर चिंता की बात है।

अभी हमने कुछ अलग–अलग लगने वाले मुद्दों की चर्चा की: भारत में बेरोज़गारी, भारत में युवा बेरोज़गारी और भारत में आंशिक बेरोज़गारी। आंशिक बेरोज़गारी से यहां आशय यह है कि जो लोग दिन में केवल एक घण्टा काम करते हैं वे आंशिक बेरोज़गार हैं। यही हम असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्रों में काम करने वालों को और गिग वर्कर्स को भी याद कर सकते हैं। गिग वर्कर भले ही साथ आठ या इससे भी ज़्यादा घण्टे काम करते हैं और उनमें से अनेक ठीक–ठाक कमाई भी कर लेते हैं, उनके पास किसी तरह की सामाजिक सुरक्षा का न होना और हमेशा ही उन पर काम से बाहर कर दिये जाने की तलवार का लटका रहना उनकी स्थिति को चिंताजनक बना देता है।

> **भारत के पास बहुत बड़ी युवा शक्ति है। उसका सही उपयोग करके हम अपने देश को प्रगति की राह पर ले जा सकते हैं। युवा काम चाहते हैं। वे काम करने को तैयार हैं। ज़रूरत इस बात की है कि उन्हें काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाए और दो टूक शब्दों में यह भी समझा दिया जाए कि प्रगति की राह श्रम की सड़क से ही होकर गुज़रती है। अपनी शिक्षा व्यवस्था को सुधार कर और उसे भविष्य की ज़रूरतों के अनुरूप ढाल कर हम बेरोज़गारी की समस्या को हल कर सकते हैं।**

अब हम यह विचार करें कि भारत की आर्थिक प्रगति की दर ठीक–ठाक होने के बावज़ूद बेरोज़गारी की वजह क्या है? पहली बात तो यह कि हमारे यहां सेवा क्षेत्र का विकास अधिक हुआ है और उसमें रोज़गार के अवसर अपेक्षाकृत कम हैं। दूसरी बात तकनीकी प्रगति और स्वचालन है जिसने रोज़गार के अवसर कम कर दिए हैं। पहले जहां सौ कार्मिकों की ज़रूरत थी, अब बमुश्क़िल दस की ज़रूरत रह गई है। इसी के साथ यह भी जोड़कर देखना होगा कि हम बाज़ार की ज़रूरतों का प्रामाणिक आकलन करके तदनुसार अपनी शिक्षा को नियोजित कर पाने में असमर्थ रहे हैं। यह कहना भी बहुत क्रूर नहीं होगा कि हमारी शिक्षा व्यवस्था और बाज़ार की ज़रूरतों के बीच कोई संवाद है ही नहीं। परिणाम यह होता है कि रोज़गार के नए अवसर तो सृजित होते हैं लेकिन उन अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम युवा हमारे पास नहीं होते हैं, भले ही उनके पास किसी विश्वविद्यालय की औपचारिक डिग्री होती है लेकिन वह डिग्री भावी नियोक्ता को काम की नहीं लगती।

पिछले दिनों एक समाचार आया था कि राजस्थान के 18 में से दस विश्वविद्यालयों में सारे के सारे पद रिक्त पड़े हैं। अकेले राजस्थान विश्वविद्यालय में, जो राजस्थान का सबसे पुराना और अग्रणी विश्वविद्यालय है 1016 शैक्षणिक पदों में से 608 पद रिक्त हैं। जोधपुर के एमबीएम इंजीनियरिंग संस्थान में शिक्षकों के सारे के सारे 147 पद रिक्त हैं। वहीं के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में शिक्षकों के 421 में से 308 पद खाली पड़े हैं। कोटा विश्वविद्यालय में 64 के 64 शैक्षिक पद खाली पड़े हैं। कहना अनावश्यक है कि इन खाली पदों के बावज़ूद ये संस्थान नियमित परीक्षाएं भी करवाते हैं और हर साल शिक्षितों की एक बड़ी फौज़ को कोई न कोई डिग्री देकर बाहर भी निकालते हैं। सोचने की बात यह है कि बिना शिक्षकों के पढ़ाई करने वाले ये युवा कितने काबिल होंगे? कोई इन्हें क्यों अपने यहां नियुक्त करेगा! हाथों में डिग्री थामे ये युवा या तो पूरी तरह बेरोज़गार रहेंगे या फिर 'चपरासी की नौकरी के लिए आए डिग्री धारी इंजीनियर जैसी किसी सनसनीखेज खबर का विषय बनकर रह जाएंगे।

बहुत बार यह कहा जाता है कि भारत का अधिसंख्य युवा पढ़ाई में मेहनत नहीं करता है या वह केवल ऐसी सरकारी नौकरी करना चाहता है जहां बहुत कम दक्षता से काम चल जाता है। हो सकता है ये बातें आंशिक रूप से सही हों। लेकिन ये आंशिक रूप से सही बातें हमारे नीति निर्माताओं को उनकी ज़िम्मेदारी से मुक्त नहीं कर सकतीं। क्यों नहीं अगले दस–पंद्रह बरसों की ज़रूरत का आकलन करके तदनुसार शैक्षिक ढांचे को व्यवस्थित किया जाए! क्यों न शिक्षा के नाम पर खुलने वाली महंगी दुकानों पर रोक लगाई जाए! क्यों न सरकारी शिक्षण संस्थानों की हालत सुधारी जाए! क्यों न शिक्षा व्यवस्था की पूरी बागडोर उनके हाथों में सौंपी जाए जो इसकी काबिलियत रखते हैं! क्यों न नेता और राजनीति कर्मी इस सारे काम से अपने को दूर रखें। उनके पास वैसे भी करने को बहुत सारे काम हैं। शिक्षा का काम इस क्षेत्र के विशेषज्ञों पर छोड़ दें तो उनकी बड़ी कृपा होगी। अभी तो हाल यह है कि इतिहास के मुद्दों पर भी विचार और फैसला वे करते हैं जिन्हें इतिहास का इ भी मालूम नहीं। वे ही यह तै करते हैं कि किस वैज्ञानिक को पाठ्यक्रम में रखा जाएगा, किसे हटाया जाएगा। वे ही इस बात का भी फैसला करते हैं कि अंग्रेज़ी साहित्य के पाठ्यक्रम में शेक्सपियर को पढ़ाया जाए या नहीं! जब यह सब हो रहा है तो इसकी परिणति भी वही हो सकती है जो हो रही है।

भारत के पास बहुत बड़ी युवा शक्ति है। उसका सही उपयोग करके हम अपने देश को प्रगति की राह पर ले जा सकते हैं। युवा काम चाहते हैं। वे काम करने को तैयार हैं। ज़रूरत इस बात की है कि उन्हें काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाए और दो टूक शब्दों में यह भी समझा दिया जाए कि प्रगति की राह श्रम की सड़क से ही होकर गुज़रती है। अपनी शिक्षा व्यवस्था को सुधार कर और उसे भविष्य की ज़रूरतों के अनुरूप ढाल कर हम बेरोज़गारी की समस्या को हल कर सकते हैं। दुनिया के बहुत सारे देशों ने ऐसा किया है। उनके उदाहरण हमारे सामने हैं। चुनाव हमें करना है, कि हम क्या चाहते हैं!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

विकसित राजस्थान @ 2047 का बजट और सशक्त नारी शक्ति

राजेंद्र राठौड़

राजस्थान की मरुधरा आज एक युगांतरकारी परिवर्तन की साक्षी बन रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व और उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा प्रस्तुत बजट विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को साकार करने वाला एक सुदृढ़ विजन डॉक्यूमेंट है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को आत्मसात करते हुए इस बजट में (गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति) को प्रगति का मुख्य आधार बनाया गया है। राजस्थान अपनी वित्तीय सीमाओं के भीतर रहते हुए एक कल्याणकारी राज्य और आर्थिक शक्ति के बीच संतुलन साध रहा है।

किसी भी प्रदेश की प्रगति का सबसे सटीक पैमाना उसकी जीडीपी और राजकोषीय अनुशासन होता है। आर्थिक समीक्षा 2026–27 के आंकड़े चौंकाने वाले और उत्साहजनक हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आकार अब 21 लाख 52 हजार 100 करोड़ रुपये अनुमानित है। यह आंकड़ा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पिछली सरकार के अंतिम वर्ष की तुलना में 41.39 अधिक है। यह वृद्धि दर दर्शाती है कि राजस्थान में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों ने तेज रफ्तार पकड़ी है। एक आम राजस्थानी की औसत आय में भी अभूतपूर्व सुधार हुआ है।प्रति व्यक्ति आय जो पहले 1.67 लाख रुपये के आसपास थी, अब बढ़कर 2,02,349 रुपये तक पहुँचने का अनुमान है। अक्सर देखा गया है कि लोकलुभावन घोषणाओं के चक्कर में राज्य कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। लेकिन इस बजट में राजकोषीय घाटे को का मात्र 2.54 रखने का लक्ष्य रखा गया है, जो निर्धारित वित्तीय सीमाओं के भीतर एक बड़ी उपलब्धि है।

इस बजट का सबसे उज्ज्वल पक्ष नारी शक्ति पर केंद्रित निवेश है। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महिला सशक्तिकरण अब केवल नारों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे वित्तीय स्वतंत्रता से जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री के विजन से प्रेरित होकर राजस्थान में 12 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं। बजट 2026–27 में इस मुहिम को और विस्तार देते हुए 5,000 लखपति दीदियों को 100 करोड़ रुपये की ऋण सहायता का प्रावधान किया गया है। यह छोटे उद्योगों और स्वयं सहायता समूहों के लिए संजीवनी साबित होगा।

कृषि सखी और पशु सखी को आधुनिक डिजिटल टैबलेट से लैस करना एक क्रांतिकारी कदम है। यह न केवल तकनीक को गांव की चौपाल तक पहुँचाएगा, बल्कि डेटा–आधारित खेती और पशुपालन को भी बढ़ावा देगा। सरकार ने लाडो प्रोत्साहन के भाव को बजट के केंद्र में रखा है। प्रदेश की 4.6 लाख बालिकाओं को जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक 1.5 लाख रुपये की किश्तवार सहायता प्रदान की जा रही है। 382 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों और 41 नेताजी सुभाष चंद्र बोस छात्रावासों का कायाकल्प किया जा रहा है। यहां 3–फेज बिजली, वॉशिंग मशीन और ऑटोमैटिक रोटी मेकर जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं ताकि छात्राएं अपना पूरा ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित कर सकें। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति और अनुसूचित जाति–जनजाति की छात्राओं के लिए पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति के माध्यम से करोड़ों की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में पहुंचाई जा रही है।स्वास्थ्य के क्षेत्र में राजस्थान ने आउट बाउंड पोर्टेबिलिटी शुरू कर देश में एक मिसाल पेश की है। अब राजस्थान की महिलाएं केवल प्रदेश के भीतर नहीं, बल्कि देशभर के 31,000 से अधिक संबद्ध अस्पतालों में मुफ्त इलाज करा सकेंगी।

मातृत्व सहायता राशि को बढ़ाकर 6,500 रुपये कर दिया गया है, जिसका लाभ लगभग 10 लाख गर्भवती महिलाओं को मिलेगा। इसके साथ ही, 1.22 करोड़ महिलाओं और किशोरियों को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन का वितरण मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति सरकार की गंभीरता को दर्शाता है। महिला सुरक्षा के मोर्चे पर तकनीक और पुलिसिंग का एक हाइब्रिड मॉडल तैयार किया गया है। प्रदेश में 22,000 सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क स्थापित किया गया है। 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स और 65 एंटी–रोमियो स्क्वॉड की तैनाती ने जमीनी स्तर पर सुरक्षा का माहौल बनाया है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में महिला अपराधों में 12 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, जो इस रणनीति की सफलता का प्रमाण है।

बजट में महिला कर्मचारियों के लिए सरोगेसी और कमीशनिंग मदर्स को मातृत्व अवकाश (क्रमशः 180 और 90 दिन) देने का प्रावधान प्रगतिशील समाज की पहचान है। वहीं, मृत कर्मचारियों के आश्रितों में पुत्र वधू को शामिल करना पुरानी और रूढ़िवादी मान्यताओं को तोड़ने वाला एक बड़ा सामाजिक सुधार है। किसान सम्मान निधि में 10,900 करोड़ रुपये का निवेश और गेहूं पर 150 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस सीधे किसानों की क्रय शक्ति में वृद्धि करेगा। युवाओं के लिए भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और समयबद्ध नियुक्तियां इस बजट की प्राथमिकता हैं।इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में27,860 करोड़ की लागत से 42,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण न केवल कनेक्टिविटी बढ़ाएगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा।

वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए सरकार ने जो खाका खींचा है, वह संतुलित विकास की ओर इशारा करता है। कुल प्राप्तियां 3,14,455.38 करोड़ और कुल व्यय 3,69,123.33 करोड़ के साथ ही विकास कार्यों के लिए 56,691.82 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि बजट 2026–27 राजस्थान को बीमारू राज्य की छवि से पूरी तरह बाहर निकालकर एक विकसित प्रदेश की श्रेणी में लाने का साहस रखता है। बुनियादी ढांचे पर भारी निवेश (27,860 करोड़ रुपये सड़कों के लिए) और साथ ही सामाजिक सुरक्षा (91 लाख लाभार्थियों को 28,400 करोड़ रुपये की पेंशन) के बीच का यह संतुलन काबिले तारीफ है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान अब केवल योजनाओं के बारे में नहीं सोच रहा, बल्कि परिणामों को डिलीवर कर रहा है। यदि इन घोषणाओं का धरातल पर क्रियान्वयन इसी गति से होता रहा, तो विकसित राजस्थान 2047 का लक्ष्य केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक हकीकत होगा। यह बजट आधी आबादी के प्रति सम्मान, अन्नदाता के प्रति कृतज्ञता और युवाओं के प्रति विश्वास का एक साझा दस्तावेज है। यह राजस्थान की समृद्धि का नया अध्याय है।

राजेंद्र राठौड़, पूर्व मंत्री, राजस्थान।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट में विदेशों पर निर्भरता और आमजन को आत्मनिर्भर भारत का भ्रम

ज़रूरत है आत्मविश्लेषण की

सुनील दत्त गोयल

भारत आज स्वयं को विश्वगुरु, आत्मनिर्भर राष्ट्र और वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने की बात करता है, लेकिन यदि इन नारों की बुनियाद को परखा जाए तो सबसे कमजोर कड़ी अनुसंधान एवं विकास (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) ही दिखाई देती है। यह एक कटु सत्य है कि भारत आज भी अपनी जीडीपी का लगभग 0.6 प्रतिशत ही रिसर्च पर खर्च कर रहा है, जबकि दुनिया के अधिकांश अग्रणी देश 3.5 से 4 प्रतिशत तक का निवेश इस क्षेत्र में करते हैं। सवाल यह नहीं है कि भारत के पास संसाधन नहीं हैं, बल्कि यह है कि क्या भारत की नीतिगत प्राथमिकताओं में रिसर्च वास्तव में शामिल है?

विडंबना यह है कि हम हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर चीन, अमेरिका या यूरोप की तकनीकी बढ़त पर चर्चा करते हैं, लेकिन यह स्वीकार करने से कतराते हैं कि उनकी इस बढ़त का मूल कारण निजी क्षेत्र को खुली छूट और प्रोत्साहन देना है। भारत में आज भी रिसर्च को सरकारी प्रयोगशालाओं और सीमित सार्वजनिक संस्थानों तक सीमित रखने की मानसिकता हावी है। निजी क्षेत्र को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है, मानो नवाचार केवल सरकारी फाइलों और समितियों में ही जन्म ले सकता हो।

यदि चीन का उदाहरण लें, तो तस्वीर और भी स्पष्ट हो जाती है। चीन न केवल रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर भारी निवेश करता है, बल्कि निजी कंपनियों को टैक्स छूट, अतिरिक्त डिडक्शन, सब्सिडी, सॉफ्ट लोन और सरकारी खरीद में प्राथमिकता जैसे कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ देता है। कई मामलों में तो कंपनियों द्वारा रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च किए गए धन का बड़ा हिस्सा अलग–अलग रूपों में उन्हें वापस मिल जाता है। परिणाम यह है कि चीनी कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, ड्रोन टेक्नोलॉजी, सैटेलाइट सिस्टम और साइबर क्षमताओं में तेज़ी से आगे बढ़ी।

इसके विपरीत भारत में निजी उद्योग को अक्सर यह संदेश मिलता है कि आप निवेश करें, जोखिम उठाएं, लेकिन भरोसा और अधिकार सरकार के पास ही रहेगा। यही कारण है कि देश का प्रतिभाशाली युवा और उद्योगपति अपनी रिसर्च एंड डेवलपमेंट क्षमता का बड़ा हिस्सा विदेशों में इस्तेमाल करने को मजबूर होता है।

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स–2025 के ताज़ा आँकड़े भारत की अनुसंधान एवं विकास स्थिति की एक मिश्रित तस्वीर पेश करते हैं। दुनिया भर में कुल रिसर्च एंड डेवलपमेंट खर्च लगभग 2.8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच चुका है, जिसमें एशिया की हिस्सेदारी लगभग 45 प्रतिशत है। चीन ने लगभग 785.9 बिलियन डॉलर और अमेरिका ने 781.8 बिलियन डॉलर शोध पर खर्च किए, जबकि भारत 75.7 बिलियन डॉलर के साथ शीर्ष–10 देशों में सातवें स्थान पर है। सतही तौर पर यह उपलब्धि उत्साहजनक लग सकती है, किंतु गहराई से देखने पर अंतर स्पष्ट दिखाई देता है – चीन भारत की तुलना में लगभग दस गुना अधिक निवेश कर रहा है। और जब खर्च को जीडीपी के अनुपात में देखा जाता है, तो भारत का निवेश लगभग 0.7 प्रतिशत तक सीमित है, जबकि दक्षिण कोरिया जैसे देश 5 प्रतिशत से अधिक जीडीपी शोध पर व्यय कर रहे हैं। यह अंतर केवल संख्या का नहीं, बल्कि तकनीकी प्रतिस्पर्धा और दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमता का संकेतक है।

भारत में रिसर्च एंड डेवलपमेंट संरचना भी विश्लेषण योग्य है। कुल शोध व्यय का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा सरकार और सार्वजनिक संस्थानों से आता है, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान लगभग 36 प्रतिशत है। इसके विपरीत, विकसित अर्थव्यवस्थाओं में निजी क्षेत्र अनुसंधान का मुख्य वाहक होता है। अमेरिका में बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियाँ, जापान में ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग तथा यूरोप में हेल्थकेयर और ऊर्जा क्षेत्र निजी निवेश के माध्यम से शोध को गति देते हैं। भारत में पेटेंट फाइलिंग में वृद्धि – 2024–25 में 68,176 आवेदन – एक सकारात्मक संकेत अवश्य है, और हाल में घोषित एक लाख करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना भी दिशा दर्शाती है, परंतु जब तक जीडीपी के अनुपात में निवेश नहीं बढ़ता और निजी क्षेत्र की भागीदारी संरचनात्मक रूप से सुदृढ़ नहीं होती, तब तक वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में वास्तविक छलांग कठिन दिखाई देती है। तथ्य यह संकेत देते हैं कि भारत ने प्रगति की है, पर वैश्विक मानकों की तुलना में अनुसंधान–गहन अर्थव्यवस्था बनने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना शेष है।

सबसे चिंताजनक स्थिति रक्षा और रणनीतिक क्षेत्रों में दिखाई देती है। हाल ही में परमाणु पनडुब्बी निर्माण जैसी दीर्घकालिक योजनाओं की चर्चा सामने आई, जिनकी पूर्णता वर्ष 2038 के आसपास बताई जा रही है। यह सुनकर किसी भी जागरूक नागरिक के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि 13–14 वर्षों बाद की दुनिया और युद्ध की प्रकृति कैसी होगी? क्या तब तक आज की तकनीक प्रासंगिक भी रहेगी? आज युद्ध केवल टैंक, तोप और पनडुब्बी तक सीमित नहीं है। आधुनिक युद्ध डेटा, सैटेलाइट, सेंसर, ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर नेटवर्क से लड़े जा रहे हैं। जब तक रक्षा उत्पादन और अनुसंधान में निजी क्षेत्र की पूर्ण भागीदारी को स्वीकार नहीं किया जाएगा, तब तक भारत समय के साथ कदम नहीं मिला पाएगा। केवल सरकारी संस्थानों के भरोसे रक्षा तकनीक विकसित करने का मॉडल अब पुराना और अप्रभावी साबित हो चुका है।

चीन ने हाल के वर्षों में सैकड़ों, बल्कि कुछ आकलनों के अनुसार हजारों निगरानी सैटेलाइट अंतरिक्ष में स्थापित किए हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य विजिलेंस, सुपरविजन और इंटेलिजेंस है। इन्हीं क्षमताओं के बल पर वह अपने रणनीतिक साझेदारों को रियल–टाइम सूचना सहायता देता है। यह किसी से छिपा नहीं है कि आधुनिक संघर्षों में सूचना की गति ही निर्णायक भूमिका निभाती है। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं, लेकिन निगरानी सैटेलाइट्स के नेटवर्क और निजी भागीदारी के मामले में अभी भी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भी यदि निजी कंपनियों को खुलकर रिसर्च एंड डेवलपमेंट करने, प्रयोग करने और असफल होने की स्वतंत्रता नहीं दी गई, तो हम केवल उपलब्धियों की गिनती करते रह जाएंगे, क्षमता का विस्तार नहीं कर पाएंगे।

आने वाले समय का सबसे खतरनाक युद्ध साइबर युद्ध होगा। इसमें न तो सीमा रेखाएं मायने रखेंगी और न ही पारंपरिक हथियार। बैंकिंग सिस्टम, बिजली ग्रिड, संचार नेटवर्क, रेलवे, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और सैन्य कमांड सिस्टम – सब कुछ एक साथ ठप किया जा सकता है। पिछले वर्ष का एक जीता–जागता उदाहरण माइक्रोसॉफ्ट के सिस्टम का फेल होना है। यह चाहे किसी भी प्रकार की त्रुटि से हुआ हो, एक आउटेज हुआ और लगभग पूरी दुनिया काफ़ी लंबे समय तक बाधित रही। इसके पीछे क्या कारण रहे होंगे, इसकी आज तक किसी को स्पष्ट जानकारी नहीं है। इतने बड़े मुद्दे को न तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने गंभीरता से उठाया और भारत की मीडिया का तो सवाल ही पैदा नहीं होता।

भारत के पास दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आईटी पेशेवरों और साइबर विशेषज्ञों में से कई हैं, लेकिन वे या तो विदेशी कंपनियों में काम कर रहे हैं या देश में स्पष्ट नीति के अभाव में सीमित अवसरों से जूझ रहे हैं। सरकार को यह समझना होगा कि साइबर सुरक्षा में निवेश कोई वैकल्पिक खर्च नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यता है। यहां भी सरकार को पूंजी लगाने की आवश्यकता नहीं, बल्कि निजी कंपनियों को भरोसा, अधिकार और प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

मूल प्रश्न यही है कि समस्या नीति की है या नीयत की। जब सरकार बार–बार कहती है कि देश के पास टैलेंट की कमी नहीं है, तो फिर उस टैलेंट को अवसर देने में संकोच क्यों? रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर टैक्स छूट देना, प्रक्रियाओं को सरल बनाना और निजी क्षेत्र को रणनीतिक क्षेत्रों में भागीदार बनाना कोई राष्ट्रविरोधी कदम नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में उठाया गया साहसिक निर्णय होगा। दुनिया का अनुभव यही बताता है कि सरकारें जब नियंत्रक से अधिक सक्षमकर्ता की भूमिका निभाती हैं, तभी नवाचार फलता–फूलता है। भारत को भी यह स्वीकार करना होगा कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट में छूट देना कोई नुकसान नहीं, बल्कि भविष्य में कई गुना लाभ देने वाला निवेश है।

निष्कर्ष: यदि भारत आज रिसर्च एंड डेवलपमेंट को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल नहीं करता, यदि निजी क्षेत्र को रक्षा, अंतरिक्ष और साइबर जैसे क्षेत्रों में खुलकर काम करने की अनुमति नहीं देता, तो आने वाले वर्षों में हम केवल दूसरों की तकनीक खरीदने वाले उपभोक्ता बनकर रह जाएंगे। आत्मनिर्भरता का सपना भाषणों से नहीं, बल्कि अनुसंधान में निवेश और भरोसे की नीति से साकार होगा।

भारतीय कंपनियों एवं सरकार की स्थिति आज भी यह है कि वे विदेश से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर अधिक भरोसा करती हैं, न कि अपने देश में नई टेक्नोलॉजी के विकास पर। यहीं से एक–दूसरे पर निर्भरता का खेल शुरू हो जाता है। हमें इससे बचना चाहिए, और सरकार को स्वयं यह भली–भाँति मालूम है कि आने वाले समय में कौन, कब और किसका स्विच ऑफ कर देगा – इसका किसी को पहले से पता नहीं होगा।

आज निर्णय लेने का समय है। अन्यथा कल इतिहास हमसे यही पूछेगा–जब अवसर था, तब हमने संकोच क्यों किया? पूरे देश में खेती किसानी के नाम पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारत सरकार का एक सफेद हाथी के रूप में खड़ा हुआ है और सरकारों द्वारा अरबो रुपए हर साल इनके ऊपर खर्च किया जाता है और शायद सरकारी विभागों में अगर जमीन देखी जाए तो इस डिपार्टमेंट के पास तीसरे या चौथे नंबर की सबसे ज्यादा जमीन की मिलकियत हो सकती है और सबसे ज़्यादा कर्मचारी और अधिकारी शायद इस डिपार्टमेंट में होंगे लेकिन इनके द्वारा दिए जाने वाले परिणाम आशाजनक नहीं हैं।

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 23 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र सायं 4:34 तक, ब्रह्म योग दिन 10:19 तक, तैतिल करण प्रातः 9:10 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:12 से वृष राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–मेष, मंगल–मकर, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–कुम्भ, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज रवियोग सायं 4:34 तक रहेगा। आज गोरुपिणी छठ है। आज मंगल कुम्भ में दिन 11:50 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:26 तक, शुभ 9:51 से 11:15 तक, चर 2:05 से 3:30 तक, लाभ–अमृत 3:30 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:01, सूर्यास्त 6:20

मेष

मानसिक तनाव दूर होगा। मनः स्थिति में सुधार होगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक सफलता से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में धन खर्च हो सकता है।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या व्यवस्थित होने लगेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच–विचार हो सकता है।

मकर

घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ

घर–परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

HF Deluxe

शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत
₹ 61 953#

कॉर्पोरेट ऑफ़र्स/किसान योजना	डाउन पेमेंट	EMI पर इंस्टेंट कैश बैक
₹2 200~ तक	₹4 999$ से शुरू	₹10 000^ तक

HDFC BANK | SBI card क्रेडिट कार्ड
Powered by pine labs

India's First 5 Year Warranty *Conditions apply

Hero GoodLife Stand a chance to win Gold and Silver Coins and many more assured benefits*

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of HF Deluxe Self in Rajasthan.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सर्राफ ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232, सांगानेर: मुहाना मोटर्स, 9351591591.

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुये सड़क हादसे में चार युवकों की मौत

कोटा के चेचट टोल के समीप तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई थी

रामगंजमंडी, (निसं)। कोटा जिले के चेचट थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रविवार को चेचट टोल के समीप एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार चारों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। चारों युवक कार के अंदर बुरी तरह से फंस गए थे। हादसा रविवार दोपहर करीब 3.45 बजे हुआ।

- **महाकाल के दर्शन कर लौट रहे थे उत्तर प्रदेश निवासी कार सवार युवक**
- **हादसे के बाद ट्रक चालक को हिरासत में लेकर ट्रक को भी जब्त किया**

कोटा जिले के चेचट थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुये हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

सूत्रों के अनुसार सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे युवकों को बाहर निकाला। मृतकों में तीन की पहचान प्रांजुल चतुर्वेदी (26), अंकुश दुबे (21) और श्रेष्ठ बाजपेई (23) निवासी कानपुर के रूप में हुई है, जबकि अन्य एक की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार पुलिस मृतकों के परिजनों से सम्पर्क कर मृतकों की शिनाख्त में जुटी है तथा पुलिस ने मृतकों के शवों को रामगंजमंडी मोर्चरी में रखवाया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी युवक उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर उत्तरप्रदेश कानपुर लौट रहे थे तथा चारों युवक शनिवार को उज्जैन पहुंचे बताए गए थे। दर्शन करने के बाद रविवार सुबह वहां से कानपुर के लिए रवाना हुए थे। एक्सप्रेस-वे पर लगे सीसीटीवी खंगालने पर पता चला बताया है कि गाड़ी स्पीड में थी और लहरा रही थी। ड्राइवर को झपकी आने के चलते कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई होगी।

वहीं पुलिस के द्वारा हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिए जाने की जानकारी मिली है। सूत्रों के अनुसार कार के पूरी तरह से परखच्चे उड़ गए व चकनाचूर हो गई। कार तेज गति में होने के कारण चलते ट्रक में घुस गई। हादसे के बाद ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया। साथ ही ट्रक को भी जब्त किया गया है। कुछ देर यातायात बाधित भी हुआ। जिसके बाद बैरिकेडिंग लगाकर कार को प्रोटेक्ट किया गया और ट्रक को साईड में खड़ा कर दिया गया। घटना के बाद कार में सवार चारों युवक पूरी तरह से फंस गए थे, जिनको बड़ी मशक्कत करके बाहर निकाला गया।

फिलहाल युवकों के शव को रामगंजमंडी अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवा दिए जाने की जानकारी मिली है तथा परिजनों के आने के बाद आगे की कार्रवाई के साथ शवों का पोस्टमार्टम करवाए जाने की सम्भावना है।

पाली के भावनगर गांव में एक साथ उठी पांच अर्थियां

पाली, (निसं)। पाली जिला मुख्यालय से करीब 22 किलोमीटर दूर भावनगर गांव (गुड़ा एंदला) में रविवार सुबह जब एक साथ पांच अर्थियां अंतिम संस्कार के लिए उठाई गई तो वहां मौजूद कोई भी व्यक्ति अपने आंसू रोक नहीं सका।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 फरवरी की सुबह गुजरात के ऊंझा-मेहसाणा हाइवे पर उनाव गांव के पास एक वैन डिवाइडर से टकराकर पलट गई थी। इस हादसे में जान गंवाने वाले एक ही परिवार के पांच लोगों की अर्थियां आज एक साथ निकली। इस हादसे में चार पीढ़ियों ने जान गंवाई है। मां और तीन साल के बेटे के शव का एक ही अर्थी पर अंतिम संस्कार किया गया।

- **मां और तीन साल के बेटे के शव का एक ही अर्थी पर अंतिम संस्कार किया गया**
- **गुजरात के ऊंझा-मेहसाणा हाइवे पर उनाव गांव के पास एक हुये हादसे में चार पीढ़ियों ने जान गंवा दी थी**

जानकारी के अनुसार रामलाल कुमावत परिवार के साथ वर्तमान में अहमदाबाद (गुजरात) में रहते थे। ये लोग मूल रूप से पाली के भावनगर (गुड़ा एंदला) के रहने वाले थे। रामलाल कुमावत अपने भांजे विकास पुत्र भंवरलाल कुमावत की शादी में शामिल होने परिवार सहित पाली जिले के मणिहारी गांव आए थे। 20 फरवरी को बंदोली कार्यक्रम में भाग लेने के बाद परिवार रात करीब दो बजे वैन से अहमदाबाद के लिए रवाना हुआ था। 21 फरवरी की सुबह गुजरात के ऊंझा-मेहसाणा हाइवे पर उनाव गांव के पास उनकी वैन डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में रामलाल कुमावत (50), उनकी बेटी कोमल (30), बेटा कैलाश (25), मां मथुरा देवी (70), 3 वर्षीय आयुष की मौत हो गई थी। इनके अलावा छह अन्य लोग घायल हो गए, जिनको गुजरात के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। रविवार सुबह गांव में कोमल और उनके तीन साल के बेटे आयुष का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया। कोमल के पिता रामलाल, कैलाश (रामलाल के बेटे) और मथुरा देवी रामलाल की मां का दूसरी चिता पर एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

जीप ने बाइक को टक्कर मारी, युवक की मौत

एक युवक घायल, हादसे के बाद ड्राइवर फरार हुआ

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना इलाके में माइंस घाटी साबली के पास एक तेज रफ्तार बोलेरो जीप ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार माण्डवा बियोला निवासी संजय पुत्र हुरजी कलासुआ अपने साथी विनोद पुत्र हीरालाल निवासी मांडवा भैराभाई के साथ बाइक पर शिशोद की ओर जा रहा था। माइंस घाटी साबली के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बोलेरो जीप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संजय गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गया। विनोद को सामान्य चोटें आईं। हादसे के बाद बोलेरो ड्राइवर वाहन सहित मौके से फरार हो गया सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। संजय की हालत गंभीर होने पर उसे डूंगरपुर रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार संजय के दाहिने पैर और एक हाथ में गंभीर चोटें आई थी, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार बोलेरो ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

बीकानेर से एजीटीएफ ने तीन साल से फरार इनामी तस्कर को पकड़ा

बीकानेर/जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने पुलिस मुख्यालय के विशेष अभियान के तहत तीन साल से फरार पन्द्रह हजार रूपये के इनामी शराब तस्कर बनवारी लाल विश्नोई उर्फ अभिषेक निवासी रासीसर थाना नोखा जिला बीकानेर को धर दबोचा है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई एजीटीएफ के कांस्टेबल मगनाराम की पुख्ता सूचना पर हुई। इनपुट था कि लंबे समय से वांछित अपराधी बनवारीलाल अपने पैतृक क्षेत्र बीकानेर में देखा गया है। सूचना मिलते ही एसपी ज्ञानचंद यादव व एएसपी नरोत्तम लाल वर्मा के सुपरविजन और डीएसपी फूलचंद टेलर व एएसआई राकेश जाखड़ के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम गठित कर बीकानेर रवाना की गई। पुलिस टीम जब बीकानेर के नोखा पहुंची तो पता चला कि आरोपी गांव के पास ही बस स्टैंड पर मौजूद है। जैसे ही बनवारी लाल ने पुलिस की गाड़ियां देखीं, उसने भागने का प्रयास किया। लेकिन पहले से मुस्तैद एजीटीएफ और स्थानीय नोखा पुलिस की टीम ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। दबोचे जाने के बाद आरोपी को अग्रिम कार्यवाही के लिए थाना सिणधरी जिला बालोतरा पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

गिरफ्तार आरोपी बनवारीलाल उर्फ अभिषेक का नेटवर्क काफी बड़ा है। वह पंजाब से अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप फर्जी नंबर प्लेट लगे ट्रकों के जरिए गुजरात सप्लाई करता था। जुलाई 2023 में सिणधरी पुलिस ने एक ट्रक पकड़ा था, जिसमें 924 कार्टून अवैध शराब और 183 कार्टून बीयर बरामद हुई थी। बनवारीलाल खुद ट्रक लोड करवाता था और ड्राइवर राजूराम के जरिए सप्लाई भेजता था। वह पिछले 3 सालों से लगातार अपनी लोकेशन बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था।

डीएसपी फूलचंद टेलर के नेतृत्व में अंजाम दी गई इस कार्रवाई में एएसआई राकेश जाखड़ कांस्टेबल मगनाराम (मुख्य सूचनाकर्ता), सुनील और सुमेर सिंह की विशेष भूमिका रही। एजीटीएफ अब प्रदेश के अन्य बड़े गैंगस्टरों और तस्करों की लिस्टिंग कर उनकी घेराबंदी में जुटी है।

रामगढ़ व मुकुन्दरा में बाघ-बाघिन को खुले जंगल में छोड़ने की तैयारी शुरू

बूंदी, (निसं)। रणथंभौर की बाघिन टी-114 के तीन वर्षीय बाघ-बाघिन भाई-बहिन एमटी-7 व आरवीटी-7 को एनटीसीए से हरी झंडी मिलने के साथ ही 5 हेक्टेयर के शॉफ्ट एनक्लोजर से चरणबद्ध तरीके से खुले जंगल में छोड़ने की कार्यवाही शुरू कर दी है।

- **बाघिन एमटी-7 को रेडियो कॉलर पहनाकर 21 हेक्टेयर के एनक्लोजर में शिफ्ट किया**
- **बाघ आरवीटी-7 को भी बड़े एनक्लोजर में शिफ्ट करने की तैयारी शुरु की**

रणथंभौर में बाघ-बाघिन को खुले जंगल में छोड़ने की कार्यवाही शुरू की।

मुकुन्दरा के फील्ड डायरेक्टर सुगनाराम जाट की देखरेख में शनिवार को डॉ. तेजेन्द्र सिंह रियाड़ की टीम ने बाघिन को ट्रेंकुलाइज कर रेडियो कॉलर लगाकर 21 हेक्टेयर के एनक्लोजर में छोड़ा है। एनक्लोजर को नेट लगाकर अपारदर्शी बनाया गया है। गौरतलब है कि एनटीसीए की तकनीकी समिति ने हाड़ौती के दोनों टाइगर रिजर्व में बाघों के रिवाईल्ड होने के प्रस्ताव को चरणबद्ध तरीके से अनुमोदित कर दिया था। मुकुन्दरा में स्थित बाघिन एमटी-7 को 5 हेक्टेयर के बाड़े की जगह 21 हेक्टेयर के बाड़े में छोड़ा गया है और अब रामगढ़ में भी बाघ आरवीटी 7 को एनक्लोजर के नजदीक के बड़े बाड़े में छोड़ने की तैयारी है। कुछ दिन दोनों बाघों के व्यवहार का अध्ययन कर उन्हें जल्दी ही खुले जंगल में छोड़ा जाएगा।

धौलपुर : पूर्व चेयरमैन अर्जुन कुशवाहा की गाड़ी से 22 लाख की नकदी बरामद

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के सैंपऊ कस्बे में उस समय हड़कंप मच गया जब नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन अर्जुन कुशवाहा की गाड़ी से 22 लाख रुपये नकद बरामद हुए। मामला कंचनपुर थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है, जहां नियमित गश्त के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध वाहन दिखाई दिया।

पुलिस के अनुसार कंचनपुर थाना पुलिस ने जब वाहन को रुकने का इशारा किया तो चालक ने गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी। पुलिस को शक हुआ और टीम ने तुरंत पीछा कर वाहन को रुकवाया। तलाशी लेने पर गाड़ी से 22 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। वाहन में सवार व्यक्ति की पहचान सैंपऊ नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन अर्जुन कुशवाहा के रूप में हुई। पूछताछ में अर्जुन कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि यह राशि वह सिंचाई विभाग के एईएन तपेंद्र मीणा से लेकर आ रहे थे। हालांकि इतनी बड़ी नकद राशि के संबंध में मौके पर कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। पुलिस को मामला प्रथमदृष्टया संदिग्ध लगा, जिसके बाद गाड़ी और बरामद नकदी को जब्त कर लिया गया। कंचनपुर थाना पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की सूचना उच्च अधिकारियों को दी। साथ ही आयकर विभाग को भी मामले की जानकारी भेजी गई है, ताकि नकदी के स्त्रोत और उपयोग की जांच की जा सके। पुलिस का कहना है कि यह स्पष्ट किया जा रहा है कि इतनी बड़ी राशि किस उद्देश्य से और किन परिस्थितियों में लाई जा रही थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। राजनीतिक हलकों में भी हलचल देखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। आवश्यक दस्तावेज और संबंधित पक्षों से पूछताछ के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और आयकर विभाग की रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है।

- **पूछताछ में अर्जुन कुशवाहा ने बताया कि यह राशि वह सिंचाई विभाग के एईएन तपेंद्र मीणा से लेकर आ रहे थे**

कोटा में युवक ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में एक 40 वर्षीय युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड़ कर लिया। सूचना पर मौके पर पहंची पुलिस ने जानकारी ली।

जानकारी के अनुसार मृतक सिक्यूरिटी गार्ड का काम करता था। फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है। कुन्हाड़ी थाना इंचार्ज कौशल्या ने बताया कि इलाके के कृष्णा विहार निवासी जितेन्द्र (40) जो गार्ड की नौकरी करता था, जिसने घर में ही फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना इंचार्ज ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

हादसे में बाइक चालक घायल

निवाई, (निसं)। रविवार को अज्ञात वाहन ने झिलाय रोड़ नई पुलिया पर एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार श्रीराम अग्रवालघायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही थानाधिकारी घासीराम मीणा मय जाब्ते के घटनास्थल पर पहुंचे और घायल को अस्पताल पहुंचाया।

अनैतिक गतिविधियों का पर्दाफाश

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना पुलिस और डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम (डीएसटी) ने अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सीमलवाड़ा कस्बे में एक दुकान की आड़ में चल रहीं नैतिक गतिविधियों का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में दुकान संचालक और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। डूंगरपुर डीएसपी और जांच अधिकारी तपेंद्र मीणा ने बताया कि उन्हें मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि सीमलवाड़ा स्थित एक दुकान में अनैतिक गतिविधियां चल रही है। सूचना की पुष्टि होने के बाद सीमलवाड़ा डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक रणनीति तैयार की। पुलिस ने इस अवैध कारोबार का पर्दाफाश करने के लिए एक बोगस ग्राहक को दुकान पर भेजा। जैसे ही दुकान संचालक ने सौदा तय किया और बाहर तैनात पुलिस टीम को इशारा मिला, टीम ने तुरंत दुकान पर दबिश दी। अचानक हुई इस कार्रवाई से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके से दुकान संचालक भंवर सिंह राव और पश्चिम बंगाल की एक महिला को गिरफ्तार किया है।

टोंक में जंगली जानवरों ने 10 भेड़ों को मारा

टोंक, (निसं)। जिले के अलीगढ़ क्षेत्र के बरूधन गांव में शनिवार रात अज्ञात जंगली जानवरों ने बाड़े में बंद भेड़ों पर हमला कर दिया। वहीं हमले में 10 भेड़ों की मौत हो गई, आठ गंभीर घायल हैं और तीन भेड़ें लापता हो गई। घटना का पता रविवार सुबह भेड़ों के मालिक को चला।

पीड़ित रामकल्याण गुर्जर ने बताया कि शनिवार रात अन्य दिनों की तरह भेड़ों को घर के पास बने बाड़े में बंद किया था, सुबह उठकर देखा तो कई भेड़ें लहूलुहान हालत में पड़ी थी। हमले में मरी 10 भेड़ों को जंगली जानवर आधे से ज्यादा खा चुके थे। आठ भेड़ें गंभीर घायल मिली। तीन भेड़ों के बारे में आशंका है कि जंगली जानवर उन्हें उठाकर ले गए। घटना के की सूचना रविवार को वन विभाग को दी गई। बाद में पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक छोटू लाल बैरवा के निर्देश पर पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचे। मृत भेड़ों का पोस्टमार्टम कर निस्तारण किया गया और घायल भेड़ों का इलाज शुरू किया गया। पटवारी ने भी मौके पर पहुंचकर नुकसान की रिपोर्ट तैयार की।

बूंदी में बिन बरसात चल पड़ा भीमलत जलप्रपात

रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में भीमलत जलप्रपात पूरे वेग से गिर रहा है।

बूंदी, (निसं)। रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में विश्व प्रसिद्ध भीमलत जलप्रपात इन दिनों बिन बरसात भी पूरे वेग से गिर रहा है।

जलप्रपात के ऊपर बने भीमलत बांध से पानी की निकासी के कारण यह जलप्रपात सर्दियों में भी देशी विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहता है। राजस्थान में यह एक मात्र ऐसा झरना है, जो पूरे साल चलता रहता है। बांध से छोड़ा गया पानी झरने के रास्ते भीमलत वैली में होते हुए नीचे बने अभयपुरा बांध में पहुंचता है, जहां से नहरों में जलप्रवाह किया जाता है। इस साल बारिश अधिक होने से बांध में पर्याप्त पानी उपलब्ध है और रविवार सुबह तक पानी का स्तर 25 फीट था।

प्रदेश में 350 बीएड कॉलेजों में चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्सेज में प्रवेश पर रोक लगी

चार वर्षीय बीए-बीएड और बीएससी-बीएड इंटीग्रेटेड कोर्सेज में इस साल प्रवेश नहीं दिए जाएंगे

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के लगभग 350 बीएड कॉलेजों में संचालित चार वर्षीय बीए-बीएड और बीएससी-बीएड इंटीग्रेटेड कोर्सेज में इस साल प्रवेश नहीं दिए जाएंगे। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की सख्ती के बाद में कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय ने इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) कोर्स संचालित करने के लिए पॉलिसी ड्राफ्ट का परिपत्र जारी कर दिया है। इसे आगामी सप्ताह लागू करने की संभावना है।

उधर, नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने भी पीटीईटी-2026 के चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्सेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू नहीं की है, जबकि बीएड के दो वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 20 फरवरी से शुरू कर दी है।

- **एनसीटीई इस बार 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स की जगह आईटीईपी शुरू करने को सख्त है। एनसीटीई ने शिक्षा सत्र 2025-26 में आईटेप की मान्यता के लिए 10 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन का पोर्टल खोल रखा है, वहीं आईटीईपी के लिए प्रदेश के अनेक बीएड कॉलेजों ने आवेदन भी कर रखा है**

सरकार ने एनसीटीई के निर्देशों पर पिछले साल भी दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम पर रोक लगा दी थी। जिस पर नोडल एजेंसी ने चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स के आवेदन शुरू किए थे, लेकिन बाद में आवेदन रोकने पड़े, मगर बाद में बीएड कालेज संचालकों की मांग पर राज्य सरकार ने पिछले साल 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स में प्रवेश के लिए शिथिलता के आदेश दिए थे।

प्रदेश में दो वर्षीय बीएड में करीब 1 लाख 7 हजार 760 सीटें हैं। बीए-बीएड कोर्स में 23 हजार 50 सीटें और बीएससी-बीएड में 20 हजार 900 सीटें उपलब्ध हैं। पिछले दो सत्रों में दो व चार वर्षीय बीएड की करीब 50 प्रतिशत सीटें नहीं भर पाई थी।

बीएड कॉलेज में प्रवेश के लिए नोडल एजेंसी ने पीटीईटी -2026 के ऑनलाइन आवेदन 20 फरवरी से शुरू कर दिए हैं। दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 20 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 14 जून को आयोजित की जाएगी।

एनसीटीई इस बार 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स की जगह आईटीईपी शुरू करने को सख्त है। एनसीटीई ने शिक्षा सत्र 2025-26 में आईटेप की मान्यता के लिए 10 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन का पोर्टल खोल रखा है।

हालांकि आईटीईपी के लिए प्रदेश के अनेक बीएड कॉलेजों ने आवेदन भी कर रखा है। मगर अब तक एनसीईआरटी क्षेत्रीय संस्थान अजमेर, केंद्रीय विश्वविद्यालय किशनगढ़, संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर सहित आईआईटी जोधपुर आदि संस्थानों को ही मान्यता दी गई है।

15 महीनों में जयपुर के 1700 से ज्यादा रास्ते खुले, लाखों ग्रामीणों की राह आसान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से जयपुर जिला प्रशासन के प्रयास रंग लाए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सुशासन और जनहित सर्वोपरि की नीति को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अनेक अभिनव पहले संचालित की जा रही हैं। इन्हीं पहलों में से एक है जयपुर जिले में प्रभावी रूप से क्रियान्वित रास्ता खोलो अभियान, जिसने मात्र 15 महीनों में ग्रामीण अंचलों की तस्वीर बदल दी है।

जयपुर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में जिला प्रशासन की संवेदनशील पहल से जयपुर जिले में वर्षों से बंद पड़े 1700 से अधिक रास्ते खुलवाए गए, जिससे लाखों ग्रामीणों की खेतों, ढाणियों और गांवों तक पहुंच सुगम हुई है। रास्ता खोलो अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और अधिक से अधिक आमजन को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की सतत एवं सघन मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रशासन की सक्रियता और संवाद आधारित रणनीति के चलते कई वर्षों पुराने विवादों का समाधान सहमति

- **जयपुर जिले में आपसी सहमति व समझाइश से हर सप्ताह प्रत्येक तहसील में खुलवाए जा रहे 3 रास्ते**
- **जिला प्रशासन के इस अभियान में फागी अव्वल रहा, यहां पर सर्वाधिक 148 रास्ते खुलवाए गए, जबकि मौजमाबाद में भी 132 रास्ते खुलवाए गए**

एवं समझाइश से किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत फागी तहसील अव्वल रही, जहां सर्वाधिक 148 रास्ते खुलवाए गए। वहीं मौजमाबाद तहसील में 132 रास्ते खुलवाकर ग्रामीणों को बड़ी राहत प्रदान की गई।

अभियान के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में रास्ता खोलो अभियान केवल मार्ग खोलने तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को सुगम बनाने का सशक्त माध्यम बन गया है। 15 नवम्बर 2024 से 21 फरवरी 2026 की अवधि में रास्ता खोलो अभियान के तहत जयपुर में कुल 1 हजार 703 रास्ते खुलवाए गए। प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह न्यूनतम 3 रास्ते खुलवाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसी के तहत सहमति और समझाइश से गांवों, खेतों और ढाणियों के वर्षों से अवरुद्ध रास्तों को खोला जा रहा है। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया कि अभियान के तहत फागी तहसील में सर्वाधिक 148 रास्ते खुलवाए गए। इसके बाद मौजमाबाद में 132, आंधी में 119, चौमूं में 103, शाहपुरा में 100, फुलेरा एवं चाकसू में 91-91, जमवारामगढ़ में 90, आमेर एवं दूदू में 89-89, रामपुरा डाबड़ी में 85, माधोराजपुरा में 83, बस्सी में 81, जोबनेर में 79, किशनगढ़ में 75, कोटखावदा में 72, जालसू में 70, तुंगा में 57, सांगानेर में 34, कालवाड़ में 10 तथा जयपुर तहसील में 5 रास्ते खुलवाए गए।

रास्ता खोलो अभियान से जिले में वर्षों से अवरुद्ध आवागमन मार्ग पुन: सुचारु हुए हैं और ग्रामीणों को सीधी राहत मिली है, जिससे जिले में आवागमन सुगम होने के साथ-साथ ग्रामीणों और किसानों को सीधा लाभ मिला है। रास्ते खुलने से किसानों को खेतों तक मशीनरी और उपज पहुंचाने में सुविधा मिली है। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बेहतर हुई है। विद्यार्थियों को स्कूल और कॉलेज जाने में अब लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से जयपुर जिला प्रशासन के संवेदनशील और समाधान-आधारित दृष्टिकोण ने कई वर्षों पुराने विवादों को समाप्त कर सामाजिक सौहार्द को भी सुदृढ़ किया है, यही कारण है कि रास्ता खोलो अभियान जयपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में राहत, विश्वास और सुशासन का पर्याय बन चुका है। यह पहल न केवल अवरुद्ध मार्गों को खोल रही है, बल्कि प्रशासन व जनता के बीच विश्वास का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है।

ज्वैलर से 50 ग्राम सोना और 7 किलो चांदी लूटने वाले बदमाशों का सुराग नहीं

प्रताप नगर इलाके में 14 फरवरी को हुई थी वारदात, 8 दिन बीतने के बावजूद भी पुलिस के हाथ खाली

जयपुर (कासं)। प्रताप नगर थाना इलाके में गत 14 फरवरी को ज्वैलर से साथ हुई लूट के मामले में पुलिस के हाथ आठ दिन भी खाली नजर आ रहे है। हालांकी इस मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया था और पूछताछ की। लेकिन पुलिस के हाथ कोई पुख्ता जानकारी नहीं लगी। गौरतलब है कि गत 14 फरवरी की रात को 8 बजे आरयूएचएस के पास श्योपुर निवासी रामनिवास सैनी कार से घर जा रहे थे,इसी दौरान स्विफ्ट कार में आए कुछ बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया और तीन शातिर बदमाशों ने योजनाबद्ध तरीके से हमला किया। इस पूरी घटना का 70 मीटर दूरी खड़े एक

- **सीसीटीवी फुटेज के आधार पर प्रताप नगर थाना पुलिस ने कुछ संदिग्धों से की पूछताछ**

व्यक्ति ने वीडियो बना लिया।

इस वारदात में 32 सेकंड के इस वीडियो में वारदात साफ दिखाई दे रही है। एक बदमाश ज्वैलर्स की कार के आगे के शीशे पर डंडे बरसाता नजर आ रहा है, जबकि दूसरा डिग्गी खोलकर सामान निकाल रहा है। तीसरा निगरानी कर रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि घटना के दौरान वहां से एक बाइक, चार कार और एक ऑटो गुजरा, लेकिन कोई मदद के लिए नहीं रुका।

इस वारदात को लेकर पुलिस सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है। हालांकि 8 दिन बीतने के बावजूद मुख्य आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय व्यापारियों ने त्वरित गिरफ्तारी और गश्त बढ़ाने की मांग की है। पुलिस छानबीन में सामने आया है कि कार सवार बदमाशों ने 2 दिन इलाके की रेकी की थी। भागने का खाली रूट भी चुन लिया था, ताकि कोई पीछा करें तो भी आसानी से फरार हो जाए। वारदात के अक्षय पात्र क्षेत्र से होते हुए रिंग रोड की ओर गए और गायब हो गए।

चार साल से फरार स्थाई वारंटी मेरठ से गिरफ्तार

जयपुर । सिंधी कैंप थाना पुलिस ने करीब चार साल से फरार चल रहे स्थायी वारंटी को मेरठ से गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सिंधी कैंप थाना पुलिस ने करीब चार साल से फरार चल रहे स्थायी वारंटी विशाल गिरि निवासी रोहटा जिला मेरठ (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी विशाल गिरि पिछले चार वर्षों से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी था। आरोपी पर एफसीआई में नौकरी दिलाने का झांसा देकर करीब दो दर्जन युवकों से लगभग एक करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। वारदात के बाद से वह लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता फिर रहा था।

हाल ही में उसके मेरठ आने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने सतर्कता बरतते हुए लोकेशन ट्रैक की और कार्रवाई कर उसे दबोच लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी वहां से नैनीताल भागने की फिराक में था। लेकिन पुलिस टीम की तत्परता से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में धोखाधड़ी और आईटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले में अन्य संभावित कड़ियों की भी जांच की जा रही है।

सार-समाचार

द्वितीय स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर

जयपुर । श्रीमाथुर चतुर्वेदी महापरिषद रजि. के द्वितीय स्थापना दिवस पर स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक जयपुर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार को स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक मिलाप नगर जयपुर में किया गया। कार्यक्रम में 11 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान करने वालों में अनुप्रिया चतुर्वेदी, डॉ. केयूर चतुर्वेदी, विनायक चतुर्वेदी, शशांक चतुर्वेदी, ऋतुराज पाठक और शुभम चतुर्वेदी आदि शामिल रहे। शिविर का उद्घाटन परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी, प्रदेश अध्यक्ष हृदेश चतुर्वेदी, डॉ. लोकेश चतुर्वेदी और ब्लड बैंक के निदेशक आनन्द अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर जिला संरक्षक पंकज भूषण चतुर्वेदी, यतीन्द्र चतुर्वेदी, नरेंद्र चतुर्वेदी, अध्यक्ष अलकेश चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष सुनील चतुर्वेदी, सह महामंत्री अनूप चतुर्वेदी, महिला प्रकोष्ठ अनुप्रिया चतुर्वेदी, संगठन मंत्री राकेश रंजन चतुर्वेदी और विमलेश चतुर्वेदी, युवा प्रकोष्ठ शुभम चतुर्वेदी, संयुक्त मंत्री नवीन चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष सीए मोहित चतुर्वेदी, मीडिया प्रभारी रमाकांत चतुर्वेदी, योगेश चतुर्वेदी, सीमंतनी चतुर्वेदी सहित अन्य पदाधिकारी तथा समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

गुप्ता ने उपमुख्यमंत्री को भेंट की पुस्तक

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को आज उनके सिविल लाइन्स स्थित आवास पर जयपुर के प्रख्यात चित्रकार एवं लेखक चंद्रप्रकाश गुप्ता ने अपनी हाल ही में प्रकाशित पुस्तक शौर्य और शहादत को सलाम की प्रति भेंट की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने पुस्तक के विषयवस्तु की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्र के वीर सपूतों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को समर्पित ऐसी कृतियाँ नई पीढ़ी में देशभक्ति एवं प्रेरणा का संचार करती हैं। उन्होंने लेखक को इस महत्वपूर्ण कृति के प्रकाशन हेतु शुभकामनाएँ प्रदान कीं इस अवसर पर राहुल लाडला (माहेश्वरी) भी उपस्थित थे।

'रस रंग बरसे' कार्यक्रम में सुरों की फुहार

जयपुर । फागुन की रंगत में डूबी संगीतमय संध्या 'रस रंग बरसे' ने रविवार को महाराणा प्रताप सभागार को सुरों और उत्साह से भर दिया। कल्चरल सोसायटी ऑफ राजस्थान के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के नामचीन गायकों ने होली और प्रेम के गीतों से श्रोताओं को बांधे रखा। कार्यक्रम से पहले हाई टी के दौरान ही उत्सव का माहौल बन चुका था। संध्या की विशेष प्रस्तुति शंकर गर्ग की रही। उन्होंने मुंह से ही घुंघरू की ध्वनि निकालकर ऐसा समां बांधा कि सभागार तालियों से गूंज उठा। उनकी इस अनोखी शैली ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और कार्यक्रम की यादगार झलक बन गई। मुकेश पारिक ने 'भोले ओ भोले' से शुरुआत की। पिंकी सूरी देवाना ने 'जारे जा ओ हरजाई', राजेन्द्र परनामी ने 'पुकारता चला हूं मैं' और मनोज ममनानी ने 'होलियां में उडे रे गुलाल' से फागुनी रंग बिखेरे। प्रियंका काला ने 'पिया तोसे नैना लागे रे', भारती शर्मा ने 'जवाँ है मोहब्बत' और सुमन माथुर ने 'भोर भई पनघट पे' को सुरों से सजाया। महासचिव सुरेश त्रिवेदी ने बताया कि पिछले 68 वर्षों से लगातार कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम की परिकल्पना राजेन्द्र परनामी, संयोजन शंकर गर्ग एवं मंच सञ्चालन गौरव शर्मा का था। दिया माहेश्वरी की 'छाप तिलक सब छीनी', सतीश जैन के 'रंग बरसे भीगे चुनरवाली', यशवर्धन के 'चालत मुसाफिर मोह लियो रे', लक्ष्मण वाधवानी के 'मेरे पैरों में घुंघरू', ममता झा के 'मैंने रंग ली आज चुनरिया' और शशि परनामी के 'होली आई रे कन्हाई' ने माहौल को रंगमय बनाए रखा।

फाग फ्युजन का आयोजन

जयपुर । हुनर फाउंडेशन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम "फाग फ्युजन" रंग, संगीत और उमंग के साथ अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम अपर्णा वाजपेई के आस्तिका इंटरटेनमेंट के प्रसिद्ध गायकों ने फाग और होली के पारंपरिक एवं आधुनिक गीतों की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम की संस्थापक एवं अध्यक्ष भावना बंसल ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि "फाग फ्युजन" महिलाओं की प्रतिभा को मंच देने की एक पहल है। जब हुनर को अवसर मिलता है, तो हर सपना साकार होता है। 'हुनर है तो मुमकिन है' केवल हमारा स्लोगन नहीं, बल्कि विश्वास है। मुख्य अतिथि पवन गोयल ने हुनर फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त करते है। कार्यक्रम में मुक्त चड्ढा, संध्या नागर, संध्या असवाल, पूनम शर्मा, सुबे सिंह, निशा शर्मा एवं ममता जैन, राधा कृष्ण व सुदामा की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

चलती बस में युवक से जहरखुरानी की वारदात

आरोपी ने पीड़ित को नशीला बिस्कुट खिलाकर दिया वारदात को अंजाम

जयपुर। विधायकपुरी इलाके में चलती बस में नशीला बिस्किट खिलाकर जहर खुरानी की वारदात सामने आई है। शातिर बदमाश ने बेहोशी की हालत में पीड़ित की जेब से तीन लाख रुपए व मोबाइल निकाल लिया और फरार हो गया। जहरखुरानी के शिकार पीड़ित को हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। होश में आने के बाद पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने अज्ञात बमदाश के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश जारी कर दी है।

थानाधिकारी नरेन्द्र कुमार ने बताया की गलतागेट के बासबदनपुरा निवासी अबरार मोहम्मद (47) 20 फरवरी को वह प्राइवेट बस से दिल्ली से जयपुर आने के लिए बैठे थे। इसी दौरान पास वाली सीट पर एक शातिर बदमाश यात्री बन कर बैठ गया और चलती बस में जान-पहचान निकाल कर बातचीत शुरु कर दी। शातिर बदमाश ने पीड़ित को नशीला बिस्किट खाने के लिए दिया, मना करने पर आरोपी ने काफी दबाव बनाया। बिस्किट खाते ही अबरार मोहम्मद को बेहोशी छाने लगी। कुछ देर बाद ही पीड़ित

- **शातिर बदमाश कैश, मोबाइल समेत तीन लाख रुपए लेकर फरार**
- **पीड़ित रोडवेज ऑफिस पहुंचा तो बस स्टाफ ने कराया अस्पताल में भर्ती**

अबरार बेहोश हो गया। इसी दौरान शातिर बदमाश अबरार की जेब में रखे 3 लाख रुपए और मोबाइल फोन निकालकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि बस स्टाफ ने सभी सवारियों को उतरने के बाद परिवहन मार्ग रोडवेज कार्यालय में बस लगा दी। तभी सीट पर बेहोशी की हालत में एक युवक सीट पर पड़ा मिला। बस स्टाफ ने मामले की जानकारी पुलिस को दी और बेहोश युवक को तुरंत एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पर्चा बयान के आधार पर अज्ञात बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

यूएई-नेपाल से जुड़े ऑनलाइन सट्टा गिरोह का पर्दाफाश किया

पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उपकरण जब्त किए

जयपुर । चित्रकूट पुलिस ने ऑपरेशन वज्र प्रहार 2.0 अभियान के तहत ऑनलाइन गेमिंग सट्टा मॉड्यूल ध्वस्त करते हुए युएई व नेपाल आधारित संचालकों से संपर्क का खुलासा करते हुए विदेशी लिंकों की जांच की है। इस मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक मुकदमा दर्ज कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से ऑनलाईन गेमिग में शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि चित्रकूट थाना पुलिस ने ऑपरेशन वज्र प्रहार 2.0 अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए हुए ऑन लाइन सट्टा संचालन करने के आरोप में अनूप पारिक (22) निवासी परबतसर नागौर, अब्दुल करीब (25) निवासी नागौर , सिद्धार्थ पारीक (22) सुजानगढ़ जिला चुरू , श्रवण कुमार (25) निवासी डेगाना जिला नागौर व सुनील कुमार (26) निवासी नागौर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ऑनलाइन सट्टे के काम में लिए जाने कई उपकरण जब्त किए है। पुलिस ने पांचों आरोपियो के कब्जे से कुल 83 हजार रुपए नकद, 11 मोबाइल फोन, 1 लैपटॉप,1 आईपैड, 9 पासकुक एवं 12 एटीएम कार्ड समेत तीन क्रेडिट कार्ड जब्त किए है।

पुलिस को आरोपियों के करोड़ो रुपए की साइबर ठगी एवं अवैध ऑन लाइन सट्टा संचालन से संबंधित डिजिटल साक्ष्य भी प्राप्त हुए है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों के तार यूनाईटेड अरब अमरिटेस्ट व नेपाल से जुडे है। गिरोह के लोग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म एवं एन्क्रिप्टेड के माध्यमों से सट्टा संचालन कर अवैध धनराशि का लेन-देन करते है।

थानाधिकारी प्रभु सिंह ने बताया कि ऑनलाइन सट्टा

संचालन करवाने वालों के खिलाफ ऑपरेशन वज्र प्रहार 2.0 अभियान के दौरान कार्रवाई की गई है। जिसमें पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने संगठित अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन सट्टा गिरोह को तकनीकी सर्विलांस, डिजिटल फॉरेंसिक विश्लेषण एवं वित्तीय लेन-देन की गहन जांच के आधार पर दबोचा है। इस कार्रवाई में अहम भूमिका कॉन्स्टेबल पूरणमल साइबर सेल की रहीं।

हाईकोर्ट ने जे.डी.ए. सचिव से जवाब तलब किया

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने निवारू रोड स्थित श्रीराम मैरिज गार्डन की सील अदालती आदेशों के बावजूद भी नहीं खोलने को लेकर नाराजगी जताई। साथ ही जयपुर विकास प्राधिकरण सचिव से जवाब तलब किया है। अदालत ने यह निर्णय मैरिज गार्डन संचालक जगदीश प्रसाद शर्मा की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सुनील समदरिया ने अदालत को बताया कि, जेडीए प्रशासन ने 12 मार्च 2025 को निवारू रोड स्थित श्रीराम

- **अदालती आदेश के बावजूद मैरिज गार्डन की सील नहीं खोलने का मामला**

मैरिज गार्डन को सीज कर दिया था। जेडीए की इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए विवाह स्थल संचालक ने पहले जेडीए ट्रिब्यूनल में याचिका दायर की, जहां से राहत नहीं मिली तो वे राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ में पहुंचे। परंतु यहां से भी याचिकाकर्ता को राहत नहीं मिली। इसके बाद प्रकरण की याचिका खंडपीठ में दायर की गई थी, जिस पर 8 जनवरी 2026 को अदालत ने जेडीए प्रशासन की 12 मार्च 2025 की सीजर कार्रवाई पर स्टे देने के आदेश दिया था। परंतु करीब सवा महीने से ज्यादा समय गुजरने के बावजूद भी जेडीए प्रशासन ने मैरिज गार्डन की सील नहीं खोली। इस कारण अब पुन: अवमानना याचिका दायर की गई है। पूरे तथ्यों को सुनने के बाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने जेडीए सचिव से इस मामले में जवाब तलब किया है।

तेज रफ्तार बस की टक्कर से चाचा-भतीजे की मौत

जयपुर । बस्सी इलाके में रविवार को मध्यप्रदेश नंबर की तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार चाचा-भतीजे को कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मुख्य मार्ग पर कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। बाद में पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दी। पुलिस के अनुसार दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजे थे और बाइक से किसी पारिवारिक कार्यक्रम में फेरे करवाने जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

लोककला के मंच पर छाई फागुन की मस्ती

जयपुर । संस्कार भारती जयपुर, जवाहर कला केन्द्र एवं पर्यटन, कला संस्कृति विभाग की सहभागिता में "लोक कला संगम 2026 : राजस्थान रै लोकरंग रो उजास" का जवाहर कला केन्द्र जयपुर में रविवार को रंगारंग समापन हुआ। तीन दिन तक चले इस उत्सव में प्रदेश के विभिन्न लोक संस्कृतियों की झलक देखने को मिली।

समारोह के अंतिम दिन रविवार शाम को फाल्गुन माह की धमाल मंच पर साकार हुई। कार्यक्रम में राजकुमार शर्मा एंड पार्टी ने धमाल की प्रस्तुति देकर सभी को मस्ती के रंग में सराबोर कर दिया। शेखावाटी से आई इस पार्टी ने गींदड के जरिए भी रंग जमाया और खूब आनन्द बरसाया। इसके बाद हुई हेला ख्याल दंगल की प्रस्तुति ने दर्शकों को मन मोह लिया। अंबालाल व गणेश मंडल की इस प्रस्तुति ने खूब वाहवाही बटोरी। धनपत भोपा ने फड़ वाचन प्रस्तुति देकर इस प्राचीन लोककला को फिर से जीवंत किया। तेरहताली की प्रस्तुति में प्रो. डॉ. रीमा गोयल के निर्देशन व कोरियोग्राफी में उनकी टीम ने भरपूर तालियां बटोरी। इस प्रस्तुति में शौर्य, सौम्यता व संतुलन ने सभी को प्रभावित किया। आचुकी सागर एंड पार्टी ने भवाई की प्रस्तुति में संतुलन की अनोखा सामंजस्य प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के तौर पर पर्यटन मंत्री दिया कुमारी मौजूद रहीं। उन्होंने आयोजन के लिए संस्कार भारती की प्रशंसा की, साथ ही आश्वासन दिया कि इस तरह के आयोजनों को सरकार की ओर से सहयोग मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि आयोजन में लोक कलाओं के संगम को देखकर गर्व की अनुभूति हुई है। हम यहां से लोक कला की प्रगति का संकल्प लेकर जाएंगे। उन्होंने लोक कला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। संस्कार भारती जयपुर प्रांत की अध्यक्ष डॉ. मधु भट्ट तैलंग ने लोक कला संगम के सभी प्रबंधकों को सम्मानित कर आभार व्यक्त किया। महामंत्री बनवारी लाल चेजारा भी मौजूद रहे। जवाहर कला केंद्र में लोक कला संगम समारोह के अंतर्गत तीन दिन तक लोक कला चर्चा का विषय बनी रही। मंच पर 24 से अधिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को लोक कलाओं से रूबरू करवाया।

मुख्यमंत्री ने आमजन के साथ सुनी "मन की बात"

वाटिका से लौटते समय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चाय की दुकान पर रुककर आमजन से मुलाकात की और बच्चों को चॉकलेट बांटी

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात'कार्यक्रम की '131वीं कड़ी' में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वाटिका स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सामुदायिक केन्द्र में आमजन के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश के हर राज्य, हर व्यक्ति को प्रेरित करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार युवा, महिला, किसान और गरीब के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने दो वर्ष में की गई 2719 बजट घोषणाओं में से 2450 घोषणाओं पर कार्य शुरू कर दिया है। जबकि पिछली सरकार ने पांच वर्षों में कुल 4148 घोषणाएं की, जिनमें से

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर में थड़ी पर रूककर युवाओं के साथ चाय की चुस्की ली और कई मुद्दों पर बात की।

1935 पर ही काम किया। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार संकल्प पत्र के हर एक वादे को पूरा करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत-विकसित राजस्थान का संकल्प साकार होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम के बाद वाटिका से लौटते समय चाय की दुकान पर रुककर चाय का स्वाद लिया और वहां मौजूद आमजन से आत्मीयता से मुलाकात की। इस दौरान वहां उपस्थित छात्राओं ने पेपरलीक की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं भर्ती परीक्षाओं के कलेंडर निर्धारित करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट भी बांटी। मुख्यमंत्री से चॉकलेट पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा, विधायक कैलाश वर्मा, रामावतार बैरवा, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं आमजन उपस्थित रहे।

Celebrating Harmony and Unity

World Understanding and Peace Day, observed annually on February 23, encourages reflection on the importance of empathy, dialogue, and global cooperation. The day highlights the need to bridge cultural, social, and political divides, fostering mutual respect and harmony among communities. Schools, organisations, and communities engage in discussions, workshops, and peace-building activities to promote tolerance and understanding. It serves as a reminder that peace is not merely the absence of conflict but the presence of compassion, dialogue, and cooperation. The day inspires individuals to contribute actively towards a more united and peaceful world.

#GEORGE HARRISON

He wants to plant trees

Friar Park isn't just a garden. It's an eccentric's fever dream from the 1890s. Caves. Underground tunnels. A four-acre Alpine rock garden with a scale

1970. George Harrison stands at the gates of Friar Park, staring at what everyone else calls a catastrophe.

The Victorian mansion is rotting. Grass pushes through floorboards inside. The estate's gardens, once the pride of England, have gone feral. Collapsed greenhouses. Buried grottoes. Pathways strangled by decades of neglect.

He's 27 years old. The Beatles just ended. He could go anywhere, do anything. The world is waiting for his next move.

He buys the wreck and decides to dig in the dirt.

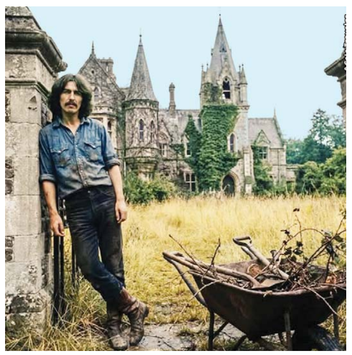

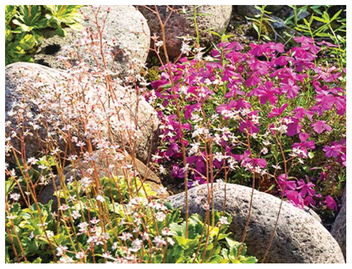

Not as a weekend hobby. As a life. He hires ten gardeners and works alongside them, dawn to midnight, covered in soil. His sister-in-law takes one look at the estate and asks what he's thinking. George doesn't try to explain. He just keeps digging.

His son Dhani grows up watching his father work by moonlight, squinting in the shadows because darkness hides the imperfections that would bother him during the day. The music industry keeps calling. They want albums. Tours. More of George Harrison the Beatle.

He wants to plant trees.

Friar Park isn't just a garden. It's an eccentric's fever dream from the 1890s. Caves. Underground tunnels. A four-acre Alpine rock garden with a scale Matterhorn on top. Garden gnomes everywhere. He photographs himself among them for *All Things Must Pass*, then goes back to pruning. When a nurseryman mentions slow sales, George buys one of everything in the shop. When someone offers 800 varieties of maples, he takes them all. His wife Olivia remembers him saying, "It's not my garden, Liv." He sees himself as a custodian. The garden doesn't belong to him. He belongs to it.

By 1980, he publishes his autobiography and dedicates it 'to gardeners everywhere.' He writes that he's simple. Doesn't want the business full-time. He's a gardener. He plants flowers and watches them grow.

Journalists visit and call it un-rock-star-ish. George doesn't flinch. He'd lived through Beatlemania, screamed into stadiums, changed culture. He found it hollow compared to restoring topiary. After John Lennon's murder, the gates lock forever. George and Olivia keep working. Not for visitors. For the work itself. He dies in 2001. The gardens are now considered masterpieces of Victorian landscaping. Olivia still tends them at Friar Park. The estate stays private. George Harrison chose dirt under his fingernails over applause. And in that choice, he found something the stadiums never gave him. Freedom.

Escaping From a World War II Death Camp PART:1

Eighty-two years later, the Sobibor Uprising is lesser known than many other acts of Jewish resistance. Yet, the event played a significant role in Holocaust history. "Without the uprising, there would have been no survivors, no one to testify to what happened at Sobibor," wrote survivor Jules Schelvis in Sobibor: A History of a Nazi Death Camp. "No court proceedings could have been started … and the crimes that were carried out in the strictest secrecy would never have been exposed." Of the roughly 170,000 Jews transported to Sobibor during World War II, only 58 survived until the conflict's end.

Surviving members of the Sobibor Uprising in 1944. Leon Feldhendler, a leader of the revolt, is standing in the back row at far right.

● Bulbul Joshi

When Alexander Pechersky, a Jewish soldier in the Soviet Army who'd been captured by the Nazis, arrived at Sobibor in German-occupied Poland in September 1943, he and his fellow prisoners of war quickly attracted the attention of the death camp's existing inmates. "They knew that the war was going on but had never seen the men who fought in it," Pechersky later recalled. "We were approached by men and women who made us understand that their wish was to get out of hell."

In a matter of months, between the spring of 1942 and the fall of 1943, at least 167,000 Jews were killed at Sobibor. A relatively small campus, the Nazi death camp was situated in a remote part of Poland, albeit alongside a train track. The SS used trains to deport Jews from ghettos across Europe to Sobibor. Most would go straight from the freight cars to the gas chambers, but many others, particularly the old, the infirm and the sick, were shot in an open pit. Only a few were selected as workers who would be kept alive to support the camp's upkeep, enduring weeks or months of torturous hard labour until they, too, were killed.

By the time Pechersky and the other Jewish soldiers joined the approximately 650 prisoners needed to keep the camp functioning, the Nazis had already begun winding down Sobibor's operations, possibly to convert it into an ammunition supply depot. The remaining Jews feared they would be murdered soon, just as their counterparts at the nearby killing center of Belzec had been after outliving their usefulness to the Nazi cause. A nascent resistance rightly saw the Soviet soldier's military expertise as just what they needed.

The underground appealed to Pechersky to devise a plan for an uprising. In a series of carefully orchestrated attacks on the afternoon of October 14, 1943, the con-

Stanislaw Szmajzner, a Sobibor survivor, who joined up with partisan forces after his escape from the death camp.

spirators killed around a dozen SS men and several non-German guards; more than 300 prisoners took advantage of the chaos to try to escape from the camp, though the majority was either murdered as they fled or later tracked down and shot.

Eighty-two years later, the Sobibor Uprising is lesser known than many other acts of Jewish resistance. Yet, the event played a significant role in Holocaust history. "Without the uprising, there would have been no survivors, no one to testify to what happened at Sobibor," wrote survivor Jules Schelvis in *Sobibor: A History of a Nazi Death Camp*. "No court proceedings could have been started … and the crimes that were carried out in the strictest secrecy would never have been exposed." Of the roughly 170,000 Jews transported to Sobibor during World War II, only 58 survived until the conflict's end.

Sobibor's operation as a Nazi killing center

Sobibor started operating as a Nazi death camp in April and May 1942. Alongside Belzec and Treblinka, it was one of three killing centers established as part of Operation Reinhard, a plan to systematically murder the Jews of German-occupied Poland.

Operation Reinhard was named after Reinhard Heydrich, a high-

View of Sobibor in the summer of 1943.

#JEW

A map of death camps in occupied Poland in 1942 / Map by Meilan Solly, based on data from the United States Holocaust Memorial Museum.

ranking Nazi who was one of the central architects of the 'Final Solution.'

Czech resistance operatives assassinated Heydrich in the spring of 1942, prompting Adolf Hitler to retaliate by ordering the eradication of a Czech village called Lidice. The June 10, 1942 Lidice Massacre claimed the lives of 340 residents.

At concentration camps like Bergen-Belsen and Mauthausen, the Nazis forced prisoners to work under inhumane conditions that often resulted in death by starvation, disease or exposure. At death camps, however, the vast majority of Jews were gassed to death or shot upon arrival, with only a small group of prisoners selected to remain alive as workers. These forced laborers, known as Arbeit häftlinge, were typically young men and women with experience in fields vital to the maintenance of the camp, including carpentry and tailoring. As Hershel Zukerman later testified, the SS, the Nazi police force that oversaw the camps, once asked a group of 100 men who'd arrived at Sobibor the previous day whether any of them could cook. "My son and I volunteered; we remained alive, while the other 98 went to the gas chambers."

Most of Sobibor's Arbeit häftlinge lived in a part of the camp called Lager I. Staffed by around 400

Alexander Pechersky, a leader of the 1943 Sobibor Uprising.

prisoners, including 100 women, Lager II contained the camp administration office and an undressing area for Jews en route to the gas chambers, while Lager III, which was closed off from the rest of the camp, held the gas chambers and mass graves. Contact between workers in Lager III and the rest of the camp was strictly prohibited to limit knowledge of the murders taking place there. "The most conclusive evidence that something murderous was occurring in Lager III was the fact that nobody ever came out alive," wrote survivor Thomas Blatt, also known as Toivi, in *Sobibor: The Forgotten Revolt*. A Nazi commandant, aided by a deputy, oversaw Sobibor with support from a group of around 30 SS officers at any given time. An auxiliary police guard unit of 90 to 120 men, including former Soviet POWs as well as Ukrainian and Polish civilians, also helped enforce Nazi rule. These guards were recruited from POW camps and broadly referred to as 'Ukrainians,' despite hailing from all over the Soviet Union. "Trained to be tough, merciless and ruthless, they often surpassed their German instructors in cruelty," wrote Schelvis in his book. "The Ukrainians followed each and every SS order without the slightest apparent hesitation."

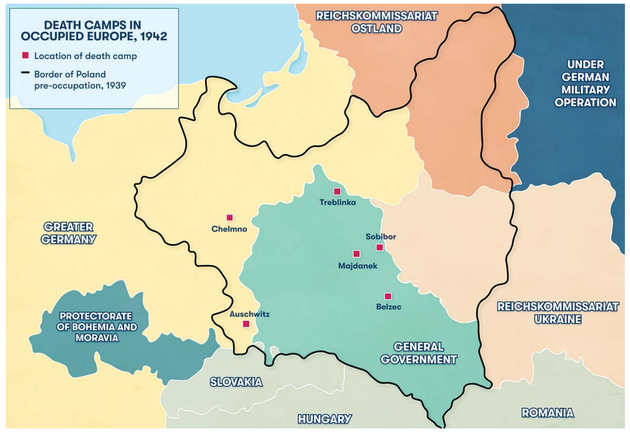

Planning the Sobibor Uprising

The October 1943 uprising represented the most ambitious escape attempt at Sobibor. But smaller groups of prisoners had previously tried to flee the camp, to varying degrees of success. In December 1942, a Jewish woman named Pesia Liberman, escaped with two Ukrainian guards but was betrayed by a local Polish man, who reported the fugitives to the police. In July 1943, several Jewish men from the Waldkommando, a forest detachment tasked with collecting firewood to burn corpses, murdered a guard and escaped into the woods. Knowing they would be punished for their fellow prisoners' disappear-

Leon Feldhendler in 1933. The resistance leader was fatally shot under unclear circumstances in April 1945.

ance, other members of the work crew fled, only to be gunned down or recaptured. "We were summoned to witness their punishment, so that we should hear and be afraid," survivor Moshe Bahir testified. "Before our eyes, the 11 men from the 'forest group' were brought out to be executed. All the victims fell with the first salvo. One of them got up on his feet and they fired again. Even this shot didn't kill him. A third salvo of shots put an end to his life."

In the aftermath of the executions, Bahir recalled, "The mood in the camp was tense. Various rumors flew through the air. We felt that our end was rapidly approaching." It was against this backdrop that Pechersky and the other POWs arrived at Sobibor in late September 1943. Born in Kremenchuk, Ukraine, in 1909, Pechersky was captured by the Germans in 1941, during the Battle of Moscow. He managed to conceal his Jewish heritage from his captors until the following year, when he underwent a medical examination after a failed escape attempt and was revealed to be circumcised. "I was locked up with other Jews in a place nicknamed 'the Jewish cellar,' where we spent ten days in complete darkness," Pechersky later said. Upon arrival at Sobibor, Pechersky sought out SS officer Karl Frenzel to volunteer himself as a skilled worker. Frenzel selected 80 men to join the Arbeit häftlinge, sending the rest to the gas chambers. Still wearing his Red Army jacket, Pechersky stood out as a natural leader, winning the confidence of both his fellow POWs and the Jewish prisoners.

Leon Felhendler, head of the camp's underground, arranged a meeting with Pechersky. Over the following days, the pair discussed the merits of different escape plans, rejecting proposals to dig a tunnel out of the camp or recruit the putzers, young boys who served as personal servants of the SS, to murder the Germans in their beds.

"Our motto is 'one for all and all for one,'" Felhendler reportedly told Pechersky. "Because if at roll call, it turns out that some people have escaped, then the entire camp will almost certainly be liquidated, and we will all end up in Lager III. We cannot take that risk."

According to Blatt, who assisted with 'secondary tasks' related to the uprising, the conspirators' final plan, in broad terms, "called for killing as many Nazis and Ukrainians as possible within one hour, and then storming the main gate."

The revolt would unfold in three phases: First, members of the underground with access to knives and axes would deliver these weapons to the men assigned to kill specific enemy officers. Then, the assassins would lure their targets to preselected spots and take them out as quietly as possible to avoid alerting the other guards. Other conspirators would cut the camp's telephone and telegraph cables, disrupting communication with the outside world. Finally, a kapo (a prisoner appointed to a supervisory position by the Nazis) would blow an early whistle for roll call, giving the inmates an excuse to line up near the main gate without raising the suspicions of the guards in watchtowers. From there, the underground hoped that the rest of the prisoners would seize the moment and escape en masse.

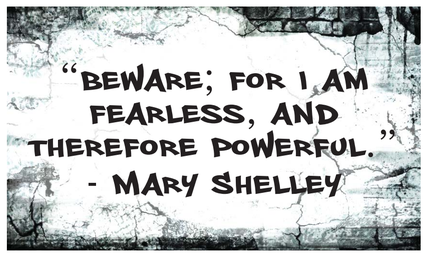

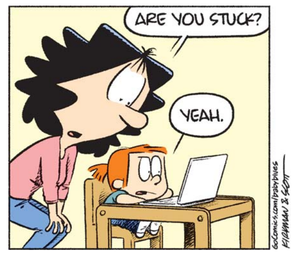

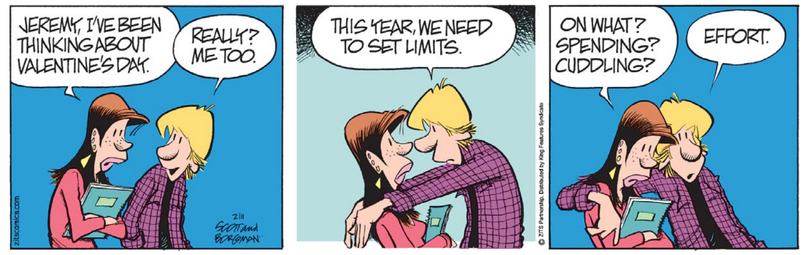

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

Auxiliary guards in front of Sobibor's Lager III.

#DIFFERENTIATING

Between Powerloom and Handloom

The key differences between handloom and powerloom fabrics lie in imperfection, lack of uniformity, and subtle variations in motifs

Handloom and powerloom fabrics may look similar at first glance, but they differ significantly in the way they are woven. These differences are most evident in the imperfections, uniformity of weaving, and the appearance of motifs. Understanding these aspects helps in identifying authentic handloom textiles and appreciating their craftsmanship.

1. Imperfection in Weaving

One of the most important indicators of a handloom fabric is imperfection. Handloom fabrics are woven manually by artisans. Because the process relies on human skill rather than machines, slight irregularities naturally occur. You may notice uneven thread thickness, minor gaps, or small variations in tension. These imperfections are not defects; instead, they are a hallmark of authenticity and reflect the individuality of the weaver.

Powerloom fabrics, on the other hand, are produced by machines operating at high speed. The weaving process is mechanically controlled, resulting in a smooth, flawless surface. There are almost no visible irregularities, as the machine repeats the same motion with precision.

2. Uniformity of Weaving

Uniformity is another key factor in distinguishing between the two. Handloom weaving is not perfectly uniform. The fabric may show slight variations in the density of the weave or alignment of threads. When you examine the cloth closely or stretch it gently, these inconsistencies become noticeable. This unevenness adds character and depth to the fabric.

Powerloom weaving is highly uniform. The fabric looks consistent throughout, with evenly spaced threads and identical texture from one end to the other. This uniformity is a result of automated processes and standardized settings.

3. Motifs and Designs

Motifs provide strong visual clues about the weaving method. In handloom fabrics, motifs are often woven individually or with manual assistance such as jacquard attachments. As a result, motifs may show slight variations in shape, size, or alignment. Borders and patterns may not be perfectly symmetrical, and the reverse side of the fabric often reveals loosely carried threads.

In powerloom fabrics, motifs are machine-generated and repeated exactly. The designs appear sharp, precise, and identical throughout the fabric. Borders are straight and symmetrical, and the back of the fabric looks almost as neat as the front.

4. Overall Look and Feel

Handloom fabrics usually have a softer, more organic feel. They drape differently and often feel more breathable due to the less compact weave.

Powerloom fabrics feel smoother and sometimes stiffer, as the threads are tightly packed and treated for mass production. The key differences between handloom and powerloom fabrics lie in imperfection, lack of uniformity, and subtle variations in motifs. Handloom textiles celebrate human craftsmanship and individuality, while powerloom fabrics emphasize speed, precision, and consistency. By closely observing these features, one can distinguish between the two and better appreciate the artistry behind handloom weaving.

#VAN GOGH

Fiction with a reputation

Newest French literature: cheap, pocket-sized novels whose contents were current, urban, and sometimes a bit daring

At first glance, these little yellow paperbacks might seem like quiet props, just a stack of novels tossed on a table. But this still life is also a snapshot of modern culture in Van Gogh's Paris. Back then, yellow covers were a kind of visual shorthand for the newest French literature: cheap, pocket-sized novels whose contents were current, urban, and sometimes a bit daring. Writers of the day didn't sugar-coat life, they wrote bluntly about the modern city, ordinary people, and subjects polite society often preferred to avoid. So, instead of showing off old classics, Van Gogh was perhaps telling us: look what modern stuff I'm reading right now.

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

छात्रा की हत्या, दूसरे दिन परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार किया

परिजनों का कहना है कि जब तक लिखित आश्वासन और ठोस कार्रवाई नहीं होगी, तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे

- 21 फरवरी को छात्रा एग्जाम देने के लिए घर से निकली थी, दोपहर करीब 1:30 बजे शव मिला था
- शव मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने उसे मौके से उठाने नहीं दिया

बीकानेर, (निसं)। यहां आठवीं कक्षा की छात्रा की हत्या के बाद इलाके में लगातार दूसरे दिन भी तनाव बना हुआ है। 21 फरवरी को छात्रा एग्जाम देने के लिए घर से निकली थी। दोपहर करीब 1:30 बजे शव मिला था। शव मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने उसे मौके से उठाने नहीं दिया। प्रशासनिक समझाइश के बाद 22 फरवरी दोपहर 12 बजे शव को अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट किया गया, लेकिन परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया है। फिलहाल मांगों को लेकर कोई सहमति नहीं बन पाई है और परिजन व ग्रामीण अस्पताल परिसर में धरने पर बैठे हुए हैं। परिजनों का कहना है कि जब तक लिखित आश्वासन और ठोस कार्रवाई नहीं होगी, तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे।

परिजनों ने बताया कि छात्रा (13) अपने घर से करीब 2 किलोमीटर पैदल स्कूल जाती थी। उसका 8वीं बोर्ड का एग्जाम चल रहा है। सुबह बच्ची घर से परीक्षा देने निकली थी। सेंटर पर नहीं पहुंचने पर स्कूल प्रशासन ने हमें सूचना दी। परिजनों का कहना कि बच्ची 12:15 बजे घर से निकली थी और करीब 1:46 बजे स्कूल प्रशासन से सूचना आई कि वह स्कूल नहीं पहुंची है। इसके बाद हम लोगों ने तलाश शुरू कर दी। थोड़ी दूर पहुंचे तो बच्ची का शव अर्द्धनग्न हाल में पड़ा था। सूचना पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और जांच शुरू की। प्रशासन की समझाइश बॉडी को हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया। परिजन और ग्रामीण अस्पताल में धरने पर बैठे हैं। प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच वार्ता जारी है, लेकिन अभी तक किसी निष्कर्ष पर सहमति नहीं बन सकी है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है और लोग जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

डम्पर ने राह चलते व्यक्ति को कुचला

उदयपुर, (कासं)।शहर के समीप बेदला गांव में डंपर ने राह चलते व्यक्ति को कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों व परिजनों ने विरोध प्रदर्शन कर मुआवजे की मांग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर में बेदला निवासी सत्यनारायण सोलंकी अपने घर से पैदल-पैदल गांव की तरफ जा रहा था, जहां बीच रास्ते खटीकवाड़ा में डंपर ने से उसे कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसका पता चलने पर मृतक की पत्नी व परिजनों एवं ग्रामीणों ने मौके पर विरोध-प्रदर्शन कर मुआवजे की मांग की। सत्यनाराणग गरीब होकर गांव में पंचर की दुकान करता था। इसको देख सभी ग्रामीणों ने उसकी आर्थिक हालत को देख मुआवजे की मांग पर अड़ गए। सूचना मिलने पर सुखेर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर समझाईश कर शव को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। बजरी से भरा डंपर सापेटिया से फतहपुरा की तरफ जा रहा था। हादसे को देख चालक मौके से फरार हो गया।

खाटू श्यामजी फाल्गुनी मेले में श्रद्धालुओं को हो रहे सुगम दर्शन

खाटू श्यामजी फाल्गुनी मेले में बाबा श्याम के दर्शन करने के भक्तों की कतारें लगी हुई है।

सीकर, (निसं)। खाटू श्यामजी फाल्गुनी मेले में इस बार प्रशासन द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के कारण श्याम भक्तों को सुगम एवं शीघ्र दर्शन प्राप्त हो रहे हैं।

मेला मजिस्ट्रेट एवं दांतारामगढ़ एसडीएम मोनिका सामोर ने बताया कि रींगस से पैदल मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं को रींगस से खाटू तक लगभग 17 किलोमीटर का पैदल सफर तय करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त प्रशासन की सुचारु व्यवस्थाओं के कारण खाटू में मंदिर परिसर तक अधिकतम 3-4 किलोमीटर का ही अतिरिक्त मार्ग तय करने पर श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर पा रहे हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर रींगस से मंदिर परिसर तक 20-22 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद भी भक्तों को सुगम दर्शन प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि एकादशी एवं द्वादशी के दिन यह रूट अधिकतम रिंगस से मंदिर परिसर तक लगभग 26-28 किलोमीटर तक का हो सकता है। उन्होंने अपील की है कि श्रद्धालु अफवाहों एवं भ्रामक दावों पर ध्यान न दें तथा प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। प्रशासन निरंतर प्रयासरत है कि सभी श्याम भक्तों को शांतिपूर्ण एवं सुगम दर्शन प्राप्त हो सकें।

सड़क दुर्घटना में चेहरा गंवाने वाले मरीज को प्लास्टिक सर्जरी से मिला नया जीवन

अजमेर के जेएलएन चिकित्सालय मरीज के चेहरे का ऑपरेशन हुआ।

- अजमेर के जेएलएन चिकित्सालय में मरीज का पहली बार हुआ जटिल फेस रिकंस्ट्रक्शन ऑपरेशन
- इस उपलब्धि के साथ ही अब ऐसे गंभीर मरीजों को दिल्ली या मुंबई रेफर करने की आवश्यकता कम होगी

अजमेर, (कासं)। अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में चिकित्सा क्षेत्र की एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए बुंदेरी निवासी मरीज आकाश के चेहरे का सफल पुनर्निर्माण कर चिकित्सकों ने उसे नया जीवन प्रदान किया है। यह इस अस्पताल में इस प्रकार की पहली जटिल प्लास्टिक सर्जरी है।

डॉ. नेपो विद्यार्थी ने बताया कि बुंदेरी निवासी आकाश सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होकर चिकित्सालय लाया गया था। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मरीज के चेहरे का बाईं ओर का पूरा हिस्सा, जिसमें कान भी शामिल था, पूरी तरह से नष्ट हो गया था। स्थिति इतनी गंभीर थी कि भीतर की हड्डियां स्पष्ट दिखाई दे रही थी। ऐसी स्थिति में सामान्यत: मरीजों को दिल्ली या मुंबई जैसे बड़े हायर सेंटर रेफर करना पड़ता था, लेकिन इस बार चिकित्सालय की विशेषज्ञ टीम ने यहीं ऑपरेशन करने का निर्णय लिया।

चिकित्सालय के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. अनिल सामरिया की प्रेरणा और मार्गदर्शन में इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी की योजना बनाई गई। उनके नैतिक समर्थन और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता ने इस जटिल ऑपरेशन को संभव बनाया।

प्लास्टिक सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नेपो विद्यार्थी ने अपनी टीम के साथ मिलकर मरीज के सिर के उत्तकों का उपयोग करते हुए चेहरे के बाईं ओर के हिस्से का सफल पुनर्निर्माण किया। यह प्रक्रिया अत्यंत जटिल और समय लेने वाली थी, लेकिन डॉक्टरों की विशेषज्ञता से यह सफल रही। इस सर्जरी की सफलता में अधीक्षक डॉ. अरविन्द खरे का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके प्रशासनिक सहयोग से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई।

सर्जरी के दौरान निश्चेतना विभाग की डॉ. दीपिका ने एनेस्थीसिया की जिम्मेदारी संभाली। वहीं प्लास्टिक सर्जरी विभाग की टीम में डॉ. साक्षी, डॉ. अभिनव, डॉ. सार्थक तथा नर्सिंग स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस उपलब्धि के साथ ही अब ऐसे गंभीर मरीजों को दिल्ली या मुंबई रेफर करने की आवश्यकता कम होगी। इससे न केवल मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा, बल्कि आर्थिक और मानसिक बोझ भी कम होगा। यह सर्जरी जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय, अजमेर के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि अब अजमेर में भी उच्च स्तरीय और जटिल प्लास्टिक सर्जरी संभव है।

सूने घर से नौ लाख के जेवर व नकदी चोरी

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा थाना क्षेत्र के नेमीनाथ नगर में शनिवार को एक सूने घर में चोरी की वारदात हुई। चोरों ने घर से करीब नौ लाख रुपए के जेवर और 1.5 लाख रुपये नकद चुरा लिए। कुल मिलाकर 10.50 लाख रुपये की चोरी हुई है। घर की मालकिन अपनी बेटी के साथ एक रिश्तेदार की शादी में गई हुई थी, जबकि उनके पति विदेश में नौकरी करते हैं।

पायल भोई ने बताया कि शनिवार को खेरवाड़ा में उनके रिश्तेदार की शादी थी, जिसके लिए वह अपनी बेटी के साथ गई थी। रविवार सुबह पड़ोस में रहने वाले विनोद जोशी ने उन्हें फोन कर बताया कि घर का ताला टूटा हुआ है। इस सूचना पर पायल रविवार दोपहर घर लौटी। घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे के ताले टूटे हुए थे और घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी में रखे 1.5 लाख रुपए नकद, लगभग 7.5 लाख रुपए के 5 तोला सोने के जेवर और 1.5 लाख रुपए की आधा किलो चांदी के जेवर गायब थे। घटना की सूचना मिलते ही सागवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना की जानकारी ली और छानबीन शुरू कर दी।

दहेज मुक्त विवाह बना प्रेरणा का संदेश

वैवाहिक कार्यक्रम में वर पक्ष ने केवल एक रुपया, नारियल और कलश शगुन के तौर पर स्वीकार किया

वैवाहिक कार्यक्रम में वर पक्ष ने एक रुपया, नारियल और कलश शगुन के तौर पर स्वीकार किया।

- समाज के लोगों ने इस दहेज मुक्त विवाह की प्रसंसा की और दहेज मुक्त विवाह की पहल को समाज सुधार के क्षेत्र में एक नई दिशा बताया

चौमूं/जयपुर। प्रदेश में शादियों में दहेज प्रथा को रोकने के लिए "एक रुपया और नारियल" लेकर शादी करने की कई अनुकरणीय खबरें सामने आई हैं। हाल ही में 21 फरवरी को शाहपुरा पंचायत समिति के ग्राम महार खुर्द में हुई शादी में दूल्हे (वर पक्ष) ने केवल एक रुपया, नारियल और कलश शगुन के तौर पर स्वीकार किया, जिसे समाज में सादगी और दहेज मुक्त का संदेश माना जा रहा है। वहीं समाज के लोगों ने इस दहेज मुक्त विवाह की प्रसंसा की है।

जानकारी के अनुसार शाहपुरा पंचायत समिति के गांव महार खुर्द (सामोद) में एक दहेज मुक्त विवाह संपन्न हुआ। वैवाहिक कार्यक्रम 21 फरवरी को हुआ, जिसमें वधू पक्ष के विजय कुमार जाटावत (बुनकर) ने अपनी पुत्री मेघा का विवाह लखेर निवासी मुकेश कुमार खरकड़िया (बुनकर) के पुत्र रोहित कुमार साथ संपन्न कराया।

लड़की के पिता विजय कुमार ने बताया कि जब सगाई की रस्में हुई थी, तब से लेकर संपूर्ण विवाह की रस्मों में लड़के के पिता और लड़के ने एक रुपए का नेक लिया और शादी संपन्न कराई।

लड़के के पिता मुकेश कुमार ने बताया कि मैंने मेरे पुत्र रोहित कुमार की शादी में सगाई से लेकर विदाई तक सभी नेक एक रुपए के रूप में लिए। वहीं लड़की की विदाई के दौरान वधू पक्ष की तरफ से वर पक्ष को मात्र एक रुपया, नारियल और कलश देकर विदा किया गया।

इस दौरान समाज के लोगों ने लड़की की माता सरिता देवी और पिता विजय कुमार व लड़के की माता सुशीला देवी व पिता मुकेश कुमार द्वारा अपने बेटी-बेटे की सम्पन्न कराई गई इस दहेज मुक्त विवाह की पहल को समाज सुधार के क्षेत्र में एक नई दिशा बताया और कहा कि यदि इस प्रकार के विवाह समाज में होने लग जाए तो समाज सुधार की दिशा में एक अच्छा प्रयास होगा।

समारोह में उपस्थित युवाओं ने भी इसे एक सकारात्मक परिवर्तन की शुरुआत बताया। इस दौरान वर पक्ष के श्रवण कुमार, शिवनाथ, रामनारायण, जयनारायण, सुभाष चंद्र सहित वधु पक्ष के पूरणमल, गिरधारी लाल, श्रवण लाल, बाबूलाल, महेंद्र, कैलाशचंद, जितेंद्र कुमार, मूलचंद वर्मा आदि सहित समाज के कई लोग मौजूद रहे।

डूंगरपुर में ऑटो पलटा, 10 से ज्यादा घायल

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के तीजवड़ रोड पर शनिवार देर शाम एक सड़क हादसे में 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए। एक बाइक के फिसलकर ऑटो से टकराने के बाद ऑटो बेकाबू होकर पलट गया। घायलों में 7 महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना तीजवड़ मोड़ के पास हुई। डूंगरपुर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर फिसल गई और सीधे एक ओवरलोड ऑटो से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो सड़क पर पलट गया। ऑटो में सवार सभी लोग लोलकपुर गांव के एक ही परिवार के सदस्य थे। वे माडवा खापरड़ा गांव में एक रिश्तेदार के लोकाचार कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे।

घायलों में मीरा रोत, बबली रोत, दुर्गा रोत, निर्मला रोत, प्रभुलाल पुत्र रामजी रोत, नाना पुत्र भैरा रोत, कांति पत्नी नारायण रोत, शांता पत्नी अर्जुन रोत और ललिता पत्नी कना रोत शामिल हैं।

'शिक्षा की गुणवत्ता के लिए पर्याप्त बजट जरूरी'

जयपुर। वित्त मंत्री दिया कुमारी ने 11 फरवरी को राजस्थान के लिए 610000 करोड़ रुपए का अनुमानित व्यय का बजट पेश किया है, लेकिन इसमें उच्च शिक्षा के लिए अंशदान, अनुदान पर्याप्त नहीं है। विकसित भारत-विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जरूरी है। शिक्षा की गुणवत्ता के लिए पर्याप्त बजट जरूरी है। गौरतलब है कि सभी के लिए सस्ती, समावेशी गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के उद्देश्य से वर्ष 2012 में स्थापित मत्स्य, बृज, शेखावाटी विश्वविद्यालय एवं वर्ष 2019 में स्थापित अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय जैसे नवीन विश्वविद्यालयों के लिए अनुदान तो टोकन मात्र 2-3 हजार रुपए ही है। राजस्थान विश्वविद्यालय, जोधपुर विश्वविद्यालय जैसे पुराने विश्वविद्यालयों के लिए भी अनुदान पर्याप्त नहीं है। मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर, बृज विश्वविद्यालय भरतपुर को 3-3 हजार, शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर व महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर को सिर्फ 2 हजार, डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय जयपुर को 3 हजार का टोकन अनुदान मिला है। गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा को गत वर्ष मिले 13.36 करोड़ से कम कर इस बजट में 10.20 करोड़ मिला है। रुक्टा डेमोक्रेटिक के प्रदेश संयोजक प्रो. रमेश बैरवा के अनुसार उच्च शिक्षा पर बजट में पर्याप्त वृद्धि की जाए जो कि शिक्षा में गुणवत्ता एवं विकास के लिए अत्यंत जरूरी है।

सादुलपुर : लम्बोर बड़ी में टोल प्लाजा पर संघर्ष समिति और प्रशासन के बीच वार्ता विफल

लम्बोर बड़ी में स्थित टोल प्लाजा पर टोल संघर्ष समिति और प्रशासन के बीच वार्ता हुई।

- टोल संघर्ष समिति और प्रशासन के बीच हुई वार्ता विफल होने के बाद किसानों और नौजवानों ने टोल को अनिश्चितकाल के लिए बंद करवाया

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़-झुंझुनूं स्टेट हाईवे 41 पर लम्बोर बड़ी में स्थित टोल प्लाजा पर रविवार को टोल संघर्ष समिति और प्रशासन के बीच हुई वार्ता पूरी तरह विफल हो गई। इसके बाद इलाके के किसानों और नौजवानों ने टोल को अनिश्चितकाल के लिए बंद करवा दिया। वहीं टोल संघर्ष समिति के बैनर तले, अखिल भारतीय किसान सभा एवं भारत की जनवादी नौजवान सभा के आव्हान पर आयोजित आंदोलन में हजारों की संख्या में किसान, मजदूर और नौजवान लम्बोर बड़ी टोल प्लाजा पर एकत्रित हुए और टोल वसूली रुकवा दी गई।

अखिल भारतीय किसान सभा के तहसील मंत्री मुनेश पूनिया व जिला कमेटी सदस्य सोनू जिलोवा ने संयुक्त बयान जारी कर बताया कि पीडब्ल्यूडी अधिकारियों एवं तहसीलदार की मध्यस्थता में हुई वार्ता में प्रशासन पूरी तरह असफल रहा। नौजवान सभा के जिला सचिव अजीत सिंह पूनिया ने कहा कि वार्ता के दौरान सक्षम अधिकारी यह तक स्पष्ट नहीं कर सके कि टोल प्लाजा की स्वीकृति है या नहीं। साथ ही, सड़क की डीपीआर भी जनता के सामने प्रस्तुत नहीं की जा सकी। उन्होंने बताया कि अधूरी जानकारी के साथ पहुंचे पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी संघर्ष समिति के समक्ष कोई भी सकारात्मक या ठोस समाधान नहीं रख पाए। वहीं वार्ता विफल रहने के बाद टोल संघर्ष समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जब तक प्रशासन की ओर से नियमसम्मत, लिखित और सकारात्मक समाधान नहीं आता, तब तक लम्बोर बड़ी टोल पूरी तरह बंद रहेगा। इसके साथ ही संघर्ष समिति ने आगामी 26 फरवरी को राजगढ़ एसडीएम कार्यालय के सामने किसान महापंचायत आयोजित कर प्रशासन से अगली वार्ता करने का निर्णय लिया है।

पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने टोल नाका के विरोध में चल रहे धरने में शामिल होकर आंदोलनरत ग्रामीणों को अपना समर्थन दिया और कहा कि जब सड़क निर्माण कार्य अधूरा है और नियमों के अनुरूप व्यवस्थाएं पूरी नहीं की गई हैं, तो आम जनता से टोल वसूली करना उचित नहीं है। मैं स्पष्ट शब्दों में कहना चाहती हूं कि मेरी जनता के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मेरी प्रशासन से मांग है कि 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों के स्थानीय निवासियों का टोल फ्री किया जाए और सड़क निर्माण और जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधाओं को भी पूरा किया जाए। मैं इस मुद्दे को उच्च स्तर पर बात कर मेरे अपने क्षेत्रवासियों को राहत दिलाने का हरसंभव प्रयास करूंगी तथा जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक विरोध जारी रहेगा। वहीं वार्ता विफल रहने पर टोल संघर्ष समिति ने दो टूक कहा कि जब तक सड़क की वैधता, टोल की स्वीकृति, डीपीआर और स्थानीय जनता को राहत पर स्पष्ट व लिखित निर्णय नहीं होगा, तब तक टोल वसूली किसी भी सूरत में चालू नहीं होने दी जाएगी। प्रदर्शन के मद्देनजर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजगढ़ थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग के नेतृत्व में राजगढ़ थाना पुलिस अधिकारी व पुलिस के जवान, हमीरवास, सिद्धमुख और तारानगर सहित आसपास के क्षेत्रों से पुलिस बल के जवानों को मौके पर तैनात किया गया है।

वहीं इस आंदोलन को किसान सभा के तहसील अध्यक्ष कुरडाराम दमिवाल, जिला कमेटी सदस्य डॉ. रामनिवास लाम्बा, कोषाध्यक्ष मनीष पुरी सहित अनेक संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं का समर्थन मिला। इस अवसर पर समर्थन देने वालों में शिक्षक संघ शेखावात, सीटू, स्वयंसेवी शिक्षा विकास समिति, बार संघ राजगढ़, ज्वेलर्स यूनियन राजगढ़ तथा पूर्व विधायक नंदलाल पूनिया, पूर्व विधायक डॉ कृष्णा पूनिया, पूर्व अध्यक्ष जगदीश बैरासारिया, निजी शिक्षक समिति के अध्यक्ष डॉ. दीप चन्द साहू, बार संघ के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट चरण सिंह पूनिया, बार संघ राजगढ़ के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट रामनिवास गुर्जर, राजस्थान शिक्षक संघ के अध्यक्ष नेता वेदपाल मलिक, रोहित पूनियां गागडवास, विजय पूनियां भामासी, लम्बोर बड़ी के पूर्व सरपंच फतेहसिंह राहड, प्रशासक सरपंच जोगेन्द्र फगेडिया सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, किसान और नौजवान मौजूद रहते हुए आंदोलन को सम्बोधित कर अपना समर्थन दिया।

अलवर में शहीद सुरेंद्र सिंह तक्षक की प्रतिमा का अनावरण

अलवर में मूर्ति अनावरण और विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

अलवर, (निसं)। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव, दिल्ली के उप मुख्यमंत्री प्रवेश वर्मा एवं राज्य नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने रविवार को जाट बहरोड़ गांव में शहीद सुरेंद्र सिंह तक्षक की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान विधायक विराटनगर कुलदीप धनखड़, पूर्व सांसद अलवर करण सिंह यादव, पूर्व विधायक मंजीत धर्मपाल चौधरी, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, जिला अध्यक्ष मानसिंह चौधरी, डेयरी अध्यक्ष नितिन संगवान, प्रधान सुनीता गुप्ता, बन्ना राम मीणा, इंद्र यादव, अंजली यादव, अनूप यादव, पवन यादव सहित उपस्थित अतिथियों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर शहीद को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर शहीद की वीरांगना एवं उपस्थित वीरांगनाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। केंद्रीय वन मंत्री ने कहा कि सुरेंद्र सिंह तक्षक ने सैनिक जीवन में पूरा समर्पण दिया। उन्होंने कहा कि सेना में जाने के बाद जब फौजी अपनी वर्दी पहनता है तो निश्चित ही उसे गर्व और आत्मविश्वास महसूस होता है, साथ ही वर्दी हमें अनुशासन भी सिखाती है। इसीलिए हर युवा और ग्रामवासी जब भी शहीद की प्रतिमा के सामने से निकले या यहां आए तो याद रखे की एक सैनिक की ही भांति हमें भी अपने जीवन में आत्मविश्वास और अनुशासन लाना है तो जरूर आगे बढ़ने का रास्ता मिलेगा। उन्होंने कहा कि ये मूर्तियां हमारी विरासत हैं और हमें इन्हें संजोना है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि क्षेत्र में शिक्षा, खेल और रोजगार के क्षेत्र में निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी स्कूलों के बीच की खाई को कम करने के उद्देश्य से सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अलवर सांसद खेल उत्सव के माध्यम से 35 हजार से अधिक बच्चों को खेल गतिविधियों से जोड़ा गया, वहीं बहरोड़ में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के सहयोग से एक बड़े पुस्तक मेले का आयोजन कर बच्चों में पढ़ाई के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री प्रवेश वर्मा ने शहीद सुरेंद्र सिंह तक्षक की प्रतिमा के अनावरण अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने शहीद सुरेंद्र सिंह तक्षक की प्रतिमा के अनावरण अवसर पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि शहीदों का बलिदान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि शहीद सुरेंद्र सिंह तक्षक ने देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है और उनकी वीरता आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने मुण्डावर विधानसभा क्षेत्र में विकास को नई गति देते हुए विभिन्न विभागों के 612 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया जाएगा, जिन पर कुल 17401.03 लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी।

संक्षिप्त

रात्रि सत्संग कल

निवाई। कैरोद मोड पर स्थित काला भाटा के श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा सन्यास आश्रम के स्वामी कर्मानन्दगिरी महाराज के सानिध्य में ब्रह्मलीन स्वामी हीरानंद महाराज का 61वां दो दिवसीय महापरिनिर्वाण दिवस मनाया जाएगा। आश्रम के गोविन्द हाकला, रूपसिंह अधाणा व रामेश्वर पोसवाल ने बताया कि महापरिनिर्वाण दिवस को लेकर मंगलवार की रात को भजन मंडलियों द्वारा भजन संकीर्तन करके गुरु महिमा सुनाएंगे। बुधवार को गुरु पूजन के साथ कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद ब्रह्मलीन स्वामी हीरानंद महाराज व ब्रह्मलीन सेवानंद महाराज की महाआरती करके महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान दूर दराज गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु आश्रम पर पहुंचकर गुरू पूजा करेंगे। इसी प्रकार अद्वैत आश्रम हरभांवता में भी बुधवार को श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद जी महाराज के सानिध्य में ब्रह्मलीन स्वामी हीरानंद महाराज का 61वां दो दिवसीय महापरिनिर्वाण दिवस मनाया जाएगा। अद्वैत आश्रम के शिवदयाल गुर्जर व रूपसिंह अधाणा ने बताया कि स्वामी हीरानंद महाराज 1965 में इसी आश्रम में ब्रह्मलीन हुए थे। तब से हर साल गुरु अष्टमी पर यह आयोजन हो रहा है।

रोवर रेंजर्स का सम्मान

अलवर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड द्वारा जिला मुख्यालय नजर बगीची में आज चिंतन दिवस के रूप में सम्मान समारोह मनाया गयाइस मौके पर राज्य पुरस्कार प्राप्त स्काउट गाइड, रोवर रेंजर्स को जिला कमिश्नर रेंजर प्रोफेसर बाबूशोभाराम महाविद्यालय डॉ. सुनीता मीणा ने राज्य पुरस्कार प्राप्त करने के उपलक्ष्य में उनका सम्मान कर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीउन्होंने कहा कि यह गतिविधि बालकों में शारीरिक, मानसिक, भौतिक, आध्यात्मिक एवं सर्वांगीण विकास के अवसर प्रदान करती है। बालक बालिकाओं में आत्मविश्वास को विकसित करके सीखने की रुचि पैदा करती है। हुडिया कला के डायरेक्टर ताराचंद संस्कार भारती ने स्काउट गाइड को चिंतन दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। जिला सचिव विजयलक्ष्मी रोहिला ने बताया कि 121 गाइड, 25 रेंजर, 246 स्काउट एवं 13 रोवर्स ने राज्य पुरस्कार परीक्षा उत्तीर्ण कर राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे से हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र प्राप्त किया है।

बैठक का आयोजन

कोटपूतली। विश्व हिन्दू परिषद की नगर बैठक रविवार को विहिप नगर कार्यालय कोटपूतली पर नगर अध्यक्ष रोहिताश सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिला सहमंत्री एड. शिवकुमार गुप्ता ने आगामी कार्यक्रम रामोत्सव, सेवा सप्ताह कार्य आदि पर प्रकाश डाला। नेमीचंद हिन्दू ने बताया कि विष्व के समस्त हिन्दुओं के हित के चिंतन के लिये विष्व हिन्दू परिषद कार्य करता है। बैठक में नवीन दायित्व की घोषणा हुई। जिसमें अमरजीत सोनी नगर उपाध्यक्ष, नीरज मंडोवरा को धर्म प्रचार प्रमुख, सतीश योगी को धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख, दयाराम कुमावत को सामाजिक समरसता प्रमुख, बिल्लूराम सैनी को प्रचार प्रसार प्रमुख, संदीप सैनी को सेवा प्रमुख, एड. अनुप शर्मा को सह विधि प्रमुख का दायित्व दिया गया। बजरंग दल का नगर सह संयोजक दिनेश कुमार सैनी, अमित सैनी को नगर गौरक्षा प्रमुख बनाया गया।

बंदर के बच्चे का किया उपचार

शाहपुरा। कस्बे के अलवर तिराहे पर एक बंदर का बच्चा झुण्ड से अलग घूम रहा था जिस पर तीन चार श्वानों ने हमला करके घायल कर दिया। ग्रामीणों ने बच्चे को छुड़ाया और इसकी सूचना पशुधन निरीक्षक गोविन्द भारद्वाज को दी। सूचना मिलते ही भारद्वाज ने मौके पर पहुंचकर घायल बन्दर के बच्चे का उपचार किया। भारद्वाज ने बताया कि श्वानों ने बन्दर के बच्चे के पेट, पीठ पर हल्के घाव बना दिये थे जिनकी ड्रेसिंग की गई। उपचार के बाद बन्दर के बच्चे की हालत में सुधार है जिसे कुर्सी पर बिठाया।

शिविर में 50 मरीजों ने लिया लाभ

दौसा। रोटरी क्लब दौसा और इंदिरा आईवीएफ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार विश्व रोटरी दिवस पर शिवम लैब एंड वैलनेस सेंटर पर निसंतान दम्पत्तियों के लिए निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में इंदिरा आईवीएफ अस्पताल की डॉ दीपिका गुरुनानी ने 50 मरीजों को परामर्श दिया।

क्षेत्र के समग्र विकास के लिये निरंतर प्रयासरत : पटेल

विधायक हंसराज पटेल ने ग्राम मोलाहेड़ा व पनियाला में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

- विकास कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को नई गति मिलेगी और आमजन के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आयेगा

कोटपूतली। क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल ने रविवार को ग्राम पंचायत मोलाहेड़ा व पनियाला में 02 करोड़ 21 लाख 80 हजार रूपयों के लागत के विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया। इस मौके पर विधिवत् पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

विधायक पटेल ने ग्राम मोलाहेड़ा में पशु चिकित्सालय भवन निर्माण एवं शहीद कैलाश गुर्जर की मूर्ति से खरकड़ी सीमा की ओर सड़क निर्माण कार्य तथा ग्राम पनियाला में पशु चिकित्सालय भवन निर्माण एवं होली चौक से मठ मीणा की ओर सी.सी. सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुये विधायक पटेल ने कहा कि यह विकास कार्य क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं को सशक्त करेंगे और ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य व आवागमन की सुविधा प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिये वे निरंतर प्रयासरत है और जनता की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

पटेल ने कहा कि नवीन सड़क के निर्माण से आमजन को सुगम, सुरक्षित और आसान आवागमन की सुविधा मिलेगी। विकास कार्यों से ग्रामीण क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और आमजन के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आयेगा।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा और ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आयेगा। इस दौरान भाजपा नेता ई.जी. करण पटेल, मण्डल अध्यक्ष एड. रमेश रावत, पूर्व चैयरमैन एड. महेन्द्र कुमार सैनी, सरपंच प्रतिनिधि शीशराम, डॉ. हरीश गुर्जर, पशु उपनिदेशक डॉ. रामनिवास ठेकला, पूर्व उप प्रधान रामेश्वर रावत, एड. रामसिंह रावत, एईएन खेमचंद समेत अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

संत निरंकारी मिशन के सेवादारों ने किया श्रमदान

निवाई। संत निरंकारी मिशन निवाई के लगभग 150 सेवादारों ने सेवा, समर्पण व स्वच्छता को लेकर परशुराम उद्यान मायला कुंड पर श्रमदान किया। जिससे पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदल गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना गीत के साथ किया गया। सेवादार कमल हरचंदानी ने बताया कि सेवादारों ने सुबह 8 बजे सिंधी कॉलोनी स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन से परशुराम उद्यान व मायला कुंड तक एक विशाल रैली के साथ पहुंचे। रैली में पर्यावरण संरक्षण, जल स्त्रोतों की रक्षा एवं जल बचने के नारे लगाए गए। रैली के बाद सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक प्राचीन मायला कुंड व परिसर की साफ-सफाई करके श्रमदान किया गया। इसके बाद एक घंटे तक वहीं सत्संग आयोजित हुआ और लंगर प्रसादी ग्रहण की। निवाई ब्रांच के मुखी तुलसी दास ने बताया कि यह अभियान संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से संचालित प्रोजेक्ट अमृत के तहत देश के एक हजार से अधिक शहरों में एक साथ आयोजित किया गया।

बैंक प्रबंधन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

टोंक। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित आईसीआईसीआई बैंक से किसान ने गोल्ड लोन के लिए बैंक में रखे 128 ग्राम गोल्ड को बिना सूचना के नीलाम करने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थानाधिकारी भंवर लाल वैष्णव ने बताया कि इसकी जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित किसान डोड़वाड़ी निवासी रामदयाल चौधरी ने कोतवाली में दी रिपोर्ट में बताया कि उसने वर्ष 2024 में बैंक से 128.52 ग्राम सोना गिरवी रखकर 2 लाख 52 हजार रुपए का गोल्ड लोन लिया था, पीड़ित किसान 6 फरवरी को ब्याज चुकाने बैंक आया। जहां बैंक प्रबंधन ने कुछ कागजों पर साइन करवा लिए और कहा कि आपका सोना नीलाम कर दिया, साथ ही धमकाया कि ज्यादा नेतागिरी की तो केस दर्ज करवाकर जेल में डलवा दूंगा।

यायमूर्ति बेरी की 113वीं जयंती महोत्सव का समापन

सम्मानित प्रतिभाओं को साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, अभिनंदन-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर अभिनंदित किया।

- राजस्थान से 61 अधिवक्ता एवं समाजसेवी हुए सम्मानित
- जयपुर के विज्ञान केन्द्र एवं विज्ञान उद्यान में हुआ कार्यक्रम आयोजित

कोटपूतली। अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच एवं राष्ट्रीय समता स्वतंत्र मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समरसता सांस्कृतिक समन्वय सम्मेलन एवं विचार प्रस्तुति कार्यक्रम के अंतर्गत न्यायमूर्ति भगवती प्रसाद बेरी की 113वीं जयंती महोत्सव का समापन समारोह जयपुर स्थित क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र एवं विज्ञान उद्यान (साइंस पार्क), शास्त्री नगर, जयपुर में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति एस.एन. भार्गव (पूर्व मुख्य न्यायाधीश एवं पूर्व राज्यपाल) तथा न्यायमूर्ति एन.के. जैन (पूर्व मुख्य न्यायाधीश, मद्रास उच्च न्यायालय) रहे। विशिष्ट अतिथियों में गोपाल शर्मा विधायक सिविल लाइंस, जयपुर, निरंजन आर्य पूर्व मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार, एल.सी. भारतीय प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं संपादक, राजीव सोगरवाल अध्यक्ष, राजस्थान उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन, जयपुर, महेश शर्मा प्रमुख समाजसेवी, तथा डॉ. तुहिना प्रकाश शर्मा ग्लोबल एम्बेसडर एवं विशिष्ट सलाहकार, प्रथम उपराष्ट्रपति नेपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हुकुमचंद गणेशिया प्रख्यात विधिवेत्ता एवं चांसलर, रोमा इंटरनेशनल ग्लोबल कल्चर यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने की। समारोह में वक्ताओं ने न्यायमूर्ति बेरी के न्यायिक दृष्टिकोण, उनकी संवेदनशीलता तथा न्याय प्रक्रिया में स्थापित आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

समापन अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ अधिवक्ता क्राइम वकालत में अनूठी पहचान रखने वाले कृष्ण कुमार शर्मा सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों से 61 अधिवक्ताओं एवं समाजसेवियों को बेरी गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मानित प्रतिभाओं को साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, अभिनंदन-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर अभिनंदित किया गया।

अवैध नशे के बढ़ रहे कारोबार को लेकर डीएसपी को सौंपा ज्ञापन

पावटा। विराटनगर कस्बे एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते अवैध नशे के कारोबार को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी को लेकर मंगलवार को प्रतिनिधि मंडल ने एकजुट होकर विराटनगर पुलिस उपाधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए क्षेत्र में चल रहे अवैध नशे के व्यापार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

- गांजा, नशे की गोलियां व स्मैक तक बिक रहा खुलेआम

ज्ञापन में बताया कि कस्बे में खुलेआम नशे का कारोबार चल रहा है, गांजा, नशे की गोलियां, व यहां तक की अब तो स्मैक तक भी खुलेआम बिक रहा है। जिससे युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

नशे की चपेट में आकर कई परिवार आर्थिक और सामाजिक संकट का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल-कॉलेज के आसपास भी संदिग्ध गतिविधियां देखी जा रही हैं, जिससे अभिभावकों में चिंता व्याप्त है। ज्ञापन सौंपते समय

मंगलवार को प्रतिनिधि मंडल ने एकजुट होकर विराटनगर पुलिस उपाधीक्षक को ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधि मंडल में बृजमोहन सैनी नगर कांग्रेस प्रवक्ता धोलीलाल जी गुर्जर यूनियन अध्यक्ष रामनाथ जी सैनी रामेश्वर जी मुनीम किशन जी सैनी पार्षद प्रेमजी सैनी नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष जस्मीन जी धोली देवी चंपा देवी सहित वक्ताओं ने कहा कि विराटनगर में अशांति का माहौल बना हुआ है।

प्रशासन यह सब देखकर मौन बना हुआ है। इससे प्रशासन के ऊपर एक प्रश्न चिन्ह लगता है व इन नशा बेचने वालों को पकड़ने के बाद भी इनको 151 में बंद कर छोड़ देते हैं। जिससे इनके हौसले बुलंद हो रहे हैं। पिछली 12 फरवरी को भी एसडीएम व डीएसपी को नशे के खिलाफ प्रतिनिधिमंडल के द्वारा ज्ञापन दिया गया था आज 8 दिन के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई इसलिए दोबारा प्रतिनिधिमंडल द्वारा मिलकर ज्ञापन दिया गया है। यदि समय रहते इस पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र में अपराध की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

उन्होंने पुलिस प्रशासन से नियमित गश्त बढ़ाने, संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी करने तथा नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस उपाधीक्षक उमेश निठारवाल ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ईडब्ल्यूएस के आरक्षण को विभिन्न क्षेत्रों में लागू करने के संदर्भ में ज्ञापन

पावटा। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग ईडब्ल्यूएस के आरक्षण प्रावधान को विभिन्न क्षेत्रों में लागू किए जाने के संदर्भ में भाजपा नेता पवन शर्मा जवानपुरा ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेज अवगत करवाया कि देश के आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्ण वर्ग को सामाजिक न्याय की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए भारत सरकार द्वारा 2019 में 103 में संविधान संशोधन के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया था इसके लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। जिन्होंने आर्थिक आधार पर आरक्षण की ऐतिहासिक व्यवस्था लागू कर विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया राजस्थान में भी इस प्रावधान को प्रभावी रूप से लागू किया गया है किंतु राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को वास्तविक न्याय दिलाने हेतु निजी क्षेत्र की नौकरियों में आरक्षण वर्तमान समय में रोजगार का एक बड़ा हिस्सा निजी क्षेत्र में सृजित हो रहा है ऐसे में यदि आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्ण वर्ग को निजी क्षेत्र की नौकरियों में भी आरक्षण अथवा विशेष प्रावधान उपलब्ध कराएं जाए तो आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को समान अवसर प्राप्त होंगे राज्य सरकार औद्योगिक नीति के अंतर्गत निजी संस्थाओं को प्रोत्साहन देकर आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए निश्चित प्रतिशत अवसर सुनिश्चित कर सकती है। स्थानीय निकायों में आरक्षण नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं में आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्ण वर्ग के लिए आरक्षण का स्पष्ट प्रावधान किया जाना चाहिए।

सहकारिता चुनाव में आरक्षण राजस्थान में सहकारिता आंदोलन अत्यंत प्रभावशाली है विभिन्न सहकारी समिति, केंद्रीय सहकारी बैंक एवं अन्य सहकारिता संस्थाओं के चुनाव में आर्थिक रूप से पिछड़े हुए ईडब्ल्यूएस के लिए आरक्षित सीटों का प्रावधान किया जाना चाहिए। छात्रवृत्ति वितरण में प्राथमिकता उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्ण वर्ग के विद्यार्थियों के लिए विशेष छात्रवृत्ति शुल्क, रियायत एवं शैक्षणिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए जिससे प्रतिभाशाली छात्र अपनी शिक्षा निर्बाध रूप से पूर्ण कर सके। मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार सामाजिक न्याय का वास्तविक अर्थ तभी पूर्ण होगा जब आर्थिक रूप से कमजोर प्रत्येक नागरिक को समान अवसर मिले।

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने साफ-सफाई अभियान में शिरकत की

वन राज्यमंत्री 'जय शर्मा ने साफ-सफाई अभियान के तहत साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

- उन्होंने कहा कि विगत वर्ष स्वच्छ सर्वेक्षण में अलवर ने देश में 364वें स्थान से 54वीं रैंक हासिल की

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा का आज बजट घोषणा में राजकीय सामान्य चिकित्सालय में बैड संख्या बढ़ाकर 750 करने की घोषणा पर सामान्य चिकित्सालय के कार्मिकों ने अभिनन्दन कर आभार जताया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए अब तक के तीनों बजटों में अलवर शहर एवं अलवर जिले को विकास की अनेकों सौगातें दी गई है। उन्होंने कहा कि इस बार का बजट रिफॉर्म, ट्रांसफॉर्म और इनफॉर्म की थीम पर प्रदेश के हर वर्ग किसान, युवा एवं महिला की उन्नति और प्रदेश के विकास के लिए समर्पित बजट है, जिसमें आधारभूत संरचना, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल आपूर्ति, महिला सुरक्षा और किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए काम किया गया है। उन्होंने कहा कि सामान्य चिकित्सालय में बैड संख्या में बढ़ोतरी होने से स्वास्थ्य सुविधाओं बेहतर होंगी और आमजन को लाभ होगा। जिले के लिए बजट में विभिन्न सौगातें देने पर उन्होंने उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया। इस दौरान प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील चौहान सहित चिकित्सालय के कार्मिक मौजूद रहे।

इसके उपरान्त वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने राजकीय सामान्य चिकित्सालय परिसर में संत निरंकारी मिशन द्वारा प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत चलाए गए साफ-सफाई अभियान में शिरकत की तथा साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि अलवर को स्वच्छ व सुन्दर शहर बनाने में सभी नागरिकों सहभागिता की आवश्यकता है। उन्होंने निरंकारी मिशन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सफाई अभियान निरंकारी सेवा द्वारा आयोजित किया गया है यह स्वच्छता की दिशा में सराहनीय कदम है। इससे आमजन में स्वच्छता के प्रति और अधिक जागरूकता आएगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव के नेतृत्व में विगत वर्ष स्वच्छ सर्वेक्षण में अलवर ने देश में 364वें स्थान से एक बड़ी छलांग लगाते हुए 54वीं रैंक हासिल की तथा इसमें और अधिक सुधार करने के सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आमजन से आ ान किया कि अपने घरों व प्रतिष्ठानों के आसपास सफाई रखने के साथ कचरे को डस्टबिन में डालकर अलवर को स्वच्छ व सुन्दर शहर बनाने में सहयोग करें।

ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

टोंक। जिले में मतदाता सूची में गंभीर गड़बड़ी सामने आई है, निर्वाचक नामावली में गलत ग्राम और अनुभाग के नाम दर्ज होने के संबंध में जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल को एक ज्ञापन सौंपा गया है। इसमें स्पेशल समरी रिवीजन (एसआईआर) के बाद जारी सूची में हुई त्रुटियों को सुधारने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि यह गड़बड़ी निवाई विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 254, हंगोनिया बुजुर्ग में हुई है, जहां बाढ़रामपुरा गांव के मतदाताओं के नाम गलत तरीके से अनुभाग ग्राम यशोदानंदनपुरा में जोड़ दिए गए हैं। यशोदानंदनपुरा ग्राम पंचायत तुर्किया का हिस्सा है।

ज्ञापन के अनुसार, विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 254 में अनुभाग संख्या-1 श्लालसोट रोड के पास, यशोदानंदनपुरा के नाम से गलत तरीके से बनाया गया है। राजस्व ग्राम बाढ़रामपुरा की अलग-अलग ढाणियों (अनुभाग 2, 3, 4, 5, 6) के पंजीकृत मतदाताओं के नाम हटाकर उन्हें इस गलत अनुभाग संख्या 1 में जोड़ दिया गया।

सार-समाचार

हुंकार रैली में उमड़ा जन सैलाब

निवाई। सैनी समाज के तत्वावधान में जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह एवं हुंकार रैली का आयोजन किया गया। समारोह में छात्र-छात्राओं एवं सरकारी सेवा में नव चयनित कर्मचारियों सहित 150 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व कृषि मंत्री डॉ. प्रभुलाल सैनी, अध्यक्षता कर रहे राजस्थान माली महासभा के प्रदेशाध्यक्ष सीएल सैनी गंगापुरसिटी, विशिष्ट अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, बांदीकुई विधायक भागचंद टांकड़ा, उदयपुरवाटी विधायक भगवानराम सैनी, जगतगुरु तनीषा सनातनी, दौसा जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, जिलाध्यक्ष पांचुलाल सैनी, निवाई तहसील अध्यक्ष रामवतार खुवाडिया व समाज सेवी प्रेम प्रभु गंगाडा ने ज्योतिबाराव फूले के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया। मुख्य अतिथि पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने कहा कि समाज के विकास में भामाशाह अपनी भागेदारी निभाएं। समाज में बालिका शिक्षा का उत्थान हो। उन्होंने आ न करते हुए कहा कि समाज का हर व्यक्ति समाज के विकास में भागेदारी निभाएं। अध्यक्षता कर रहे राजस्थान माली महासभा के प्रदेशाध्यक्ष सीएल सैनी गंगापुरसिटी ने विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए तन मन धन से सहयोग करने का आव्हान किया। साथ ही उन्हें संकल्प भी दिलाया गया कि सभी प्रतिभाएं सरकारी विभाग में रहते हुए देश और समाज के हित में पूरी ईमानदारी से दायित्व का निर्वहन करें एवं ज्योतिबा फुले के बताए मार्ग पर चलते हुए शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएं। विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि मनुष्य की पहचान उसके संस्कारों एवं शिक्षा से होती है।

सांभर में कछुआ गति से नाला निर्माण ने दुकानदारों की परेशानी बढ़ाई

सांभरझील। यहां की जानकी विहार कॉलोनी से लेकर शिव विहार कॉलोनी के मध्य तक नगर पालिका के मार्फत नाला निर्माण का कार्य विगत दो माह से चल रहा है लेकिन अभी यह काम पचास प्रतिशत से भी अधिक अधूरा है। कहीं पर चैंबर फिट कर दिए तो कहीं पर फिट करके खुले छोड दिए। नाला निर्माण के मध्य तक आने वाले प्रतिष्ठानों के आगे से होकर यह नाला बनाया जा रहा है, जहां पर खुदाई की गई है वहां के कुछ दुकानदारों व कॉलोनीवासियों को ऐतराज है, इसलिए एतराज बताया जा रहा है कि प्रतिष्ठानों से करीब एक निश्चित दूरी छोडकर नाला भूमिगत बिछाने की प्रक्रिया का पालन नहीं होने से दुकानदार परेशानी महसूस कर रहे हैं लेकिन इसकी दूरी प्रतिष्ठान के बिल्कुल अटैच करके खुदाई करने से अब दुकानदारों व ग्राहकों को उतरने चढ़ने में दिक्कत हो रही है। इस मामले में यहां के मेडिकल स्टोर संचालक मनोज पारीक ने पोर्टल पर समस्या दर्ज करवाई तो 10 फरवरी को जवाब आया कि "आपकी शिकायत का निस्तारण स्वायत्त शासन विभाग द्वारा कर दिया गया है, कृपया संबंधित दस्तावेज एटीआर देखें"। जबकि हकीकत यह है कि काम अधूरा पडा है और काम रुका हुआ भी बताया जा रहा है। पूर्व पार्षद चंद्र प्रकाश सैनी बताते हैं कि निवासियो द्वारा हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन श्रीमान उपखंड अधिकारी को अपेक्षित कार्यवाही करने हेतु प्रस्तुत किया गया था। जिस पर अधिशाषी अधिकारी को आदेश दिया गया था कि इम पर तुरन्त संज्ञान/कार्यवाही की जाए। ठेकेदार द्वारा सड़क के कार्नर से 15 फीट की दूरी पर नाले डाले जाने थे परन्तु कहीं पर 13.5 फीट और 16.5 फीट दूरी पर आधे अधूरे नाले डाले गये है। नालो का ढलान व नाले सीमेंटी में नही डाल कर मनमानी तरीके से डाले गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिव विहार व जानकी विहार कॉलोनी तथा सडक से बहकर आने वाले बारिश के पानी की निकासी के लिए यह इंतजाम किया जाना है, लेकिन कार्य की कछुआ गति को देखकर निर्धारित अवधि में काम पूरा होने पर संदेह लग रहा है।

परामर्श शिविर आयोजित

कोटपूतली। स्थानीय अग्रसेन भवन में रविवार को अग्रवाल समाज समिति कोटपूतली एवं वेल्टन हॉस्पिटल दुर्गापुरा जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण एवं फिजियोथैरेपी चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. संदीप यादव (ऑर्थोपेडिक), डॉ. विक्रांत कटारिया (ऑर्थोपेडिक), डॉ. पीयूष शर्मा (फिजियोथैरेपिस्ट) व उनकी सहायक टीम छत्तर सिंह (मार्केटिंग मैनेजर), कृष्णा योगी, मोहर सिंह यादव, निहाल सिंह यादव, शिवराज यादव द्वारा घुटनों के दर्द, गठिया एवं अन्य जोड़ों की समस्याओं से पीड़ित मरीजों की जांच कर उन्हें रोबोटिक तकनीक से घुटना प्रत्यारोपण की आधुनिक प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही ऑपरेशन के बाद आवश्यक फिजियोथैरेपी, व्यायाम, सावधानियों एवं शीघ्र स्वस्थ होने के उपायों पर भी विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया गया। मीडिया प्रभारी हेमन्त मोरीजावाला ने बताया कि शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा परामर्श स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें समय पर सही उपचार मिल सकें। शिविर के प्रारंभ में डॉ. संदीप यादव, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष एड. योगेश शरण बंसल ने शिविर के बारे में जानकारी साझा की। 208 मरीजों ने इस चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का लाभ उठाया। शिविर के अंत में अग्रवाल समाज समिति के पदाधिकारियों ने वेल्टन हॉस्पिटल दुर्गापुरा जयपुर के चिकित्सकों व उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना 'मन की बात' का 131 वां एपिसोड

भरतपुर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादाई रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 131 वां एपिसोड भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय भरतपुर पर जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा के नेतृत्व में सुना गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी बिहारी लाल बिश्नोई तथा विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी नरेश बंसल एवं पूर्व प्रदेश मंत्री गिरधारी तिवारी रहे। इस एपीसोड में प्रधानमंत्री मोदी ने देश-विदेश के लोगों से अपने विचार साझा किये प्रमुख रूप से ए आई तकनीक पर जोर देते हुए कहा की मन की बात का कार्यक्रम देश और देशवासियों की उपलब्धियां को सामने लाने का एक मजबूत प्लेटफार्म है। ग्लोबल एआई इंपैक्ट समिट पर चर्चा करते हुए कहा कि कई देशों के उद्योगपति एवं नेताओं ने दिल्ली में आयोजित भारत मंडपम में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने ए आई से लाभान्वित दो बातों का विशेष जिक्र करते हुए कहा कि जानवरों के इलाज में और हमारे प्राचीन ग्रंथ, ज्ञान और पांडुलिपियों को संरक्षित करने में एआई महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

विभिन्न स्थानों पर साफ - सफाई का चलाया अभियान

पावटा। संत निरंकारी मिशन ने प्रोजेक्ट "अमृत" के तहत रविवार को ग्राम मेड में व्यापक जलाशय सफाई अभियान चलाया गया। सेवा दल शिक्षक कानाराम गुर्जर ने बताया कि निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के निर्देश पर यह अभियान मेड कस्बे में आयोजित किया गया है। मिशन के सेवा दलों ने उत्साहपूर्वक इस कार्य ने भाग लिया है। इस दौरान मेड कस्बे में सुबह 8 बजे से यह अभियान शुरू किया गया। जिसमें सेवा दलों ने मेड के मुख्य बस स्टैंड, मेड सीएचसी में सफाई का कार्य संपन्न किया। अभियान के दौरान स्वच्छता का संदेश दिया। सेवादलों ने स्थानीय लोगों को पर्यावरण संरक्षण और जल स्त्रोतों की नियमित देखभाल के लिए भी जागरूक किया। सफाई के कार्यक्रम के उपरांत सत्संग का आयोजन किया गया। इसमें मानवता, भाईचारा, प्रेम और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर विचार रखे गए। संत निरंकारी मिशन आध्यात्मिक जागरूकता के साथ-साथ स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और रक्तदान शिविर जैसे सामाजिक कार्यों के माध्यम से मानवता को सेवा में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। अभियान कार्यक्रम में मेड ब्रांच मुखि महामना रोहिताश गुर्जर, मेड सेवादल संचालक चंद्रपाल रातावाल, पूर्व सरपंच संतोष मोदी, बागराम जाट, सरपंच प्रतिनिधि मनोज रातावल सहित सभी सेवा दल के सदस्य मौजूद रहे।

श्री खाटू धाम के लिये 42 वीं अखंड ज्योत व पद यात्रा रवाना

कोटपूतली। श्री श्याम शक्ति मंडल कोटपूतली ट्रस्ट के तत्वाधान में राजमार्ग स्थित श्री श्याम मंदिर से श्री खाटू धाम के लिये 42 वीं श्री श्याम बाबा की पद यात्रा रविवार को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ रवाना हुई। पद यात्रा को विधायक प्रतिनिधि राधा देवी पटेल व मंदिर महंत द्वारा पूजा अर्चना कर ज्योत जलाकर व श्याम ध्वजा दिखाकर रवाना किया गया। पद यात्री श्री श्याम बाबा की झांकी रथ के साथ खाटू नरेश के जयकारों और भजनों के साथ नाचते गाते रवाना हुये। स्थानीय मंडल के कलाकारों द्वारा यात्रा में भजनों की प्रस्तुति दी गई। पदयात्रियों द्वारा मंदिर प्रांगण से शहर भर में गाजे बाजे के साथ शोभा यात्रा निकाली।

जलमहल की पाल पर सूर्यकिरण एरोबैटिक और सारंग हेलिकॉप्टर्स का रोमांचक प्रदर्शन

मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने वायु सेना के शौर्य एवं कौशल को सराहा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की उपस्थिति में जयपुर में जलमहल की पाल पर भारतीय वायु सेना के सूर्यकिरण एरोबैटिक एवं सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले कार्यक्रम में शिरकत की।

जल महल पर खुले आसमान में सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने सटीकता और सामूहिक समन्वय का अद्भुत प्रदर्शन किया। टीम ने सारंग स्पिलिट, एरोहैड, डॉल्फिन लीप, लेवल क्रॉस, हाई स्पीड क्रॉस, क्रॉस ओवर ब्रेक,

> ■ **आर्मी-डे परेड के बाद यह कार्यक्रम जयपुर के लिए गर्व की बात हैं, ऐसे कार्यक्रम युवाओं को सेना में जाने के लिए प्रेरित करते हैं : भजनलाल शर्मा**

डायमंड एवं इन्वर्टेड वाइन ग्लास जैसी अनेक आकृतियां आसमान में बनाई। सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने इन्वर्टेड रन, बैरल रोल, बॉम्ब बर्स्ट, डीएनए संरचना जैसी अनेक आकृतियां के साथ आसमान में दिल बनाकर वायु सेना की ओर से जयपुरवासियों का अभिनंदन किया। इस दौरान दोनों टीमों द्वारा कॉकपिट से ''खम्मा घणी'' और ''राम-राम सा'' का उद्घोष जनता के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय वायुसेना के शौर्य, साहस और तकनीकी कौशल की सराहना करते हुए कहा कि जयपुर की धरती पर यह आयोजन गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि आर्मी डे परेड के भव्य एवं सफल आयोजन के बाद वायु सेना की ओर से आयोजित इस अद्भुत कार्यक्रम से यह साबित हुआ है कि जयपुर ऐसे राष्ट्रीय आयोजनों के लिए पूरी तरह तैयार है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारी सेना का गौरव लगातार बढ़ रहा है। बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर वायु सेना के अद्भुत पराक्रम एवं भारत की सुरक्षा मज़बूत हाथों में होने का परिचायक है। हमारी वायु सेना सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ प्राकृतिक आपदाओं और महामारी में भी लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम अपने अद्वितीय हवाई कौशल और उत्कृष्ट करतबों से मंत्रमुग्ध करती है। भारतीय वायुसेना के एम्बेसडर्स सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के तीन पायलट विंग कमांडर राजेश काजला, विंग कमांडर अंकित वशिष्ठ और स्क्वॉड्रन लीडर संजेश सिंह जयपुर के ही हैं। इन पायलट्स ने वर्षों की कठिन मेहनत, अटूट अनुशासन और असाधारण कौशल के बल पर यह मुकाम हासिल किया है।

शर्मा ने कहा कि यह आयोजन नागरिक और सेना के बीच अटूट रिश्ते का उत्सव है। इस तरह के आयोजन से युवाओं के मन में सेना में जाने का संकल्प जन्म लेता है। इसके साथ ही राष्ट्रीय गौरव और रक्षा सेवाओं के प्रति जागरुकता को भी बढ़ावा देता है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल तेजिंदर सिंह, सप्तशक्ति कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिन्दर सिंह मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की उपस्थिति में जयपुर में जलमहल की पाल पर भारतीय वायु सेना के सूर्यकिरण एरोबैटिक एवं सारंग हेलिकॉप्टर्स के हैरंतअंगेज करतब देखे। फोटो-राष्ट्रदूत

सामुदायिक केंद्र का विस्तार होगा

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 129 में विधायक कोष द्वारा प्रदत्त राशि 15 लाख की लागत से नगर निगम द्वारा जय अंबे नगर में स्थित सामुदायिक केंद्र में विस्तार कार्य का विधिवत पूजन करके शिलान्यास किया। नटवर कुमावत ने बताया की जय अंबे नगर एवं आसपास की कॉलोनी के निवासियों की मांग पर अम्बालिका मंदिर के पास स्थित सामुदायिक केंद्र के विस्तार कार्य का आज शिलान्यास किया। स्थानीय लोगों एवं विकास समिति के सदस्यों ने सराफ का जोरदार स्वागत कर आभार प्रकट किया। इस अवसर पर महेश कुमार शर्मा, मनीष दीक्षित, आशीष सराफ, विवेक सराफ, के.के.शर्मा, जगदीश सिंह राजावत, दीपक गुप्ता, प्रकाश बाबू शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, राजेश दुसाद, डॉ सी एस चतुर्वेदी, अभिषेक खंडेलवाल, हंसराज सैनी,महेश सैनी बच्चू,एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

'समाज में एकता-समरसता आवश्यक'

जयपुर। वैशाली नगर की हनुमान बस्ती में रविवार को हिंदू सम्मेलन उत्साह और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की भागीदारी रही और पूरे आयोजन स्थल पर उत्सव का माहौल दिखाई दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी के गणित के प्रोफेसर उमेश गुप्ता ने समाज में एकता और समरसता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऊंच-नीच और भेदभाव को छोड़कर सभी को मिलकर समाज को मजबूत बनाना चाहिए। उन्होंने परिवार प्रबोधन, छुआछूत उन्मूलन, सामाजिक जागरुकता, घटते पारिवारिक रिश्तों और स्वभाषा-स्वभूषा-स्वभोजन को अपनाने जैसे विषयों पर समाज से संकल्प भी दिलाया।

"भारत की विश्व विरासत : राजस्थान" प्रदर्शनी शुरू

जयपुर। राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत की ओर से रविवार को जवाहर कला केंद्र में "भारत की विश्व विरासत: राजस्थान" प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत के महानिदेशक संजय रस्तोगी तथा जवाहर कला केन्द्र के अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. अनुराधा गोगिया ने किया।

प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण यूनेस्को द्वारा सूचीबद्ध राजस्थान के पहाड़ी दुर्ग-चित्तौड़गढ़, कुम्भलगढ़, रणथंभौर, आमेर, जैसलमेर और गागरोन-रहे, जो राजपूत शौर्य, सामरिक कौशल और स्थापत्य उत्कृष्टता के प्रतीक हैं। इसके अतिरिक्त जंतर मंतर तथा जयपुर का ऐतिहासिक नगर भी प्रदर्शनी में प्रमुखता से शामिल किए गए, जो भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों और सुविचारित शहरी नियोजन परंपरा को प्रतिबिंबित करते हैं।

प्रदर्शनी में रानी पद्मिनी, मीराबाई, महाराणा प्रताप और राणा कुम्भा जैसी ऐतिहासिक विभूतियों को अभिलेखीय दस्तावेजों एवं व्याख्यात्मक पैनलों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। धुंधाड़, मारवाड़, मेवाड़, हाडौती सहित राजस्थान के विविध सांस्कृतिक अंचलों की समृद्ध परंपराओं को भी प्रभावशाली रूप से प्रदर्शित किया गया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के गतिशील मार्गदर्शन में राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत ने अनेक नई ऊँचाइयों को प्राप्त किया है। लगभग 30 से 35 विषयगत पोर्टल प्रस्तुत किए गए हैं, जिनमें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, राजस्थान का गौरवशाली इतिहास तथा राज्य में प्रदर्शित शौर्य, उदारता और वीरता को दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि, हर रेत का टीला, हर सुर, हर पत्थर अपनी एक अलग कहानी कहता है, जो इस भूमि की स्मृतियों, परंपराओं और स्मारकों में निहित गहन ऐतिहासिक चेतना को दर्शाता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस प्रकार की प्रदर्शनी अभिलेखीय शोध और जनसामान्य के बीच सेतु का कार्य करती है तथा विशेष रूप से युवाओं को इतिहास से जोड़ती है।

खोया पाया

मेरे प्लाट B-820, रोहिणी द्वितीय जेडिए स्कीम का मूल आवंटन पत्र व कब्जा पत्र कही खो गया मिलने पर सूचित करें। शिखा पालीवाल- 8949447882

मेरे प्लाट F-231, रोहिणी एन्क्लेव जेडिए स्कीम का मूल आवंटन पत्र व कब्जा पत्र कही खो गया मिलने पर सूचित करें। हरित शुक्ला- 8949447882

नाम परिवर्तन

विवाह पश्चात मैंने अपना नाम प्रियल काबरा (PRIYAL KABRA) से बदलकर प्रियल राठी (PRIYAL RATHI) पत्नी सुधांशु राठी निवासी 1458 राठी बिल्डिंग परतानीयों का रास्ता जौहरी बाजार जयपुर रख लिया है। भविष्य में मुझे प्रियल राठी के नाम से जाना पहचाना जावे।

विवाद्यको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड (राजस्थान)
कृपा बाई यादव बनाम आशा व अन्य
वाद बाबत तकास्मा एवं स्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 53 व 188 राजस्थान टीनेन्सी एक्ट
वाद संख्या 228 सन् 2025
बनाम

आशा पत्नी भागेश्वर जाति ब्राहाम्ण, जम्मन सिंह जाति अहीर (यादव) समस्त निवासी उनियारा गार्डन जयपुर जिला जयपुर, केशव यादव पुत्र सुभाष, प्रियाराज पुत्री सुभाष, बिमला पत्नी सुभाष, शंकर पुत्र जगदीश, सत्यपाल पुत्र जगदीश समस्त जाति अहीर समस्त निवासी प्रागपुरा तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड राजस्थान आपके विरूद्ध उपरोक्त के लिए वाद पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 10/03/2026 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नो का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को उल्लिखत समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करे।

आपको सूचित किया जाता है कि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। यह वाद तारीख 3:02.20.26 को मेरे हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत — उपखण्ड अधिकारी पावटा (कोटपूतली-बहरोड)

कार्यालय ग्राम पंचायत कोटखावदा पंचायत समिति कोटखावदा
क्रमांकः-ग्रा.पं./टेण्डर/2025-26/21
दिनांकः-20/02/2026
खुली बोली सूचना-04/2025-26

ग्राम पंचायत कोटखावदा में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत निर्माण कार्यों को सम्पादित कराने हेतु राजस्थान पंचायतीराज अधीनियम 1996 के नियम 181 के अन्तर्गत पंचायती राज विभाग/जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग/सार्वजनिक निर्माण विभाग / जन संसाधन विभाग / नगर निगम एवं केन्द्रीय / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों से निर्धारित सीलबन्द लिफाफे में खुली बोली आमंत्रित की जाती है। बोली शुल्क, अमानत / धरोहर राशि, प्रोसेसिंग फीस व बोली विशिष्ठियां का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB No. KHW2526A0053
UBN No. KHW2526WSRC00106 to KHW2526WSRC00109

प्रशासक/ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कोटखावदा, जयपुर

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जानलेवा हमले करने का फरार आरोपी 1 साल बाद गिरफ्तार

जयपुर। खोरा बीसल थाना पुलिस ने जानलेवा हमले के आरोप में एक साल से वांछित चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से फरारी के समय सहयोग करने वालों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी हुई है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि वांछित व इनामी बदमाशों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जिसके लिए विशेष टीम का गठन किया गया। विशेष टीम ने तकनीकी सहायता व मुखबिर की सूचना पर जानलेवा हमले के आरोप में एक साल से वांछित चल रहे इनामी बदमाश हैप्पी सिंह जोधा उर्फ हर्षवर्धन सिंह उर्फ जयवर्धन सिंह उर्फ जेपी निवासी खोरा बीसल को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा की पुलिस कार्रवाई के दौरान शातिर बदमाश पुलिस को चकमा देकर जंगलों में भाग गया था। पुलिस ने जंगलों में चरवाहों की मदद से आरोपी को दबोच लिया। इस अभियान में कांस्टेबल शीशराम की अहम भूमिका

डोटासरा-जूली ने पुनः साबित किया कांग्रेसियों का झूठ बोलो और भाग जाओ वाला चरित्र : चतुर्वेदी

'कांग्रेसी नेता चेहरा बेनकाब होने के डर से सदन से भागे, चाहते तो 16 से 21 फरवरी तक दर्ज करा सकते थे आपत्ति'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कांग्रेस नेताओं के चाल, चरित्र और चेहरे पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं का चरित्र झूठ बोलो और भाग जाओ का रहा है। हाल ही में राजस्थान विधानसभा में हुए घटनाक्रम ने एक बार फिर इसे साबित कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने चेहरे से नकाब हटने के डर से लोकतंत्र की हत्या की, झूठ बोला, हंगामा किया और 8 करोड़ प्रदेशवासियों के धन का दुरुपयोग करते हुए सदन का समय नष्ट किया। इतना ही नहीं, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एक बार फिर अपने ही दल के षड्यंत्र में फंसते नजर आए। गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने सदन में हंगामा कर जूली को बोलने से रोकने का प्रयास किया, जो कांग्रेस की आंतरिक कलह को दर्शाता है।

> ■ **कांग्रेस के 5 साल में 4148 घोषणाएं, 2208 करीबन 53 प्रतिशत घोषणाएं पूरी ही नहीं की गई। जबकि भाजपा के संकल्प पत्र की 73 फीसदी, बजट घोषणाओं की 80 फीसदी घोषणाएं पूर्ण या प्रगतिरत : चतुर्वेदी**

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि विधानसभा में कांग्रेस का प्रदर्शन लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार के दो वर्ष का रिपोर्ट कार्ड सदन में प्रस्तुत कर तुलनात्मक बहस की चुनौती दी थी, लेकिन कांग्रेस के पास जवाब न होने के कारण उन्होंने सदन में हंगामा कर कार्यवाही बाधित की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज 'सरकार 2 वर्ष प्रगति एवं उत्कर्ष 2024-25-26' को 16 फरवरी को कार्य सलाहकार समिति की बैठक में सभी सदस्यों के समक्ष रखा गया था। इसके बाद 16 फरवरी से 21 फरवरी तक यह दस्तावेज सभी विधायकों को उपलब्ध कराया गया। इसके बावजूद कांग्रेस ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई। जब 21 फरवरी को इस विषय पर चर्चा शुरू हुई तो कांग्रेस ने हंगामा कर सदन की कार्यवाही बाधित की। चतुर्वेदी ने कहा कि यह घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि कांग्रेस का आचरण लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है और वह तथ्यों पर बहस से बचने का प्रयास कर रही है।

चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र-2023 के 392 बिंदुओं में से लगभग 285, यानी करीब 73 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं या कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार भाजपा सरकार की बजट घोषणाओं में से लगभग 66 प्रतिशत घोषणाएं पूरी हो चुकी हैं या प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने दो वर्षों में 2719 बजट घोषणाएं कीं, जिनमें से 90 प्रतिशत की स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं और 80 प्रतिशत घोषणाएं पूर्ण हो चुकी हैं। इसके विपरीत, पिछली कांग्रेस सरकार ने पांच वर्षों में 4148 घोषणाएं की थी, जिनमें से 2208 (लगभग 53 प्रतिशत) पूरी नहीं हो सकीं।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने अंतिम वर्ष 2023-24 में 1426 घोषणाएं कीं, जिनमें से 1142 (करीब 80 प्रतिशत) पर कोई कार्य नहीं हुआ। प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, मिथिलेश गौतम और भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक उपस्थित रहें।

प्रदेश के कई शहरों में पारा 30 डिग्री पार

जयपुर । प्रदेश में मौसम एक बार फिर बदल रहा है। अब सुबह-शाम की सर्दी का असर कम होने लगा है और दिन में तेज धूप के कारण तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। शनिवार को राज्य के 10 से अधिक शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर पहुंच गया, जिससे दिन में गर्मी का अहसास होने लगा है।

मौसम विभाग के जयपुर केंद्र के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में राज्य के अधिकांश इलाकों में आसमान साफ रहा और दिनभर अच्छी धूप खिली रही। सबसे अधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 33.6 डिग्री सेल्सियस मापा गया। इसके अलावा चित्तौड़गढ़ में 31.2, फलोदी में 31.8, बीकानेर में 31.2, जैसलमेर में 31.5 और पाली जिले के जवाई बांध क्षेत्र में 31.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। डूंगरपुर और फतेहपुर (सीकर) में 30-30 डिग्री, लूणकरणसर में 30.9 और चूरू में 30.4 डिग्री तापमान मापा गया। जयपुर में अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहित पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय पारिवारिक न्यायालय क्रम-1 जयपुर महानगर (प्रथम)
भावन्ता पारासर विरूद्ध राजेश शर्मा
वाद/प्रार्थना पत्र 13 (A)
प्रार्थना-पत्र संख्या 1392/24 सन्

नाम राजेश शर्मा पुत्र महावीर प्रसाद शर्मा जाति... पता गठवाडी, जमवारामगढ जयपुर राजस्थान
उक्त प्रार्थीया ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि....
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 06 माह 03 सन् 2026 को 10.00 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 19 माह 02 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत — आज्ञा से-वरिष्ठ मुंसरिम पारिवारिक न्यायलय क्रम-1 जयपुर महानगर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1317
चूंकि प्रार्थी श्री बृज किशोर शर्मा, अयोध्या नगर, वार्ड नंबर 01 दौसा राजस्थान 303303 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास नितानन्द शिक्षा समिति दौसा, अयोध्या नगर, वार्ड नंबर 01 दौसा राजस्थान 303303 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 04-02-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 13/04/2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1491
चूंकि प्रार्थी श्री राधिका शर्मा, प्लॉट न. 414, क्रॉस रोड माल, सेंटर स्पाइन, विद्याधर नगर, जयपुर 302039 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास जीवन आश्रम संस्था, T-1, A-190 सहयोग अपार्टमेन्ट विधाधर नगर जयपुर 302039 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 18-02-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 23/04/2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

एआई कर रहा चेहरे की पहचान : खुल रही डमी कैंडिडेट एवं अन्य अपराधियों की जन्मकुंडली

एआई-बेस्ड चैटबॉट सफलतापूर्वक संचालित करने के बाद राजस्थान सरकार ने अब एडवांस्ड कंप्यूटर विजन-आधारित एआई एप्लिकेशन को डिप्लॉय कर बड़ी छलांग लगाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जहां देश के दूसरे राज्य अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यात्रा की शुरुआत चैटबॉट-बेस्ड प्लेटफॉर्म से कर रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार इस मामले में काफी आगे बढ़ चुकी है। एआई-बेस्ड चैटबॉट सफलतापूर्वक संचालित करने के बाद राजस्थान सरकार ने अब एडवांस्ड कंप्यूटर विजन-आधारित एआई एप्लिकेशन को डिप्लॉय कर बड़ी छलांग लगाई है। प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग ने जटिल फेस सिमिलैरिटी सर्च तकनीक में दक्षता प्राप्त कर इसे शासन एवं कानून प्रवर्तन के क्षेत्र में लागू किया है, जिसके सुखद नतीजे सामने आने लगे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने बताया कि विभाग के के सॉफ्टवेयर डवलपमेंट सेंटर द्वारा विकसित कंप्यूटर विजन-आधारित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फेस सिमिलैरिटी सर्च समाधानों की सिरीज को सफलतापूर्वक डिप्लॉय किया है। यह अनूठी एआई प्रणाली प्रदेश में सार्वजनिक सेवा प्रदायगी, कानून प्रवर्तन सहयोग तथा नागरिक सुरक्षा हेतु एडवांस टेक्नोलॉजी के उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो रही है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थियों की घटनाओं से संबंधित उभरती चुनौतियों के समाधान हेतु विभाग ने एआई-संचालित फेस सिमिलैरिटी सर्च सिस्टम विकसित किया है। इस एप्लिकेशन की मदद से संदिग्ध अभ्यर्थी के फोटोग्राफ का पंजीकृत अभ्यर्थियों के 50 लाख रिकॉर्ड वाले मौजूदा डेटाबेस से मिलान संभव हो रहा है। उच्च-सटीकता वाले फेस सिमिलैरिटी मिलान के माध्यम से संभावित डमी कैंडिडेट के मामलों की पहचान करने में एजेंसियों को सफलता भी मिल चुकी है। यह एआई पहल सार्वजनिक भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता एवं शुचिता को सुदृढ़ कर रही है तथा पारदर्शी और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा कानून प्रवर्तन एवं अपराध अन्वेषण एजेंसियों की सहायता हेतु एक अन्य एआई-संचालित फेस सिमिलैरिटी सर्च सिस्टम भी डिप्लॉय किया गया है, जो प्रदेश में विभिन्न मामलों में आदतन अपराधियों की पहचान में सहायक हो रहा है। इसकी मदद से अभियुक्त की छवियों का 10 लाख फोटो युक्त रिकॉर्ड वाले आपराधिक डेटाबेस से मिलान किया जा सकता है। इससे अनेक अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान आसान हो रही है। यह एआई-संचालित प्रणाली एजेंसियों की पैटर्न पहचान, आदतन अपराधियों की निगरानी एवं जांच में तीव्रता लाने में मददगार साबित हो रही है।

मानवीय एवं जनसेवा पहल के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग ने एक ऐसा फेस सिमिलैरिटी सर्च समाधान लागू किया है, जो लावारिस शवों की पहचान हेतु गुमशुदा व्यक्तियों, आपराधिक एवं अन्य डेटाबेस से मिलान करने में सहायता करता है। इस एप्लिकेशन के माध्यम से अज्ञात शवों के फोटोग्राफ का गुमशुदा व्यक्तियों एवं अन्य इमेज डेटाबेस से मिलान किया जा सकता है। यह पहल सामाजिक प्रभाव एवं जनकल्याण हेतु एडवांस एआई तकनीक के संवेदनशील एवं मानवीय उपयोग को प्रदर्शित करती है।सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा विकसित ये सभी एआई एप्लिकेशन अत्याधुनिक एवं उच्च-सुरक्षित राजस्थान स्टेट डेटा सेंटर में एयर-गैप्ड वातावरण में डिप्लॉय की गई हैं। साथ ही इनके ऑडिट लॉगिंग एवं ट्रेसबिलिटी, डेटा संरक्षण एवं गोपनीयता सुरक्षा उपाय तथा नैतिक एवं उत्तरदायी एआई उपयोग को पूरी तरह सुनिश्चित किया गया है। राजस्थान सरकार का सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग नवाचार-प्रेरित परिवर्तन को आगे बढ़ाने तथा विभागों एवं एजेंसियों को स्केलेबल, सुरक्षित एवं प्रभावशाली डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है।

नव दंपत्तियों ने किया देहली वंदन और हवन

जयपुर। छोटी-छोटी बातों को लेकर बढ़ रहे तलाक के प्रकरणों और परिवारों में बिखराव की चिंताओं के बीच रविवार को गोविंद देव जी मंदिर में एक प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किया गया। पिछले दिनों परिणय सूत्र में बंधे एक दर्जन से अधिक नव दंपत्तियों को मंदिर में आमंत्रित कर सफल गृहस्थ जीवन पर प्रेरक उद्बोधन दिया गया। सुखी दाम्पत्य जीवन की मंगल कामना के उद्देश्य से रविवार को गोविंद देवजी मंदिर में देहली वंदन कर ठाकुर जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में नव दंपत्तियों को ठाकुर जी का चित्र, प्रसाद , दुपट्टा भेंट कर सुखी दाम्पत्य जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरुआत गोविंद देव जी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने मां गायत्री , ठाकुर श्री राधा गोविंद देव जी, गुरुसत्ता के षोडशोपचार पूजन के साथ की। इसके बाद गायत्री महायज्ञ में विशिष्ट हवन सामग्री से आहुतियां प्रदान कर नव दंपत्तियों के सुख, समृद्धि एवं सौभाग्य की कामना की गई।

गायत्री कचोलिया ने भारत की परिवार व्यवस्था ही रत्नों की खान है...प्रज्ञा गीत से पारिवारिक मूल्यों को अपनाने पर जोर दिया। वर्षा गुप्ता ने सुखी दाम्पत्य जीवन के सूत्र बताए। भक्त भूषण और वर्मा नीलम वर्मा ने गायत्री महायज्ञ संपन्न कराया। नव दंपति ने विवाह से जुड़ी प्रतिज्ञाओं का दोहरान किया।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा से भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने हरियाणा प्रवास पर पंचकुला में शिष्टाचार भेंट की।

देश के पूर्व खेल सलाहकार असिफ नजरुल ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप से भारत में खेलने का बायकॉट करने के फैसले को लेकर अपनी बात बदल दी। - मो. सलाउद्दीन

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के सीनियर असिस्टेंट कोच, वर्ल्ड कप 2026 बायकॉट पर यू-टर्न लेने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्मृति मंधाना

भारतीय महिला टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनकी टीम लगातार शीर्ष पर बने रहकर विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा कायम करना चाहती है। पिछले साल पहली बार 50 ओवर का विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम की निगाहें इस साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्व कप में जीत हासिल करने पर टिकी हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीन मैच की टी20 श्रृंखला में हराकर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की अपनी तैयारी की शानदार शुरुआत की। मंधाना ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''यह भारतीय टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश कर रही है।

क्या आप जानते हैं ?... टी 20 अंतर्राष्ट्रीय (20) : भारत ने 272 मैचों में 183 जीत के साथ दुनिया की सबसे सफल टीमों में से एक बनकर उभरी है, जिसमें 2024 में आईसीसी विश्व टी20 जीत भी शामिल है।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

जिम्बाब्वे व वेस्टइंडिज के बीच शाम 7 बजे

टेनिस स्टार स्लोएन स्टीफंस - फुटबॉलर जोजी अल्टिडोर का ब्रेकअप

नई दिल्ली, 22 फरवरी। अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पूर्व चैंपियन स्लोएन स्टीफंस और अमेरिकी पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के पूर्व खिलाड़ी जोजी अल्टिडोर ने चार साल बाद अपना वैवाहिक बंधन समाप्त समाप्त कर दिया है। अमेरिकी ओपन में 2017 की चैंपियन स्टीफंस ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में जोजी से अलग होने की घोषणा की।

12 मैचों बाद थमा भारत का विजयी अभियान

सुपर-8 में साउथ अफ्रीका ने 76 रन से हराया

अहमदाबाद, 22 फरवरी। डिफेंडिंग चैंपियन भारत को टी-20 वर्ल्ड कप के तीसरे सुपर-8 मैच में साउथ अफ्रीका के 76 रन की करारी हार झेलनी पड़ी है। टीम टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार 12 मैच जीतने के बाद हारी है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अफ्रीकी टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी।

टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। मार्क यानसन ने 4 विकेट झटके। केशव महाराज ने 3 विकेट लिए। कॉर्बिन बॉश को 2 और ऐडन मार्करम को एक विकेट मिला। शिवम दुबे ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए।

इससे पहले साउथ अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर ने 35 बॉल पर 63 रन बनाए। जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 24 बॉल पर नाबाद 44 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट झटके। अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट लिए।

गत चैंपियन भारतीय टीम को टी20 विश्व कप 2026 में पहली हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने सुपर आठ चरण में भारत का विजयी अभियान रोका और उसके लिए सेमीफाइनल की राह कठिन कर दी।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में भारत की बल्लेबाजी काफी खराब रही और टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह दक्षिण अफ्रीका ने यह मुकाबला 76 रनों से अपने नाम किया।

भारतीय टीम के लिए एक खिलाड़ी पर निर्भरता रहना भारी पड़ा है। भारत ने ग्रुप चरण में लगभग हर मैच में एक बल्लेबाज के दम पर ही जीत दर्ज की है। यही उसी कमजोर कड़ी साबित हो रही थी और सुपर आठ के पहले मैच में टीम इंडिया की बल्लेबाजी की कलई खुल गई। भारत की बल्लेबाजी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इतनी खराब रही कि शिवम दुबे को छोड़कर अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका।

जापान की धरती पर चमके भारतीय एथलीट, 1 रजत समेत 4 पदक जीते

जापान, 22 फरवरी। भारतीय खिलाड़ी हरमनजोत सिंह को बेहतरीन 'स्पीड एंड्योरेंस' के बावजूद शनिवार को जापान के फुकुओका में पुरुषों की 10 किलोमीटर स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा लेकिन देश ने एशियाई क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप में तीन और कांस्य पदक जीते।

तीस साल के हरमनजोत ने 29:21 सेकंड का समय निकाला जिससे वह स्वर्ण पदक से करीब से चूक गए क्योंकि जापान के रयूजी मिउरा ने 29:20 सेकंड से खिताब जीता। हरमनजोत ने हालांकि 2024 में बनाए गए अपने पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 29:57 सेकंड के समय को पीछे छोड़ा।

सीनियर महिलाओं की 10 किलोमीटर स्पर्धा भारत की सोनिया 35:24 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। भारत ने टीम स्पर्धा में भी तीन कांस्य पदक जीते। अंडर-20 महिला टीम चैंपियनशिप (छह किलोमीटर) में भारत 22 अंक से तीसरे नंबर पर रहा। जापान नौ अंक और चीन 20 अंक से आगे रहे। भारत की अंडर-20 टीम ने भी 25 अंक हासिल करके कांस्य पदक जीता।

टी-20 वर्ल्डकप सुपर-8 मैच में इंग्लैंड 51 रन से जीता:श्रीलंका 95 रन पर ऑलआउट

कैंडी, 22 फरवरी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की है। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने श्रीलंका को 51 रनों के बड़े अंतर से हराकर टूर्नामेंट के इस अहम पड़ाव में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के दूसरे सुपर-8 मैच में श्रीलंका को 51 रन से हरा दिया। रविवार को कैंडी के पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 146 रन बनाए। ओपनर फिल सॉल्ट ने 40 गेंदों पर 62 रन की तेज पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। विल जैक्स ने 21 रन का योगदान दिया, लेकिन बाकी बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सकेाजवाब में श्रीलंका की शुरुआत खराब रही और टीम 16.4 ओवर में 95 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कप्तान दसुन शनाका ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए विल जैक्स ने 3 विकेट लिए।

निको ओ'रेली के डबल धमाके से जीती मैनचेस्टर सिटी, प्रीमियर लीग की खिताबी दौड़ हुई रोमांचक

नई दिल्ली, 22 फरवरी। एतिहाद स्टेडियम में ऐसा ही कुछ देखने को मिला है जो इस सीजन की खिताबी दौड़ का रुख बदल सकती है। निको ओ'रेली ने अपने शानदार प्रदर्शन से मैनचेस्टर सिटी को न्यूकैसल यूनाइटेड पर 2-1 की अहम जीत दिलाई है। इस नतीजे के बाद प्रीमियर लीग तालिका में आर्सेनल से अंतर घटकर केवल दो अंक रह गया।

बता दें कि सिटी ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। ओ'रेली ने बेहतरीन गोल कर बढ़त दिलाई, हालांकि कुछ ही देर में लुईस हॉल के प्रयास से न्यूकैसल ने बराबरी हासिल कर ली। मौजूद जानकारी के अनुसार इसके बाद एरलिंग हालांड के सटीक क्रॉस पर ओ'रेली ने शानदार हेडर लगाकर फिर से बढ़त दिलाई। यह हालांड का इस सत्र में सातवां असिस्ट रहा, जबकि उनसे ज्यादा असिस्ट केवल ब्रूनो फर्नांडिस ने दिए।

पहले हाफ में सिटी का दबदबा साफ दिखा, हालांकि न्यूकैसल के डैन बर्न ने गेंद जाल में पहुंचाई थी, जिसे ऑफसाइड करार दिया गया। दूसरे हाफ में मुकाबला और कठिन हो गया। सिटी की पकड़ थोड़ी ढीली पड़ी और मेहमान टीम ने वापसी की कोशिश की।

आखिरी पलों में न्यूकैसल ने लंबी गेंदों और कॉर्नर के जरिए दबाव बनाया। यहां तक कि गोलकीपर निक पोप भी आक्रमण में आगे आ गए, जिससे सिटी की रक्षा पंक्ति में हलचल मच गई। लेकिन सिटी के गोलकीपर

जियानलुइजी डोनारुम्मा ने अतिरिक्त समय में दो अहम बचाव कर बढ़त बरकरार रखी।

गौरतलब है कि मैच खत्म होते ही स्टेडियम में जोरदार गर्जना सुनाई दी, जो उत्तरी लंदन तक संदेश देने जैसी थी, जहां आर्सेनल का अगला बड़ा मुकाबला होना है।

डिफेंस लाइन की बात करें तो मथियस नूनेस की एक कमजोर क्लियरेंस से बराबरी का मौका बना, जबकि रूबेन डियास को पीला कार्ड मिलने के बाद मध्यांतर में बाहर कर दिया गया। मार्क गुएही ने संयमित खेल दिखाया, वहीं रयान एइत-नूरी ने एक दुर्भाग्यपूर्ण डिफ्लेक्शन के बावजूद दूसरे हाफ में अहम ब्लॉक किया।

जानकारों का मानना है कि सिटी का यह जुझारू प्रदर्शन खिताब की दौड़ को अंतिम चरण तक रोमांचक बनाए रखेगा। मौजूदा हालात में हर मैच निर्णायक बन चुका है और अंक तालिका का अंतर बेहद नाजुक स्थिति में पहुंच गया।

कतर ओपन 2026 में कार्लोस अल्काराज का तूफान, 50 मिनट में फिल्स को रौंदकर जीता खिताब

कतर, 22 फरवरी। दोहा से आई ताजा खेल खबर ने टेनिस प्रेमियों का ध्यान खींच लिया है। स्पेन के युवा सितारे कार्लोस अल्काराज ने कतर ओपन 2026 के फाइनल में फ्रांस के आर्थर फिल्स को एकतरफा अंदाज में हराकर खिताब अपने नाम कर लिया है। मुकाबला महज 50 मिनट चला, जो उनके करियर के पूरे हुए मुकाबलों में सबसे छोटी अवधि की जीत मानी जा रही है।

बता दें कि शीर्ष वरीयता प्राप्त अल्काराज ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने सात में से पांच ब्रेक प्वाइंट को भुनाया और 6-2, 6-1 से सीधी जीत दर्ज की है। मौजूद जानकारी के अनुसार यह इस सत्र में उनकी लगातार 12वीं जीत है। इससे पहले वह पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब भी जीत चुके हैं। गौरतलब है कि 22 वर्षीय अल्काराज पिछले साल इसी टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गए थे। इस बार उन्होंने किसी तरह की चूक नहीं की। मैच के बाद उन्होंने कहा कि वह इस साल और ज्यादा भूख और जोश के साथ कोर्ट पर उतरे हैं। मानसिक रूप से मजबूत रहना आसान नहीं था, लेकिन टीम के सहयोग से उन्होंने शानदार शुरुआत की है। मेलबर्न में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के केवल 20 दिन बाद आई यह जीत उनके आत्मविश्वास को और मजबूत करती है।

टूर्नामेंट से पहले क्यों नहीं उठाए सवाल? - गावस्कर

आईसीसी प्री-सीडिंग विवाद

नई दिल्ली, 22 फरवरी। टी20 विश्व कप 2026 अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है और सुपर 8 मुकाबले शुरू हो गए हैं। कोलंबो में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, लेकिन असली चर्चा अब टूर्नामेंट के प्रारूप को लेकर हो रही है।

दरअसल आईसीसी द्वारा अपनाई गई प्री-सीडिंग व्यवस्था पर सोशल मीडिया में सवाल उठ रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार ग्रुप चरण की सभी शीर्ष टीमों भारतीय टीम, साउथ अफ्रिका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज को सुपर 8 के ग्रुप 1 में रखा गया। वहीं दूसरे ग्रुप में इंग्लैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड जैसी टीमें शामिल हैं, जो अपने-अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहीं।

गौरतलब है कि इस व्यवस्था के कारण दो मजबूत टीमें सुपर 8 चरण में ही बाहर हो सकती हैं। आम तौर पर बड़े टूर्नामेंटों में ग्रुप विजेताओं को अपेक्षाकृत संतुलित ग्रुप मिलता है, लेकिन यहां उल्टा समीकरण बन गया है। इसी वजह से प्रशंसकों, खासकर श्रीलंका समर्थकों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि श्रीलंका में ग्रुप चरण

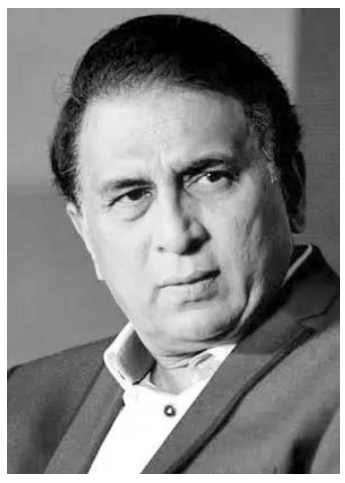

खेलने के बावजूद सेमीफाइनल में पहुंचने पर टीम को भारत में खेलना पड़ सकता है।

इस विवाद के बीच पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि अब इस मुद्दे को उठाने का ज्यादा मतलब नहीं है। उनके मुताबिक अगर किसी को प्रारूप पर आपत्ति थी तो उसे टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उठाना चाहिए था, जब कार्यक्रम घोषित किया गया था।

गावस्कर ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करना आसान नहीं होता। चूंकि यह प्रतियोगिता दो देशों में खेली जा रही है, इसलिए यात्रा, वीजा, सीमा शुल्क और आवास जैसी व्यवस्थाएं भी ध्यान में रखनी पड़ती हैं।

हर टीम के साथ सहयोगी स्टाफ की संख्या अलग-अलग होती है, जिससे होटल बुकिंग और अन्य इंतजाम प्रभावित होते हैं। संभव है कि इन्हीं व्यावहारिक कारणों से प्री-सीडिंग का फैसला लिया गया हो।

बता दें कि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही शीर्ष आठ टीमों की अंतरराष्ट्रीय टी20 रैंकिंग के आधार पर सुपर 8 के स्लॉट तय कर दिए गए थे। इसी वजह से दक्षिण अफ्रीका अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहने के बावजूद सीडिंग में नीचे माना गया, क्योंकि न्यूजीलैंड की रैंकिंग ऊंची थी।

क्रिकेट जानकारों का मानना है कि इस प्रारूप ने सुपर 8 को और प्रतिस्पर्धी जरूर बना दिया है, लेकिन इससे असंतुलन की बहस भी तेज हुई है। अब आने वाले मुकाबले तय करेंगे कि विवाद के बीच कौन सी टीम दबाव झेलते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाती है।

अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी राजस्थान : छत्तीसगढ़

राजस्थान के सचिन यादव का अर्धशतक व चेतन शर्मा की शानदार गेंदबाजी

जयपुर, 22 फरवरी। रायपुर में बीसीसीआई द्वारा आयोजित अंडर 23 सी केनायडू ट्रॉफी के खेले जा रहे राजस्थान - छत्तीसगढ़ क्वाटर फाइनल मैच के दूसरे दिन का स्कोर :- रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर राजस्थान-छत्तीसगढ़ टीमों के मध्य खेले जा रहे अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी क्वाटर फाइनल मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक का स्कोर:- छत्तीसगढ़ पहली पारी 286 आल आउट।

राजस्थान के गेंदबाज चेतन शर्मा 46/3, गणेश सुथार 52/3, मोहित छांगरा67/2, दीपेंद्रसिंह , अनिरुद्ध सिंह 1-1 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान पहली पारी 167/9, दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी पहली पारी में 9 विकेट के नुकसान पर 167 रन बना लिए थे।

टीम के लिए सचिन यादव 75, सुमित गोदारा 28, राज शर्मा 24 व दर्शन जैन 19 रनो का योगदान दिया ।छत्तीसगढ़ के गेंदबाज वरुण सिंह 42/6 विकेट।

राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन की कार्यकारिणी बैठक में प्रहलाद फरड़ोदा चेयरमैन नियुक्त

जयपुर, 22 फरवरी। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक आज सरदार क्लब जोधपुर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह जसोल की अध्यक्षता में हुई और सचिव दिलीप सिंह शेखावत कोषाध्यक्ष कैलाश खटीकमौजूद रहे।

परिषद ने प्रहलाद फरड़ोदा को राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन का चेयरमैन नामित एवं नियुक्त किया । यह प्रस्ताव मनवेंद्र सिंह जसोल द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसका परिषद ने सर्वसम्मति से समर्थन किया।

प्रहलाद फरड़ोदा अपने साथ समृद्ध अनुभव लेकर आते हैं और वे इंग्लैंड स्थित एक प्रतिष्ठित होटल व्यवसायी हैं। उन्हें फुटबॉल में गहरी रुचि है तथा वे इंग्लैंड में

एक फुटबॉल अकादमी (रिचिंग्स पार्क स्पोर्ट्स क्लब) के स्वामी भी हैं। ओर कहा कि राजस्थान के अच्छे खिलाड़ी अब विदेशी धरती पर भी खेल सकेंगे

बैठक के दौरान परिषद द्वारा विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई तथा अनुशासन समिति और अपील समिति के गठन का निर्णय लिया गया। साथ ही राष्ट्रीय खेल नीति पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में संघ के पदाधिकारी महेंद्र बिजानिया, कृष्ण अवतार, मांगीलाल काबरा, सुनील राव,दिनेश सिंह, मानवेंद्र सिंह, मांगीलाल सोलंकी, शकील अहमद,रफीक सिंधी, सतीश जांगिड़, ने भाग लिया ।

यूनियन क्रिकेट क्लब ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 22 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में यूनियन क्रिकेट क्लब ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब को 102 रनों से हराया।

यूनियन क्रिकेट क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आदित्य चौधरी के 46 रन, अशोक स्वामी के 15 रन, आदित्य शर्मा के 21 रन, आदित्य टांक के 52 रन, दीपक चौधरी के 93 रन नाबाद व लोकेश शर्मा के नाबाद 38 रनो से 50 ओवर में 5 विकेट पर 301 रन बनाए। राजीव गांधी क्लब के लिए सौरभ यादव ने 74 पर 2, देवांग सिंगोदिया ने 55 पर 2 व आर्यन यादव ने 52 पर एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में राजीव गांधी क्लब की टीम आर्यन जैन के 52 रन, मनन सिंह के 31 रन, देवांश सिंह के 30 रन व मोहम्मद हमजा के 23 रनो से 37.4 ओवर में 199 रनो पर सिमट गई। यूनियन क्रिकेट क्लब के लिए आदित्य टांक ने 39 पर 2, आतिफ खान ने 27 पर 2, अशोक स्वामी ने 19 पर 3, दीपक चौधरी व रमेश शर्मा व देवराज सैनी ने एक - एक विकेट लिया।

नोट: दिनांक 24 फरवरी को के एल सैनी स्टेडियम पर पी एंड टी क्रिकेट क्लब बनाम चंबल स्पोर्ट्स क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा।

नए अफगान कोच को देश में ही रहना होगा:जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल खत्म

अफगानिस्तान, 22 फरवरी। जोनाथन ट्रॉट के इस्तीफे के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) नए कोच की तलाश के अंतिम चरण में है। इस बीच, बोर्ड के मुख्य कार्यकारी नसीब खान ने साफ कर दिया है कि अगले मुख्य कोच और उनके सपोर्ट स्टाफ को ऑफ-सीजन के दौरान अफगानिस्तान में ही रहकर अपना काम करना होगा। नसीब खान ने कहा, 'हमने कोच के कॉन्ट्रैक्ट में यह शर्त साफ तौर पर रखी है कि उनका ड्यूटी स्टेशन अफगानिस्तान ही होगा। हम चाहते हैं कि राष्ट्रीय टीम के कोच हमारे घरेलू क्रिकेट और युवा खिलाड़ियों पर करीब से नजर रखें। नए कोच की रेस में तीन नामों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इनमें से दो कोच दक्षिण अफ्रीका के हैं और एक एशियाई है।

ट्रॉट 2022 से टीम के कोच थे ट्रॉट ने 2022 में राष्ट्रीय टीम के साथ अपना काम शुरू किया और अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, जिसमें प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के खिलाफ बड़ी जीत शामिल हैं। अफगानिस्तान 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक पहुंचा, लेकिन इस साल ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया।

संजुला मान ने बेहतरीन खेल प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीता

टीम पीडीकेएफ यूएसपीए ग्रीन' ने जीता यूएसपीए पीडीकेएफ लेडीज पोलो कप 2026

उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी रहीं मुख्य अतिथि

जयपुर, 22 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में शनिवार को यूएसपीए प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन लेडीज पोलो कप 2026 का रोमांचक मैच खेला गया। यह मैच दो टीमों - टीम पीडीकेएफ यूएसपीए पिंक और टीम पीडीकेएफ यूएसपीए ग्रीन के बीच खेला गया, जिसमें टीम पीडीकेएफ ग्रीन ने 5 -3 के स्कोर से पीडीकेएफ टीम पिंक को हराकर लेडीज पोलो कप अपने नाम कर लिया। इस अवसर पर राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। इस दौरान पीडीकेएफ की जनरल सेक्रेटरी, प्रिंसेस गौरवी कुमारी और यूएस पोलो एसोसिएशन विमेंसवियर की बिजनेस हेड, स्वप्निता सिंह भी उपस्थित रहीं।

मुकाबले के दौरान टीम पीडीकेएफ यूएसपीए ग्रीन लांस वाटसन के नेतृत्व में

खेली। वहीं टीम पीडीकेएफ यूएसपीए पिंक का नेतृत्व जयपुर के हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने किया था। विजेता टीम पीडीकेएफ यूएसपीए ग्रीन से कुमारी विजयश्री शक्तावत ने 3 गोल किए और डॉ. शिवांगी जय सिंह ने 2 गोल किए। टीम से मिली शेठ भी खेलीं। वहीं, दूसरी टीम पीडीकेएफ यूएसपीए पिंक से संजुला मान ने

3 गोल किए। मैच में खेलने वाली अन्य खिलाड़ियों में उर्वी सिंह और कुमारी लावण्या शेखावत शामिल थीं। गौरतलब है कि यह मैच प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन (पीडीकेएफ) और भारत के लीडिंग कैजुअलवियर ब्रांड एवं यूनाइटेड स्टेट्स पोलो एसोसिएशन (यूएसपीए) के ऑफिशियल ब्रांड यूएस पोलो एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। मैच का आनंद लेने के लिए जयपुर के महिला संगठन, एनजीओ, पोलो प्रेमी और शहर के जाने-माने व्यक्ति उपस्थित रहे।अगले सप्ताह से राजस्थान टूरिज़्म पोलो कप (6 गोल्स) खेला जाएगा। इस कप का फाइनल मुकाबला रविवार, 1 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर होगा।

राजस्थान पोलो क्लब पर आयोजित कार्यक्रम में पोलो सीजन-2026 की बेहतरीन कवरेज के लिए राष्ट्रदूत के खेल पत्रकार ज़ाकिर हुसैन को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

राजस्थान सरकार घुमन्तु समुदाय के कल्याण व सशक्तिकरण के लिए समर्पित- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जयपुर में घुमन्तु समुदाय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रबुद्धजनों के महासम्मेलन को संबोधित किया

जयपुर, 22 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदाय भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग है। धरती की मिट्टी से जुड़ा यह समुदाय त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस समुदाय के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए समर्पित है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य के 2026-27 के बजट में घुमन्तु समुदाय के बच्चों के लिए ''राज पहल कार्यक्रम'' की अभिनव पहल की गई है, इसके पहले चरण में प्रत्येक जिले में एक स्कूल ऑन व्हील्स स्थापित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अम्बाबाड़ी स्थित आदर्श विद्या मन्दिर में आयोजित विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्ध घुमन्तु समुदाय अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रबुद्धजन महासम्मेलन को संबोधित किया।

रविवार को मुख्यमंत्री अंबाबाड़ी स्थित आदर्श विद्या मन्दिर के सभागार में आयोजित विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्ध घुमन्तु समुदाय अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रबुद्धजन महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने घुमन्तु परिवारों को आश्रय उपलब्ध कराने के लिए आवासीय पट्टे वितरित किए एवं इन परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रावास की व्यवस्था की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने बजट वर्ष 2026-27 में घुमन्तु समुदाय के बच्चों की शिक्षा के लिए राज पहल कार्यक्रम की अभिनव पहल की है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम चरण में प्रत्येक जिले में एक स्कूल ऑन व्हील्स स्थापित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। इसके साथ ही प्रवास-प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी शिक्षा शिविर तथा शैक्षिक संभागों में 6 माह के स्कूल रेडिनेस कैम्प भी आयोजित किए जाएंगे। इससे पलायन और प्रवास के कारण नियमित विद्यालय से वंचित रहने वाले बच्चों तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री ने अंबाबाड़ी के पास खाटूश्याम जी जा रहे पदयात्रियों से मुलाकात की तथा प्रसाद का वितरण किया। इस अवसर पर पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की क्षेत्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हनुमान सिंह, घुमन्तु कार्य प्रमुख राजस्थान क्षेत्र महेन्द्र सिंह, जनाधिकार समिति सदस्य राकेश बीदावत सहित घुमन्तु समुदाय के प्रतिनिधिगण, समाजसेवी एवं प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

अजित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तक नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू को पद से इस्तीफा देने के लिए कहा जाए। मोहोल ने कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पहले ही एक प्रेस बयान जारी कर दिया है जिसमें सर्वोच्च विमानन निकाय ने चल रही जांच से संबंधित सभी बातों पर स्पष्टीकरण दिया है। मोहोल ने कहा, एजेंसी द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि प्रारंभिक रिपोर्ट 28 फरवरी से पहले जारी कर दी जाएगी। इस बीच, अजित पवार की मौत पर राज्य सरकार के रुख को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। विपक्ष ने बजट सत्र से पहले होने वाली पारंपरिक हाई-टी पार्टी का बहिष्कार किया है।

25 लाख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सदस्य और केंद्रीय समिति के वरिष्ठ सदस्य नक्सली कमांडर देवजी के आत्मसमर्पण पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बसव राजू के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद देवजी बड़ा नक्सली कैडर था, जिसने तेलंगाना में आत्मसमर्पण कर दिया है। कुछ नाम और शेष हैं, जो निष्क्रिय है, लेकिन उन्हें भी जल्द ही आत्मसमर्पण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाकी बचे सभी नक्सलियों को मुख्य धारा से जोड़ने के संबंध में काम किया जा रहा है।

किश्तवाड़ में सुरक्षा कर्मियों ने रविवार को तीन आतंकी मारे

जॉइंट ऑपरेशन में मरने वालों में एक जैश का टॉप कमांडर भी शामिल है

- **सेना, पुलिस व सीआरपीएफ के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान एक पहाड़ी पर मौजूद मिट्टी के घर में छुपे आतंकियों ने जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग की। भीषण मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए।**

किश्तवाड़, 22 फरवरी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षाकर्मियों ने ऑपरेशन त्राशी-1 के तहत आतंकियों पर कड़ा प्रहार किया है। इस अभियान के दौरान रविवार को तीन आतंकी ढेर किए गए हैं। मारे गए आतंकियों में जैश का टॉप कमांडर भी शामिल है। इस जॉइंट ऑपरेशन को जम्मू-कश्मीर पुलिस, अंतरराष्ट्रीय खुफिया एजेंसयों ने मिलकर अंजाम दिया। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, किश्तवाड़ क्षेत्र में एक्टिव आतंकियों का पता लगाने और उन्हें खत्म करने के लिए एक अभियान शुरू किया गया है।

शीर्ष सूत्रों के मुताबिक पुलिस और सुरक्षाबलों ने जैश के कमांडरों को मार गिराया है, इनमें सैफुल्लाह भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी।

इसके बाद सेना, पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टुकड़ियों ने तलाशी अभियान शुरू किया और सुबह करीब साढ़े 10 बजे चतरू बेल्ट के पासेरकुट इलाके में मुठभेड़ शुरू हुई।

अधिकारी ने बताया कि एक पहाड़ी पर मौजूद मिट्टी के घर के भीतर छिपे आतंकवादियों ने पास आ रहे जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। इस अभियान में अब तक तीन आतंकवादी मारे जा चुके हैं। उनके पास से दो एके-47 राइफलों और गोला-बारूद सहित अन्य आतंकी सामग्री भी बरामद की गई है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। सुरक्षाबल लगातार तलाशी अभियान चला रहे है, ताकि कोई भी छिपा हुआ आतंकी उनकी नजरों से बचे नहीं। आतंकियों की तलाश लगातार जारी है।

पिछले महीने चतरू वन क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच लगभग छह मुठभेड़ हुईं, जिनमें एक सैनिक शहीद हो गया और एक आतंकवादी मारा गया। रविवार को तीन आतंकवादियों के मारे जाने के साथ ही, इस साल जम्मू क्षेत्र में अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के कुल सात आतंकवादियों को मार गिराया है। इससे पहले, उधमपुर में दो और कठुआ जिले में एक आतंकवादी मारा गया था।

टैरिफ से नहीं डरें, स्वदेशी से सशक्त भारत का निर्माण होगा- भागवत

उन्होंने कहा कि संघ किसी विशेष परिस्थिति में बना संगठन नहीं, बल्कि सतत चलने वाला कार्य है

देहरादून, 22 फरवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि किसी टैरिफ का भय दिखाने से डरने की आवश्यकता नहीं है बल्कि स्वदेशी को जीवन में अपनाकर ही सशक्त भारत का निर्माण होगा।

डॉ भागवत रविवार को संघ शताब्दी वर्ष पर गढ़ी कैंट हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र के प्रेक्षागृह में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सरसंघचालक डॉ भागवत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना से लेकर अब तक की तमाम गतिविधियों के विषय में जानकारी दी। डॉ भागवत ने कहा कि संघ कोई अखाड़ा या संगीतशाला नहीं है, बल्कि सुदूर क्षेत्रों में सेवा कार्य करने वाला संगठन है। संघ किसी विशेष परिस्थिति में बना संगठन नहीं, बल्कि सतत चलने वाला कार्य है। यह किसी प्रतिक्रिया या प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं बना है और न ही उसे लोकप्रियता या सत्ता की इच्छा है। भागवत ने कहा कि सुरक्षित और प्रतिष्ठित वही होते हैं, जिनका देश प्रतिष्ठित और बलवान हो। युगांडा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि देश को बड़ा बनाना ही लक्ष्य होना चाहिए। व्यवस्था परिवर्तन के लिए समाज को देशहित में उत्तम कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी जैसे महापुरुषों की आवश्यकता है, लेकिन केवल नाम लेने से नहीं, उनके आदर्शों को जीवन में उतारने से परिवर्तन होगा।

लश्कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कई राज्यों में भीड़ वाली जगह की रेकी कर वहां हमले की तैयारी चल रही थी। इसके लिए हथियारों का इंतजाम किया जा रहा था। उमर ने खुलासा किया कि एक और बांग्लादेशी हैंडलर सैद-उल-इस्लाम जो किसी अन्य देश में है, उसने उमर फारूक का 6 बांग्लादेशियों से संपर्क कराया जो सभी तमिलनाडु में मौजूद थे। सैद-उल-इस्लाम के आदेश पर ये तमिलनाडु से कोलकाता पहुंचने वाले थे। इससे पहले स्पेशल सेल की टीम ने तमिलनाडु पहुंच कर स्थानीय पुलिस की मदद से इन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की टीम इन्हें लेकर तमिलनाडु से ट्रेन के जरिये दिल्ली के लिए निकल चुकी है, सोमवार को इनके पहुंचने की उम्मीद है। जबकि उमर फारूक और रबि-उल-इस्लाम से लगातार पूछताछ की जा रही है। इनके पास से करीब 12 मोबाइल फोन व कई सिम कार्ड बरामद हुए हैं। पुलिस उनकी भी पड़ताल कर रही है।

एआई समिट में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कम हो गई है। नमो भारत ट्रेन मोदीपुरम से सराय काले खां तक की 82 किलोमीटर की दूरी 55 मिनट में तय करेगी। इसका किराया 2.60 रुपये प्रतिकिलोमीटर तय किया गया है।

दो बेटों ने जमीन विवाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहासुनी हो गई। आरोप है कि दोनों बेटे शराब के नशे में थे। विवाद बढ़ने पर उन्होंने पिता के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट इतनी गंभीर थी कि पिता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मृतक की पत्नी ने पुलिस को दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

ट्रंप पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि अधिकारियों ने मारे गए व्यक्ति का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। इस घटनाक्रम पर व्हाइट हाउस की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908